ज्ञान स्तंभ

2017-18

हिन्दू कन्या महाविद्यालय, जीन्द

From the Principal Desk

Dear Students

It is my immense pleasure to present you 45th issue of Gyan Stambh. I congratulate all the participants & the Editorial Board for bringing out such a beautiful magazine.

Empowerment of students and their all round development through education is our cherished motto. Today education means much more than merely acquiring knowledge. It is acquisition of knowledge & skills, building characters & empowering employability of our young talent for future leadership. We encourage creative writing in students. For creative writing there should be power of imagination, observation, good vocabulary & grammar.

Steps taken by College Management, and the college administration, the willing contribution of the teaching & non-teaching staff, overwhelming response & enthusiastic participation of my dear students in the college activites in the recent past all vouch for this. When all the constituents come together & work in unison, the expected results are bound to flow.

I am proud of being a part of such a wonderful and dedicated institution. Come on, let's give our best to make this institution a temple of learning.

Wishing you all the best !

Dr. (Mrs.) Alka Gupta
Principal

EDITORIAL BOARD

L to R (Sitting) Professors

Ms. Dr. Neelam (Sanskrit Section)
Ms. Dr. Geeta Gupta (English Section)
Ms. Dr. Alka Gupta (Principal)
Ms. Dr. Sudha Malhotra (Editor-in-Chief)
Ms. Dr. Poonam Kajal (Hindi Section)
Ms. Anju (Mathematics Section)

L to R (Standing) Student Editor

Ms. Nidhi (Skt. Section)
Ms. Nishu (English Section)
Ms. Monika (Hindi Section)
Ms. Tannu (Maths Section)

CULTURAL ACTIVITIES

दीक्षान्त समारोह के अवसर पर 'रत्नावली समारोह' में पोजीशन प्राप्त छात्राएं मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त करते हुए

राष्ट्रीय स्तर (रत्नावली प्रतियोगिता) में पुरस्कृत छात्राएं

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में दीप प्रज्जवलित करती प्राचार्या महोदया

अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिता में एकल गायन में प्राचार्य महोदया से पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

राष्ट्रीय स्तर (रत्नावली प्रतियोगिता) में हरियाणवी चुटकुले में प्रथम आई छात्रा प्राचार्या महोदया द्वारा पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिता में दीप प्रज्वलित करती हुई प्राचार्या महोदया

स्वतन्त्रता दिवस पर ध्वजारोहण करती मेधावी छात्रा

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में एकल नृत्य करती छात्रा

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में एकल गायन करती छात्रा

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में एकल नृत्य करती छात्रा

दीक्षान्त समारोह पर पगड़ी बांधों प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती छात्रा

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में एकल नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर प्राचार्या महोदया से पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

राष्ट्रीय स्तर (रत्नावली प्रतियोगिता) में हरियाणवी गजल में प्रथम आई छात्रा प्राचार्या महोदया द्वारा पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

राष्ट्रीय स्तर (रत्नावली प्रतियोगिता) में समूह नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा

RED CROSS

स्वैटर वितरण के पश्चात स्वैटर प्राप्त करने वाली छात्राएं

रेड क्रॉस शाखा के अन्तर्गत करवाए गए
'Slogan Writing Competition' में भाग लेती छात्राएं

स्वच्छता व स्वास्थ्य के अन्तः सम्बन्ध को रेखांकित
करते हुए वक्तव्य देते श्री नरेन्द्र नाडा जी

रेड क्रॉस शाखा के तहत जरूरतमंद छात्रा को स्वैटर वितरित करती प्राचार्या
महोदया, श्रीमती अनिता सिंहरोहा व रेड क्रॉस इंचार्ज डॉ. पूनम काजल

'Poster Making Competition' के दौरान भाग लेती छात्राएं

'Essay Writing Competition' के दौरान प्रतिभागी छात्राएं

डॉ. राजेश भोला छात्राओं को स्वास्थ्य
सम्बन्धी जानकारी देते हुए।

'स्वच्छता सप्ताह' के दौरान 'Savue संस्था के संचालक
श्री नरेन्द्र नाडा स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

एक दिवसीय योगा कैम्प के दौरान
योगाभ्यास करती छात्राएं

RED RIBBON CLUB

एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने हेतू एड्स-प्रतीक चिन्ह बनाती हुई छात्राएं

Red Ribbon Club के और Peer Education जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय जीन्द में प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए

HIV/AIDS Awareness Programme के तहत AIDS विषय पर Posters और Slogan Charts प्रदर्शित करती हुई।

पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेती हुई छात्राएं

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर एड्स के प्रति जागरूक करने के लिए 'मानव-श्रंखला' बनाती हुई छात्राएं

रेड रिबन के अन्तर्गत छात्राओं को 'Teach-Aids' विषय पर फिल्म दिखाते हुए

रेड रिबन क्लब के नोडल अधिकारी और पीयर एजुकेटर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए

रेड रिबन क्लब की छात्राएं एड्स-दिवस पर रेड रिबन पहन कर छात्राओं को जागरूक करती हुई।

HIV/AIDS Awareness Programme के तहत Toll-Free No. देखती हुई छात्राएं।

NSS

NSS volunteers serving devotedly for cleanliness on one day camp.

One Day NSS Camp

Oath for cleanliness by NSS volunteers

Oath for anti-violence on 2nd October 2017

NSS volunteers being awarded on Yoga Diwas

Students are staff members international practising Yoga on Yoga Diwas

Students watching 'Toilet Ek Prem Katha'

NSS volunteers Independence Day

INTER COLLEGE COMPUTER DEPTT. COMPETITION

अन्तर्महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में उपस्थित डॉ. अलका गुप्ता एवं अन्य प्राध्यापिकाएं

अन्तर्महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में भाषण देती छात्रा ज्योति

Power-Point Presentation in the Cultural feet organized by the computer department

PPT Presented by a student in inter college competition

Passport awareness programme organised by department of computer science.

अन्तर्महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करती छात्राएं

WOMEN CELL

Mr. Sudhanshu demonstrating how to segregate garbage into different categories for disposal

Cleanliness Campaign

Mrs. Sudhanshu talking about garbage disposal

Debate on women's issues

Student presenting for views on women's day

Winners of लाडो-सुरक्षित लाडो being awarded by honble President Sh. Ashul Kumar Singla

Inter College Mehandi Competition Award Ceremony

Inter College Mehandi Competition

ELECTION RELATED ACTIVITIES

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित जागरूकता रैली में भाग लेती छात्राएं

दाखिले के दौरान वोटर कार्ड के लिए फॉर्म लेती छात्राएं

मतदाता दिवस पर प्रियदर्शिनी कॉलेज में हुए समारोह में दूसरा स्थान हासिल करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते प्रबंधक समिति के सदस्य एवं प्राचार्या महोदया डॉ. अलका गुप्ता

जिला निर्वाचन कार्यालय के द्वारा आयोजित जिला अर्न्तमहाविद्यालय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित साइकिल रैली में भाग लेती छात्राएं

वोटर कार्ड बनवाने हेतु स्लोगन पट्टिकाएं लेकर रैली निकालती छात्राएं

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ में भाग लेती छात्राएं

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं

मुख्य संपादिका की कलम से

डॉ० सुधा मल्होत्रा
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभागाध्यक्षा

विद्यार्थी देश की सम्पति हैं। ये ही राष्ट्र के भावी कर्णधार हैं। विद्यार्थी सत्साहित्य का सेवन करके ही तेजस्वी और यशस्वी बन सकता है, क्योंकि जैसा साहित्य हम पढ़ते हैं वैसे ही विचार मन के भीतर चलते रहते हैं और उन्हीं से हमारा सारा व्यवहार प्रभावित होता है। भारत का यही युवक वर्ग जो पहले देशोत्थान, देशोद्धार की बात सोचता था, आध्यात्मिक रहस्यों की खोज में लगाा रहता था, आज वह मोबाइल की रंगीन दुनिया के पीछे पागल होकर अपना जीवन और समय व्यर्थ में खोता जा रहा है। आज उसकी शक्ति, ऊर्जा, उत्साह अपने को सामर्थ्यवान न बनाकर मानसिक और बौद्धिक बल को क्षीण कर रही है। युवा 'फेसबुक' 'व्हाट्सैप' आदि के कारण दुव्यर्सनों के आदी हो गए हैं। दुव्यर्सनों से तात्पर्य केवल एक ही पानी का नशा नहीं, अपितु सुंदर भड़कीले वस्त्र देखने का नशा, 'ब्लू फिल्म' देखने का नशा, भौंडे, अश्लील दृश्य देखने का मज़ा, भद्दे, कुत्सित (घृणास्पद) भौंडे गीत गाने का नशा, उन गीतों पर मटकते गोपनीय अंगों को हिलते हुए देखने का नशा भी नशे के अंतर्गत आता है। विडंबना तो यह है कि आज का विद्यार्थी इतना भी संयम नहीं कर पाता कि वह कक्षा में अगर 1/2 घंटे के लिए आता है तो वह मोबाइल निकाले बिना रह नहीं पाता।

''पीछे कुछ भी हो, स्वाद चाहिए ही खाने को।
अच्छी लगती है, खुजली भी खुजलाने को।।''

की स्थिति सामने होती है। फिर बेइज्ज़ती हो, या दण्ड मिले, विद्यार्थी शर्म महसूस नहीं करता। आज के विद्यार्थी ने धरती से हज़ारों मील दूर आकाश में टिमटिमाते तारों को देख सकने की सामर्थ्य आखों में प्राप्त कर ली है, परंतु अपनी आंतरिक दृष्टि की शक्ति को कुंद कर लिया है। आधुनिक काल में विकास के पथ पर अग्रसर होकर मानव चंद्रग्रह पर पहुँचने के लिए अंतरिक्ष में उड़ता है, परंतु अपने ही भीतर के आंतरिक भगवान के पास पहुँचने का प्रयास नहीं कर पाता। हमें अपनी विवेकबुद्धि का प्रयोग कर अपनी गरिमा, दिव्यता और मानव-जीवन के महत्व को समझना चाहिए। सच्ची शिक्षा वही है जो मानव के अन्दर छिपी अच्छी दिव्य भावनाओं का उदय करती है, वही सच्ची मानवता होती है। जो दूसरों को ही नहीं, अपने को भी धोखा देता है, वह शिक्षित नहीं हो सकता। शिक्षा हमें विशाल और उदार बनाती है। आजकल शिक्षा के माध्यम से अपनी भौतिक तथा स्वार्थपूर्ण प्रगति करने का विद्यार्थियों का ध्येय होता है। शिक्षा के कौन से विषयों का चयन करने से भविष्य में कितना आर्थिक लाभ होगा। किसी व्यवसाय या नौकरी में अपने लाभ को बढ़ाने के लिए दूसरों के साथ कितना अधिक धोखा करने के अवसर मिलेंगे, ऐसे विकृत विचारों वाले व्यक्ति के परिवार जन भी उसे बहुत चतुर और कुशल समझते हैं, जबकि एक सच्चे मानव को अपने आप से यही पूछना चाहिए कि मैं समाज में लोगों का और उस विधि से समाज का भला किस प्रकार से कर सकता हूँ! विद्यार्थियों को सोचना चाहिए कि शिक्षा जो वे ग्रहण कर रहे हैं, उसकी सहायता से समर्थ बनकर समाज की सेवा वे किस प्रकार से कर सकते हैं। परंतु आज समाज में लोगों के ऐसे सुन्दर और आदर्श विचार नहीं होते हैं। ऐसे संकुचित मानस वाले स्वार्थपरक लोगों को सच्चे अर्थों में मानव जीव नहीं कह सकते हैं। वे जो पढ़ते हैं, उसे हम सही शिक्षा का नाम नहीं दे सकते हैं। यदि शिक्षा ग्रहण करते हुए हमारे अंदर उत्तम आचरण नहीं आया, तो समझना चाहिए कि हमारी बुद्धि ने प्रगति नहीं की। हमारी विवेक बुद्धि का विकास नहीं हुआ। हमें कम-से-कम एक दो शिक्षाओं को अपने आचरण में लाना चाहिए। शिक्षित व्यक्ति को देश की दशा

देखकर जिज्ञासा होनी चाहिए कि देश का पतन क्यों हो रहा है ? सच तो यह है कि लोग नितांत स्वार्थ में डूबे हुए हैं और कुएँ के मेंढक जैसा आचरण करते हैं। उनमें दूसरों की भलाई करने जैसी उदार वृत्ति नहीं होती है। उनकी दो ही बातों में रूचि होती है- मैं और मेरा ! - बस और कुछ भी नहीं। पुस्तकीय अध्ययन प्राप्त करने के बाद हमें ज्ञान का उपयोग, जीवन में करने का अवसर और समय निकालने का अभ्यास करना चाहिए। हम जो भी जीवन में करें, उससे दूसरों को आनन्द मिले और समाज में प्रसन्नता का प्रसारण हो, ऐसा काम करना चाहिए।

खदान में खुदाई करने पर चमकीले पत्थर के रूप में हीरा मिलता है और सामान्य रूप से देखने पर उसका मूल्य अधिक नहीं लगता है। फिर जब उसी चमकीले पत्थर की धूल मिटटी को हटाने के उपरांत उसको तराश कर/काटकर तैयार किया जाता है तो वह एक हीरा कहलाता है और उसका मूल्य अनेक गुना बढ़ जाता है। इस प्रकार से परिष्कृत करने को (सुधारने का) संस्कार कहते हैं। उसी प्रकार से मनुष्य को भी संस्कार दिए जाते हैं, जिनके द्वारा उसके अन्दर के मानव-मूल्य (गुण) उभर कर बाहर आते हैं। वह एक सदगुणी व संस्कारी नागरिक बनता हैं और समाज में प्रेम तथा शांति का वातावरण फैलाता है। एक एक सद्‌गुणी व संस्कारी नागरिक संपूर्ण मानव समाज को प्रकाशित करता है।

खेत में जब फसल पक जाती है और धान काटने के लिए तैयार हो जाता है तब उस पर उसका मोटा छिलका होता है और ऐसा कच्चा चावल खाने के योग्य नहीं होता है। पहले उसे धूप में सुखाकर छिलका निकालते हैं, फिर आग के ऊपर पानी में उसे अच्छे से पकाते हैं, तभी फिर वह पका हुआ चावल खाने के योग्य बनता है । धान से भरा हुआ एक बोरा यदि उस समय 300 रू का हो, तो वही धान मशीन में से निकल कर चावल बन कर आठ सौ रूपए के मूल्य का बन जाएगा। परिष्कृत, संस्कारी मानव भी समाज के लिए एक मूल्यवान उपलब्धि बन जाता है।

कपास के पौधे में से निकलती हुई रूई को आप अपना शरीर ढँकने के लिए काम में नहीं ला सकते हैं। उस कच्ची रूई में से असंख्य बिनौले (कपास के बीज) निकाल कर रूई धुनकर उसे साफ करते हैं, फिर सूत के धागे निकाल कर उसे चरखी पर चढ़ाया जाता है और ताना बाना करते हुए बुनकर कपड़ा बुनते हैं, तब फिर वह कपड़ा या रूमाल बनकर हमारे हाथ में आता है। इस प्रकार के सुधार व परिवर्तन के द्वारा परिष्कृत होने की प्रक्रिया को संस्कार कहते हैं। संस्कार के कारण वस्तु या व्यक्ति का मूल्य बढ़ जाता है।

एक मानव- जीव जो 'पाँच इंद्रियों और मन' का बना हुआ पुतला होता है, वह अपने सोचने, विचारने और बोलने की शक्तियों के साथ एक मानव जीव का रूप धारण करता है और मनुष्य कहलाता है, परंतु जब वह चेतन हो जाता है, जब उसमें अच्छे या बुरे का भेद समझने की विवेक बुद्धि का विकास हो जाता है तब उसे हम संस्कारी व्यक्ति कहते हैं और मानव समाज में उसका मूल्य बढ़ जाता है।

ऐसा करने से हम जीवन में कभी निराश नहीं होंगे। पुस्तकों पर पूर्ण निर्भर रहने से अच्छा है कि हम प्रकृति को अपना शिक्षक बनाएँ। विशाल ब्रह्माण्ड में सीखने/सिखाने के लिए कई अध्याय हैं। अपने निर्मल, स्वच्छ, पवित्र हृदय को गुरू बनाना चाहिए और ईश्वर को अपने सर्वश्रेष्ठ मित्र के रूप में देखना चाहिए। कभी भी जीवन में असफल नहीं होंगे। सफलता हमारे कदम चूमेगी।

ENGLISH SECTION

Teacher Editor
Dr. Geeta Gupta
Assoc. Prof. in English

Student Editor
Nishu

Index

1.	Editorial	Dr. Geeta Gupta	5
2.	Exercise Control Over Your Senses	Dr. Sudha Malhotra	6
3.	Know Thyself, Accept Thyself, Express Thyself	Dr. Anshu Sailpar	7
4.	Role of Technical Textiles in Modern Life	Ms. Mona Verma	8
5.	Do Things in Time and On Time	Mrs. Neelam	9
6.	Economic Reforms in India	Dr. Priyanka Sahni	10
7.	Therapeutic Value of Music in Mental Disorders	Dr. Keauty	11
8.	Library Services with Technology	Dr. Pinki Mor	13
9.	Don't Quit	Ms. Ritu Dhingra	14
10.	Demonetization	Preety Mittal	14
11.	The World Without Walls	Magna	14
12.	Interesting English	Sanjana Sharma	14
13.	A Teacher	Akarti Dalal	15
14.	Parents	Akarti Dalal	15
15.	The Invincible	Pooja	15
16.	Flower too Speak	Pooja	15
17.	Definition of a Teacher	Pooja	15
18.	Friendship	Riya	16
19.	Thoughts of Friendship	Purvi	16
20.	Indian Army	Monika	16
21.	Brain Teasers	Renu	16
22.	Oh ! Chemistry	Ashu	17
23.	Be Proud of Who You Are	Ekta Malik	17
24.	Examination	Manisha	17
25.	Colour Fading of Taj Mahal	Pooja	17
26.	Smile	Anu Malik	17
27.	Science is My Thing Today	Kavita	18
28.	Thinking Like a Scientist	Kavita	18
29.	Scared of	Garima	18
30.	Science Quotes	Asha	18
31.	Science : Treasure or Mystery	Priyanka Malik	18
32.	Happiness	Diksha	19
33.	Amazing Facts About India	Diksha	19
34.	Teacher	Preety	19
35.	Definition of Heart	Sanjana Sharma	20
36.	Divinity of Female	Annu	20
37.	Computer	Akarti Dalal	20
38.	Why We Need Simultaneous Elections ?	Mrs. Kranti	21

Editorial

Inculcating values in the children has always been an up hill task especially in modern day scenario. We can only give to another what we have, if our cup is empty how can we expect to fill the another cup. This is the dilemma that the present generation parents faces. We do not become role models for our children. We do not practice what we preach. This is the reason that most of the children and young adults rebel against their parents and the system in which they are brought up.

The society does not posit any example before them and they rebel against the system. It is said that the child the is father of man. Children are able to gauge reality. Moreover, we have to teach them with love. selfless love only attracts them and leads them towards goodness. Unconditional love makes them devoted to the parents and the teachers. Another problem faced by modern educators is dearth of time. We do not have time for our youngsters. It seems, as if we are running a race. We are constantly looking at our watches. Our clocks have become dictators. We are ruled by them. Lord Buddha said once that constantly running is like anaesthesia.

It allows us to escape asking and answering vital questions of life. It also causes life style problems such as BP and diabetes. It makes us fret with hurry and makes us elude real life. We can not expect to be peaceful if we do not stop this mad race and sit quietly. Nurturing our present generation is a big responsibility that lies on our shoulders. We should carry it gracefully and lovingly.

Dr. Geeta Gupta
Assoc. Prof. in English

Exercise Control Over Your Senses

Dr. Sudha Malhotra
Excerpt from 'Sanathan Sarthi'

See no evil, See what is good,
Hear no evil, hear what is good,
Talk no evil, talk what is good,
Think no evil, think what is good,
Do no evil, do what is good,
This is the way to God.

We should see that all that is good enters our senses. We should give no scope to anything evil. Bad company is responsible for our evil qualities. So run away from bad company otherwise, your life will go along wrong path due to the effect of bad company.

Here is a door. Put the key in the lock. when you turn the key right, the lock opens. When you turn the key left, it closes. The same key, the same lock. There is difference only in turning your heart in the lock, the mind is the key. When you turn the mind towards the world, there is attachment. Turn the mind towards God to detachment.

It is not enough if you are away from bad company. Supposing you are diabetic patient. It is not enough if you takes medicine, you should also control your diet. Along with medicine, control over the diet will give you relief. It is not enough if you leave bad company you should also join good company. Have friendship with good people. Who are good ?

Who are bad ? Human life has certain limitation. Society has some regulations, Basing on the rules of society, Who is good ? The one with three qualities is good. What are those qualities ? Daiva Preeti Papa Bheeti and Sangha Neeti-love for God, fear of sin and morality in society. These three qualities will take man to noble heights.

When there is fear of Sin, man will have love for God. When he has love for God then he can develop morality in Society. The one with these three qualities is a real human being. There are the three qualities Which are related to heart, head and hand. This is not EHV (education in human value). It is 3HV. The first H stands for heart, the second H signifies head and the third H, hand. We should have control over these three. Then only will human qualities develop in us.

We have lost human values today. What is the reason for this degeneration ? Only desire and anger. Ravana did not make proper use of his Drishti (vision). He looked at Sita in a bad way. whom so ever you look at, you should have goodness in the mind. Your eyes are Sacred. Always make Sacred use of them. Your Drishti (vision) is equal to Srishti (creation). The vision can burn down the world to ashes. It can also save and protect it. So, make proper use of your vision.
It is only due to your bad vision that bad thoughts develop in you.

Desire and Anger are Animal qualities. When you have desire in your heart, you are not able to do anything good because the desire becomes an obstacle. It is only your desire that makes you think of doing something bad. We say we have enemies. Who are the enemies ? Those who harm you or hurt you are your enemies. Those enemies are within you. Both anger and desire harm and hurt you and cause pain to you.

Your mental restlessness is because of your anger and desire. Anger can be controlled when you put a celling on your desires. In human life, there is no mistake in it. But they should be limited. If they are excessive, you can never fulfill them.

Everything needs a control. There should be a limit. There can be no welfare without discipline. when your body parameters are within limits. you are healthy. When the limit is crossed. It indicates disease.

Our life is within a limit. Human life is a limited company. Starting in a limited company. If you go beyond the limit, you will be punished, you will be taxed. You should never face any sort of punishment.

If you want to reach divinity. Escaping punishment, you should proceed in a limited way. There should be a limit in talking, seeing, walking, thinking, everything should be within limits. But today we cross all limits. Our desires are limitless. Life is a long journey. Reduce the burden of your desires-less luggage, more comfort makes travel a pleasure.

If you carry too heavy luggage on the long journey of life. It would be troublesome. The luggage is the desires, Gradually reduce your desires. When you reduce worldly desires, Spiritual desires will increase. Man today aspires for spirituality, but goes on increasing worldly desires. He develops too much attachment. It is not attachment that is important. Detachment is the royal path to spirituality. How ? You have a family, Children and a house. Do your duty. Duty is God. Work is Worship. But you should not have too much attachment. You should educate your children. Give them food and take care of them. But you should not have too much attachment with them.

Know Thyself, Accept Thyself, Express Thyself

Dr. Anshu Sailpar, Assistant Prof. of English

Lao Tzu, a Chinese philosopher says,"Mastering others is strength but mastering yourself is true power." To know our inner self is to know our purpose. Our vision, our goals, our values, our beliefs our motivations. It is not what we have been told by others, but what we have discovered for ourself. It requires a high level of introspection and self-awareness. At the same time, the process of self-discovery never ends. It is actually, a life- long journey. The people who pay much heed to their social constructed identity only will not be able to articulate their own visions, goals & beliefs etc.

That's why it is important to find our inner self. We are the owner of our life. If we are not connected with our real self. We are probably just living for others. Leo Tolstoy, a great Russian writer says, "Your understanding of your inner self holds the meaning of your life". To know our inner self is, thus. the first step of living a conscious life of our creation.

After uncovering more of our inner self, we may find that some of our real identities do not match our real inner self. The conflict between who you are and who you are expected to be will invariably persist. So you need not worry..... Well, This is the first step to discover who you are. What we can do next is to accept ourself. Our actions should move towards our inner self. We should not wait for others to guide us or to direct us. Do what your inner self wants you to do.

A constant consideration of these things will certainly help us to become more congruent with our true self. Consequently, it will lead us to express our"self". And remember, dear students, it will not happen by chance. It will happen as a result of your conscious efforts only.

So just leave the moments of inertia and focus finding your inner self, then accept it and express it wholeheartedly in order to live a conscious life.....

Role of Technical Textiles in Modern Life

Mona Verma
Asstt. Prof. of Home Science

Introduction :-

In our life, we use textile material for different purpose but whenever we are asked about term textile, we generally associate the word with clothing. There are some interesting facts about the textiles: we need to know about them. Textile Industry in India is one of the oldest industries contributing in Indian economy. The textile industry is one of the leading sectors in the Indian economy as it contributes nearly 14 percent to the total industrial production. This industry provides direct employment to around 35 million people, Which has made it one of the most advantageous industrial sectors in the country.

Technical textiles :-

Textile material which is used for imparting the functional property to the fabric rather than aesthetic look comes under the category of technical textile. Depending on the usage, technical textile can be divided into twelve segments i.e. Agrotech, Clothtech, Hometech, Meditech, Oekotech, Protech, Buildtech, Geotech, Mobiletech, Packtech, Sportech and Indutech.

Modernization of Indian agriculture is taking place with the use of advanced techniques of production and technologies with due attention to productivity, quality improvement, preservation of food stocks, packaging etc. Thus, agrotech is another area which has great potential. It includes products such as shade-nets, mulchmats, crop-covers, anti-hail nets, and fishing nets.

The Indian automobile industry is getting modernized and application of textiles in areas of shipbuilding, aerospace, rail vehicles, motorcycles bikes, airbags, tyres, etc. has gone up substantially. Today, a car utilizes at least 15 kg. of textile materials. Thus mobitech with special features such as sound absorbency, UV resistance, degradation resistance, etc. have huge potential for both domestic and export markets.

The meditech segment includes products such as diapers, sanitary napkins, surgical dressings, artificial implants, and other miscellaneous products of hygiene, health, and personal care which are available in woven, nonwoven, and knitted forms. Further, with the government laying emphasis on promoting rural healthcare, this area offers tremendous scope.

With the growing awareness for environment protection, application of textiles in areas such as waste disposal and recycling is opening up new opportunities. Some of the products manufactured under this segment are soil seals, textile drainage systems, mobile containers, textile noise barrier system, landfill textiles, erosion prevention system etc. Thus, ecotextiles categorized as oekotech offer steady and growing opportunities for diversification.

The revolutionary new textiles used in the sports and leisure industry are popularly known as sportech. Today's sports demand high performance equipment and apparel. The light weight and safety features of sportech have become important in their substitution for other materials. These high-functional and smart textiles are increasingly adding value to the sports and leisure industry by combining utilitarian functions with wearing comfort that leads to achieving high level of performance.

As the demand for packaging and packing material is directly related to production and overall economic growth and growing movement of goods for domestic and international trade, this segment has a very promising market. Packtech includes heavyweight, dense woven fabric (used for bags, sacks flexible intermediate bulk carriers, and wrappings for textiles bales and carpets), lightweight nonwovens used as durable papers, tea bags, and other food and industrial product wrappings.

Industrialization and growing production of sophisticated products are throwing up new markets for technical textiles. Technical textiles items known as indutech have diverse applications in almost all industries. Some of the popular applications include filtration (filters), conveying (conveyor belts), cleaning with special absorption capacities, polishing cloths, sealing cords for tunnel oven dollies, coated/laminated fabrics, heat resistant fibres/yarns, etc.

Clothtech includes textile components and accessories used in manufacturing garments and other textile containing products. Items such as insulation materials, interlinings, sewing threads for various applications, lables, fasteners (zip and velcro), shoe laces, hooks and loop fasteners, etc. are in good demand. There have been some recent developments in the area of technical textiles. Some of these are breathable artificial fabrics, thin and light reflective fabrics, three dimensional (3-D) structured fabrics, metallic textiles, sports shoes, wearable computer jackets, warning vests, Photonic textiles for innovative lighting solutions, wearable E-health system, global positioning system (GPS) jackets, etc.

Future of textile industry :

Immense opportunities are also being seen in the entire gamut of Technical Textiles given the range and diversity of raw material, processes, products and applications that they encompass. "Technical textiles" have been breaking new ground due to their cost effectiveness, durability, versatility, user friendliness, eco-properties.

Conclusion :

Considering the population of India, there is a major scope of growth and development in the sector. Role of Textile Industry in India GDP has been quite beneficial in the economic life of the country. The worldwide trade of textiles and clothing has boosted up the GDP of india to a great extent as this sector has brought in a huge amount of revenue in the country.

Do Things in Time and On Time

Mrs. Neelam, Assistant Prof. of Political Science

The most precious thing in life, more precious than even gold and diamond is time. Every hour, every minute, every second is precious since life is made of seconds, minutes, hours, days and years. The time that is gone is gone for ever. It will never return how much so ever we try.

A needy man came to king yudhisthra, the eldest of the pandava brothers and begged help. "All right, come tomorrow, your need will be fulfilled", said Yudhisthra.

Bhimsen, the second brother of the pandavas got up and he sounded the gong denoting some great victory. "What is this Bhimsen ? Why this gong of victory," yudhisthra asked surprisingly. "Sir, you have got the better of Kaal, the god of death. Hence, this gong. you are sure to live till tomorrow, you can flout and ignore death for twenty four hours, It is not a great victory ? replied Bhimsen in his own style.

Yudhisthra realised the implication of Bhimsen's statements. Whatever I have to do, I must do it here and now. Why Postpone it till tomorrow or some future date ?

He Called back the man and did the needful. The common adage very nicely points to this fact of life, it is an important rule of conduct.

Do today what you postpone doing tomorrow. Do that just now, which you intend doing today. Deluge may come off any moment. In that case, when next would you do it ?

Some persons complain of lack of time or opportunity. But the fact is that everyone has time and opportunity. They do come in everyday's life. But the idle ones do not make use of them and behave like the child who cries over the spilt milk.

As the men of wisdom have said more than once, time and tide wait for nobody. At the same time it is also true that every wave brings with it the energy of the vast ocean, so is the care with time. Every moment is full of the potency of the timeless time. Pointing to this eternal truth, Lord Sri Krishna had asked Arjun to do the duty at hand and not indulge in ifs and buts.

Let these words of Joseph Hall be your guide. Those who dare lose a day are dangerously prodigal, those who dare misspend it are desperate.

ECONOMIC REFORMS IN INDIA

Dr. Priyanka Sahni, Assistant Prof. of Economics

Economic Reforms refer to the introduction of innovative policies such as eliminating the market barriers, encouraging economic participation from private sector, reducing fiscal deficit, increasing exports and reducing imports etc. for increasing the growth rate of economy. The process of economic reforms was started by the Government of India on 24th July, 1991 for taking the country out of economic difficulty and speeding up the development of the country. The main pillars of economic reforms are;-

Liberlization
Privatization
Globalization

Liberalization means to free the economy from direct or physical controls imposed by the Government. Prior 1991, Government had imposed several types of control on Indian economy e.g. industrial licensing system, price control, import license, foreign exchange control etc. The Government introduced various measures in order to liberalize the Indian economy such as:- a.) Abolition of industrial licensing except in few industries b.) Concession from MRTP Act c.) Freedom to import capital goods and technology d) Freedom in determining the scale of business activities e) Simplify the procedure to attract foreign capital F) Action plan for information technology and software development.

Privatization means an economic process through which some public sector undertaking is brought either partially or completely under private ownership. The Government introduced several reform measures for the public sectors such as;- a) Selling of loss making units to the private sector B) Inviting private participation in public sector enterprises c) Contraction of public sector D) Sale of shares of public enterprises.

Globalization is defined as a process associated with increasing openness, growing economic independence and deepening economic integration in the global economy. The Government introduced various measures in order to globalize the Indian economy such as;-A) Reduction in trade barriers b) Replacement of Foreign Exchange Regulation Act(FERA) 1973 by Foreign Exchange Management Act (FEMA) 1999 c) Devaluation of currency d) Encouragement to foreign investment e) Partial convertibility of rupee on current account f) Announcement of EXIM policy first time for the period 1992-97 and so on barrier for business enterprise.

The economic liberalization has helped India to grow at a faster pace due to which India is now considered as one of the major economy of Asia. The foreign investments in India have increased over the years. Many Multinational companies have set up- their offices in India. The Per Capita GDP of India has increased in the recent years which is a sign of growth and development. India has emerged as a leading exporter of services, manufactured goods, software and information technology products. Many companies such as Wipro, Tech Mahindra have worldwide frame. Thus, the New Economic Policy is taking India towards market economy. It has relieved India much of her hardship that she faced in 1990-91.

Therapeutic Value of Music in Mental Disorders

Dr. Keauty, Assistant Prof. of Music (Vocal)

Music is an integral part of social and cultural life of a human being. It has ability to effect emotions and social interactioning. It is absolutely concerned with the problems of emotional content, value and beauty. Though, music has been used as a healing force for centuries.

Music therapy goes back to biblical times when David played the harp to rid king saul of a bad spirit. As early as 400 B.C. Hippocrates Greek father of medicine played music for his mental patients. Aristotle also described the therapeutic values of music for purifying the emotions. In 13th century Arab hospitals contained music room for patient's benefit. In U.S. NAM (National American Medicine Men) often used chants and dances for healing patients.

As we know that music used as therapy began after from world war-I and II Musicians would travell to hospitals in UK and play music for soldier suffering from war related emotional and physical trauma. It is documented that music effects quality of life, expressing feelings, awareness and responsiveness, positive association and socialization.

In ancient Egypt music was used to lessen the pain of woman during child birth. In India legend has it that Thyagraja of South India brought a dead person back to life by singing the composition "Nav Jeevan Dhara" in Raga Bihari in 1729. A Physician Richard Browne wrote the famous text Medicines Musica, which describes the use of music as medicine.

In 1944, Michigan State University has been started the music therapy degree programme. After that in (1950) NAMT (National Association of Music Therapy, in (1958) BSMT (British Society for Music Therapy) and in (1971) AAMT (American Association for Music Therapy) has been started. It is the largest professional association which represents over 5000 music therapist corporate members and related associations world wide, working with the mission of progressive development of the therapeutic use of music in rehabilitation special education and community settings. So, music has been considered as a healer, soother and best way to relax. Since times & today, even researches have proved that music helped in increasing the secretion of milk and growth of plants. Then how we, human beings remain unaffected by music.

A human being in his life is generally effected by two types of disease i.e.

(i) Physical Disease

(ii) Mental Disease

In the context of above mentioned topic. We want to say that mental disease originated from mental disorders.

There are two types of Mental Disorders :

(i) Neurosis

(ii) Psychosis

Neurosis :

Means disorder sensation of nervous system which is defined by William Cullen, in his book "System of Nosology" in 1769. In this disorder, the symptoms of patient being cured fastly by giving them general mental therapy.

Symptoms of Neurosis & how can they cure by music :

Anxiety :

Brain mane music therapy a attempts to address anxiety, depression, insomnia and migraines via music created from patients brain manes. The brain manes are recorded via electroencephalogram (EEG) equipment and then converted in to musical sounds and transferred to a CD. Reportedly, the result sounds like classical piano music.

Phobia :

"This disorder stands for fear of anything beyond the actual situation. Social phobia cure therapy binaneral beats subliminal music". This music contains binaneral beats to reinforce th subliminal messages into subconscious mind easily and more effectively.

Binaneral beats are gently and nicely conveyed into your brain to produce trance like state that helps reinforce message without conscious effort.

Depression :

Term stands for longtime sadness created by any shocking situation. Music therapy offers a real clinical benefit to depression sufferers comes from a review by the cochrane collaboration, a not for profit group that reviews health care issues. "The current studies indicate that music therapy may be able to improve mood."

Obsession :

In which a person is defeated by uncontrollable logic less views. Music therapy can also be used alongside the more traditional routes to treat obsessive compulsive disorders. The light music has often been used to relax people and it is possible that by playing music, anxiety levels can be reduced. Learning to play an instrument is also a positive way to reduce the opportunities for obsessive thoughts.

Hysteria : Conversion type & Dissociative Type

In both types patients all affected by fits. The patient acts like mentally retarded persons. The most recognized traditional south Italian music is accompanied by Tambourines. The music is very different, its tempo is faster, for one thing but it has similar hypnotic effects especially when people are exposed to the rhythm for a long period of time. This music is used in the therapy of the patients with certain forms of depression & hysteria and its effect on endocrine system.

Psychosis :

Psychosis is symptom of mental illness. It means a loss of contact with reality. This happens in two broad forms i.e. Hallucination and Delusion.

Symptoms of Psychosis & how can cure by music :

Schizophrenia :

It is a complex, chronic severe and disabling brain disorder and affects approximately 1% of all adults globally. Music therapy helps people with schizophrenia improve their global state, mental state and social functioning. The Cochrane authors say that the specific techniques of music therapy which includes musical improvisation and discussion of personal issues related to musical process require specialized training for therapist. The effect of music therapy seemed to be strongly linked to the number of therapy sessions.

These symptoms of neurosis & psychosis mental disorders are cured by music efficiently. So now we can say music is used as therapy with individuals of all ages and with a variety of conditions, including psychiatric disorders, medical problems, physical handicaps, sensory impairments, development disabilities etc. It is the most easiest cheapest & simplest form of therapy for the correction of many ills and sufferings of the living creatures of the world.

Music therapy is going to be very relevant in the coming future due to the costly treatment through medicines beyond the reach of common man. Moreover, medicines may have many side effect from which therapy is free.

Right now music is not merely subject of study limited to the four walls of a room or to the Guru Shishya parampara, but is a subject of helping the mankind to improve their lot by incorporating all sorts of knowledge and experience for attainment of good human beings.

At last we can say that all types of effects like psychological, physiological, physical, moral, Intellectual and spiritual confirm the supremacy & therapeutic value of music.

Library Services with Technology

Dr. Pinki Mor
Librarian

Introduction :

Technology in library mean that first converting traditional library material i.e. books, papers and other information in digital from which reduces traditional collection of these material. Technologies provide real-time and asynchronous access to reference library service which help to increase access to these services to those located around the world as well as those who are local but whose schedules do not permit trips to the library during working/business hours. The digital revolution has made books more available than ever before. Now, you can sit comfortably on your own home and download books to your computer or smart phone. This means that the library must provide service other than merely putting books on display in order to persuade the users to get up from the home. The digital library provides library service globally to their users. Digital libraries facilitate large number of users at global level to acess the contents from the repositories of electronic documents. Technology is providing opportunities for libraries to design and disseminate new services to the users. The economic concerns also forced these to choose electronic collection, especially journals rather than their counterparts. This repositioning strategy was adopted to help libraries extend the service of a traditional library by enabling activities such as access to materials outside the physical confines of the library.

Keywords :

Technology, Digital tools, Remote Communication, Electronic Document.

Library with digital technology :

Growth in the technology had produced a set of several new terms like paperless library, e-library, Universal virtual library and gateway indicating its impact on the various fields. There is a striking effect on the user behaviour in information utilisation because of changing dissemination of web environments with the development of technology. The library users request immediate and suitable usage of information across the time and space limit, which change the library environment. Remote access to library e-resources among user community wherever they reside is the priority of the library. Remote access to e-resources is a best practice of libraries because it offers opportunity for the best use of the e-resources, which is one of the objectives of a modern library. As per Dr. Ranganathan's five law of library science, 4th and 5th law respectively states 'save the time of user' and 'Library is a growing organism' indicate that libraries should adapt all new technologies for services in modern era. Remote access offers easy access of multiple resources subscribed by the library through its interface making simpler the task of user. Information technology being the common link between the e-learning and the modern libraries, lots of new avenues are seen emerging for the library and information community. This new environment is providing opportunities for libraries to design and disseminate new service to the users. The smart phone works like a PC on internet to get information from library. Smart phone has different tools/programs like instant Messaging, E-mails, Multimedia tool and other's for access and view/read information's. The economic concern also forced these to choose electronic collection, especially journals rather than their counterparts. This repositioning strategy was adopted to help libraries extend the services of a traditional library by enabling activities such as access to materials outside the physical confines of the library. Thus the complimentary linkage between libraries and communication technology will help to widen the access. The libraries are definitely transforming and getting modernised with technology in the e-learning movement.

Don't Quit

When things go wrong as they sometimes will,
when the road you are trudging seems all up hill,
when the funds are low and debts are high
and you want to smile, but you have to sigh,
when care is pressing you down a bit,
Rest if you must but don't you quit.
Life is strange with its twist and turns,
As everyone of us sometimes learns
And many a failure comes about
when he might have won had he stuck it out,
Don't give up though the pace seems slow,
You may succeed with another blow,
success is failure turned inside out.
The silver tint of the clouds of doubt,
And you never can tell just how close you are,
It may be near when it seems so far,
So stick to the fight when you are hardest hit- Its
when things seem worst that you must not quit.

Ritu Dhingra
(Lecturer in English)

Demonetization

A huge economical wave hit India on 8th Nov. 2016 in the name of Demonetization, when our respected prime Minister Mr. Narender Modi revealed the news of demonetization to the country through a one hour long speech at 8 P.M. sharp. Demonetization is the act of stripping a currency unit of its state as legal tender. It is withdrowal of a particular form of currency from circulation. Nations demonetise their currency to combat inffation to combat corruption and to discourage a cash system.

The Indian govt. decided to demonitise the 500 and thousand rupee note. The government's goal was to eradicate fake currency, fight tax evasion, eliminate black money and promote a cashless economy. The scarcity of the cash due to demonetization led to chaos and people faced difficulties in exchanging their currency. The stock market indices brought to an around six month low in the week. The advantages of demonetization include low cash and corruption free economy. It will help in gaining higher fiscal revenue. So the idea of demonetization was fair, simple and a master piece.

Preety Mittal, B.A IInd
Roll No. 160109

The World Without Walls

Let's Join hands to build a world without walls,
No contribution of bricks,
No ! not at all world without discrimination,
terror and war,
love and love everywhere,
let us shower Bann all the haters,
Nourish only love,
Be the bearer of peace,
just like a dove the place would be wonderful,
calm and cheering,
Everyone's laughter we only would be hearing
No stress any where, no tear, no fear,
Because this is our world and only
we live here give living to everyone,
Bound no one to be a stray,
Bring all glory to us,
only this we pray.....

Magna, B.Sc. Ist
Roll No. 2592

Interesting English

We'll begin with a box and plural is boxes but the plural of ox is oxen not oxes. Then one fowl is a goose but two are called geese yet the plural of mouse should ever be meese.

You may find a single mouse or a whole set of mice but the plural of house is houses is not mice.

If plural of man is always men why should not the plural of pan be pen. If I speak of foot and you show me your feet.
And I give you boot should be a pair of beet.
If one is tooth and set is teeth
why should not the plural of booth be beeth.
We speak of brother and also of brethren.
But though we say mother we never say mothern
Then the mascuine pronouns are he, his, him
But Imagine the feminine she, shes, shim
So English, I dare, you all will agree
It the funniest language you have ever seen.

Sanjana Sharma, B.Sc. III
Roll No. 152534

A Teacher

Teacher is a potter, student is clay. He has the power to make them shine like sun rays. He is the messenger of God. He knows our limitation and teaches us without hesitation. He teaches us to learn and Write. He tells us about the mysteries of life. He is honest, he is polite. He is one who gives us light. Like a candle in the night. At last I say, teacher is like christ. He gives us knowledge and light.

Parents

Forget everything around you, But never forget your parents, they have done a lot for you . Never rust their heart any day, For it will end their life's gay. They have fulfilled your every wish, Even by giving you their own dish.

Lot of money you make in life, But nothing more then love for your Parents will you ever find. Do not forget their love and stare, They have rectified your every wrong deed, Happiness that they need.In brief.

Parents = God + Tutors.

Akarti Dalal, B.A. IInd
Roll No 150503

My Mother

My Mother is my lifeline,
she is my complete savior,
She does everything she can for me,
and for that I praise her,
She works herself to the bone,
but never does she give up.
My mother is my lifeline,
she is truly my best friend,
She helps me through the good and bad.
Se picks me up when I am down
and wipes the tears away,
She is completely a shining star.
My mother is my lifeline.....

Preety, B.A . 1st
Roll No. 160109

The Invincible

The desire to run, the will to win,
The flight of the heat and the fire within,
Are but the reflections of the mind,
They sleep with us and wake with us,
They confuse us and confound us,
They guide us and finally allow us to find,
That our lives are nothing but a series of thought.
That we keep in us for long enough,
Our ideas make us that we really are,
Our vision is what that takes us for we are not
what other think of us nor are
we what God made us.
It is our dreams that make us whole.
That make us the captain of our invincible soul.

Flower too Speak

1. Sunflower - Always look towards the bright side.
2. Mustard - Hey! See Spring is coming.
3. Redrose - Love everyone Rate none.
4. White Rose - Be Peaceful and non-violent.
5. Poppy - Be Carefree.
6. Pansy - Life is a camera, Keep Smiling.

Definition of a Teacher

A good teacher is like a burning candle with the help of which other candles can be lighted.

T	-	Talented and Tactful
E	-	Efficient
A	-	Affection able and Adorable.
C	-	Cautious and Caring
H	-	Honest and Hardworking
E	-	Enduring and Energetic
R	-	Resourceful And Responsible.

* Experience is the best teacher.
* A teacher is like a candle which burns itself to enlighten others.

Pooja, B.A..Ist
Roll No 160103

Friendship

Friendship is like a china cup,
So costly rich so rare,
If broken can be mended
but crack is always there,
Friendship is like flower or rose,
So beautiful and fair,
Will give you all the fragrance,
but thorns always there,
Friendship is like a soothing balm,
In suffering and in pain,
If true it is a bliss,
Otherwise it is a vain.

Riya, B.sc 1st Year
Roll No. 2520

Thoughts on friendship

The Happiest business in all the world is that of making friends, and no investment on the street pays larger dividends, for life is more than stocks and bends, and love than rate percent.

And he who gives in friendship's name shall reap what he has spent.

Purvi, B.A. Ist
Roll No. 160361

INDIAN ARMY

We play Holi with colours,
and soldiers play it with guns and rifles.
At the risk of their own life,
they give us comfortable sleep and life,
A soldier is never sure of his life,
And will he ever meet his daughter, son and wife.
Hats off and a dozens of salute,
is nothing above a soldier and his sacrifice.
Besides a soldier his family also compromises.

Monika, Roll No. 152569

Brain Teasers

Q.1 What occurs once in every minute, twice in every moment, yet never in a thousands years. ?

Ans. The letter 'm'

Q.2 What kind of room has no doors or windows ?

Ans. A Mushroom.

Q.3 What has a head and a tail but no body.

Ans. A coin

Q.4 What goes up and never comes down ?

Ans. Age

Q.5 Which word in the dictionary is spelled incorrectly.

Ans. Incorrectly

Q.6 What can you never eat for breakfast.

Ans. Dinner

Q.7 What goes up and down but still remains in the same place.

Ans. Stairs

Q.8 What gets broken without being held ?

Ans. A Promise

Q.9 What can you hold without ever touching or using your hands ?

Ans. Your Breath

Q.10 What has one eye but can't see.

Ans. A Needle

Q.11 What gets wetter and wetten the more it dries.

Ans. A Towel

Q.12 What has a mouth but can't eat, what moves but has no legs and what has a bank but can't put money in it.

Ans. River

Renu, B.Sc. Ist
Roll No. 2509

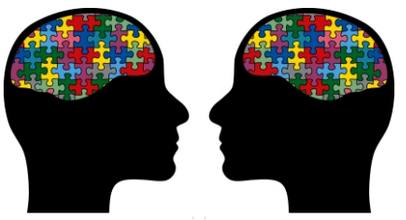

OH! CHEMISTRY

Oh! Chemistry! you sickening subject,
You give neither aim nor any object,
Your name makes me shiver,
Inside my intestine and liver.
The famous laws of faradays,
Eat my brain day by day.
Common - ion effect theory,
Never brings me fame and glory.
Oh! Chemistry You un-invited guest,
To Passion You have go to work my best,
You have neither charm-nor grace,
Sometimes you are destroyer of the human race.

Ashu, B.Sc. III
Roll No 152504

Be Proud of Who You Are

I come with no wrapping or pretty pink bows.
I am who I am from my head to my toes.
Even a little crazy some of the time.
I am not a size 5 and don't care to be.
You can be you and I can be me.
I try to stay strong when pain knocks me down.
And the times that I cry is when no ones around.
To error is human or so that's what they say.
Well tell me who's perfect anyway.

Ekta Malik, B.A. IInd
Roll No. 150128

Examination

During the examination students weep at night they are unable to sleep till 12 O'clock they don't go to bed as all subjects are muddled up in their head. They don't have time for any of their hobbies. In Hindi they learn about various riots. In civics they study about the rights of citizens. No me feels Pity at their plight They study hard day and night. In the morning after some rest. They run to school for their test. Their hearts beat very fast. For some days the terror for one lost. After the examination some laugh some cry, Now they says, Next time we shall try.

Manisha, B.Sc. II
Roll No 162524

Colour Fading of Taj Mahal

The white colour of Taj Mahal is fading due to acid rain.

Acid rain is caused by a chemical reaction that begins when compounds like sulphur dioxide (So_2) and nitrogen oxides (Nox) are released into the air. These substances can rise very high into the atmosphere where they mix and react with water, oxygen and other chemicals to form more acidic pollutants, known as acid rain, Acid rain is dangerous for our health. Very strong acids will burn if they touch your shin and can even destroy metals. Acid rain is slightly acidic because it mixes with naturally occurring oxides in the air. Unpolluted rain would have a Ph value of between 5 and 6. But we can stop acid rain. Because nitrogen oxides are created in the process of burning coal and other fossil fuels, some power plants are changing the way they burn coal. A great way to reduce acid rain is to produce energy without using fossil fuel. People can use renewable energy sources such as solar and wind power.

Pooja, B.Sc. II
Roll No. 152527

Smile

When oppressed or depressed,
When deeply distressed,
Under a mountain of worry.
Just Smile.....
When you have promises to keep,
Miles to go before you sleep,
Just stop for a while and
Just Smile.....
When tragedy strikes with its night,
And dearest one departs,
Have a good cry for a while,
Just Smile.....
When wrongly criticized,
Ridiculed or slandered,
Don't be shy,
Just Smile.....
It's magic cure, my friend to keep,
Your mind safe and sound, all
Year sound.
Just Smile.....

Anu Malik, B.Sc. Ist
Roll No 1613520024

Science is My Thing Today

When you do science-here's the way,
First ask questions-why or how?
Then hypothesize-do it now!
Experimentation is next in line.
You get results that are so fine!
Analyzing data comes up next.
Then graph your data, to show it best.
Being a scientist-it's a trip!
It 's not square-it's really hip!

Thinking Like a Scientist

I want to think like a scientist.
Observing animals, earth, or sky.
I want to ask good questions.
Wondering how, and what, and why.
I want to make smart guesses.
Hypothesizing what might happen and when.
I want to do cool experiments.
Testing my thinking again and again.
I want to write up all my data,
Recording pictures, charts, or words.
I want to think through all I've done.
Drawing conclusions about what I've learned.
Wondering, asking, testing, concluding.
This is what scientists do.
If you want to think like a scientist,
Then you must do them too!

Kavita, B.sc III
Roll No.152520

Scared of

Not the answer but the question,
Not the result but the reason,
Not the pain but the scar,
Not the people but the mind,
I am Scared of.....
Not the real but the dream,
Not the moment but the memory,
Not the hate but the love,
Not the lie but the truth,
I am Scared of.....
Not the ghosts but the people,
Not the strangers but known,
Not the death but the life,
Not the world but the me,
I am Scared of .....

Garima, B.Sc. II
Roll No 162508

Science Quotes

1. Science is organized Knowledge and wisdom is organized life.
2. Science without religion is lame, religion without science is blind.
3. Science is a beautiful gift to humanity; we should not distort it.
4. The science of today is the technology of tomorrow.
5. Our scientific power has outrun our spiritual power we have guided missiles and misguided men.
6. Science is the great antidote to the poison of enthusiasm and superstition.
7. Bad times have a scientific values. These are occasions a good learner would not miss.
8. Science never solves a problem without creating ten more.
9. Science has not yet taught if madness is or is not the sublimity of the intelligence.
10. The whole of science is nothing more than a refinement of everyday thinking.
11. Success is a science; If you have the condition, you get the results.
12. Science is not only a disciple of reason but also one of romance and passion.

Asha, B.Sc. III
Roll No. 152504

Science: Treasure or Mystery

Science is a treasure, Difficult to measure.....
Science is a boon, Its magic is carrying the men to moon.....
Science is a mystery, Full of chemical history,
Solved by ultimate chemistry.....
Symbol of silence,
Factor of brilliance, Science is the challenge of excellence.....
Science of universal ecology, Narrated by biology.....
Where, Plants and animals have, Their separate morphology,
Section of treatment & cure for danger,
Biology provides a magical chamber.....
Physics is the science of, Relations and notions,
For which technology moves,
with gradual motions.....
World of creation, World of resource,
Together bonded with Gravitational force.....

Priyanka Malik, B.Sc. III
Roll No 152506

Happiness

Happiness is the most wanted thing today and it only comes with satisfaction. If you are satisfied with what so ever you have achieved in your life. Life creates different circumstances for everyone but those who face them and fight fearlessly, wins at last. Many of the times we think that we are the only one having trouble in life and we get disappointed when we do not get what we expected. Let's understand this by a story.

There was a person, who always used to complain God about the troubles and adverse situations, he was suffering from. When God noticed all this, he decided to do something. One day when that person was sleeping, God came in his dream and asked him about the problems, he was having with life. The person told about his expectations and also, about what he got in life After thinking much, God offered him to exchange his problems with someone else. The person became happy and quite excited after hearing this. God asked him to put all his problems into a bag and hang it on to a wall, Where there were about 100 hangers. 100 people along with him hung their problems on the wall. The God asked everyone to take the bag which they think was the lightest of all. But the person noticed that all the bags were heavier than his own. At last he had to take out his own bag. As he was used to handle his own problems and he could face them alone. After waking up, he was very much satisfied with his own life. And also, he repented over his mindset for his problems.

Just like this person we are also not gonna have any option other than repenting over thinking. Life is just like a swing. As back and two movement of swing are equal, our life also have equal periods of happiness and sadness. So just stay positive and when life puts you in difficult situations, don't say 'Why Me', say 'Try Me'.

Diksha, B.A. (IINd)
Roll No. 1501171

Amazing Facts About India

1. Around a 100 million years ago, India was an island.
2. Every 12 years, a religious gathering called the Kumbh Mela occurs in India. It is the world's largest gathering of people.
3. India has more mosques (3,00,000 mosques) than any other nation in the world.
4. In a village, called Shani Shingnapur in Maharashtra. People have been living in houses with no doors for generations. There is no Police station in this village either.
5. Viswanathan Anand is the first player in chess history to have won the world championship in three diffrent formats: Knockout, tournament and match.
6. Chess was invented in India.
7. Buttons were invented in India. Yes, Your Shirts Buttons.
8. India is the largest producer of films in the world.
9. India leads the world with the most murders (32,719) per year, with Russia taking Second at 23,904 murders per year.
10. India has the world's third largest active army, after china and USA.

Diksha, B.A. (IINd)
Roll No. 1501171

Teacher

A teacher takes a hand,
opens a mind and touches a heart

Teacher is like a precious gem in our life . Teachers are second parents in our life. The best teacher knows his subject inside out but he also knows how to engage and challenge students. We spend most of day with our teachers. Further more teachers understand our feelings and mind than anyone else. The best teachers are those who tell you where to look, but don't tell you what to see. A teacher's job is to guide the student as best they can down the path of knowledge and it is the student's job to follow as best they can.

Preety, B.A. Ist
Roll No. 160109

Definition of Heart

According to Chemistry

My heart has very low boiling and freezing points. It boils with a little act of cruelty and freezes at a little indifference of love and affection.

According to Mathematics

My heart has so simple statement that if you multiply it by any real number, it quickly gives double to you.

According to Physics

My heart has so much force of attraction and repulsion that it attracts itself towards the magnet of affection and repels quickly from magnet of hate.

According to Botany

My heart is semipermeable by nature that it allows only necessary things to enter it and reject unnecessary things.

Sanjana sharma, B.Sc. III
Roll No 152534

Divinity of Female

Female with a divine body
It is not just a body
It is not just a tool to fulfill need of a male body
She has a soul, A spirit in her body
She has more to show than a body
She is graceful in her own way
She is hard as rock and soft as water
She turns into fire when in anger
She's cold as ice when she's calm
She is complete form of divinity.
Yes she is divine
She is divine beauty of love.
She is divine beauty of care
She is divine beauty of softness
She is divine beauty of Motherhood
She is divine beauty of fire
She is divine beauty of power
So, She is "more then a body".

Annu, B.Sc. Ist
Roll No. 2581

Computer

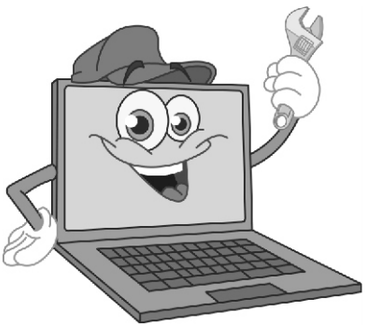

One of the greatest advances in modern technology been the invention of computers. They are Already widely used in industry and in universities. Now there is hardly any sphere of human life where computers have not been pressed into service of man. we are heading fast on the close of this present century towards a situation. When a computer will be as much a part of man's daily life as a telephone or calculator. Computers are capable of doing extremely complicated work in all branches of learning, The process by which machines can be used to work for us has been called automation. In the future, automation may enable human beings for more leisure then they do today. Some years ago an expert on automation, Sir Keon bagtit, Pointed out that it was a mistake to believe that these machines could think; There is no possibility that human beings will be controlled by machines. Though computers are capable of learning from their mistakes & improving on their performance they need detailed instructions, from human beings to be able to operate. They can never, as it were lead independent lives or rule the world by making decisions of their own. In the future, computers would be developed which would be small enough to carry in the pocket. Ordinary people would then be able to use them to obtain valuable in formation national network & be used like radioes. Computers will also be able to tell the exact age of a man or how.

Computers are the most efficient servants man has ever had & there is no limit to the way they can be used to improve our lives.

Akarti Dalal, B.A. III
Roll No 150503

Why We Need Simultaneous Elections ?

Mrs. Kranti, Assistant Prof. of Political Science

- Over the past seven decades, India has been a complex experiment in institutionalizing Indian democracy. Simultaneous Elections are one of these experiments. As we know 'Elections' are the most fundamental requirement to operationalise democracy. Prime Minister Narendra Modi emphasized for simultaneons elections for country in third meeting of Niti Aayog. He stated that simultaneous elections is defined as structuring the Indian election cycle in a manner that elections to Loksabha and State Assemblies are synchronized together. Here the article is discussing the pros and cons of simultaneous elections.
- Such elections would reduce the massive expenditure that is currently incurred for the conduct of separate elections. And also can use development sectors.
- Elections work always engage the whole administrative machinery per year which affects the productivity of the government services. We should by to avoid this situation.
- Frequent elections disrupt the normal public life. For example it disrupts the road traffic by political rallies and also leads to noise pollution.
- Frequent elections also come with a standstill functioning of the government Because Government can not announce new plannings, any schemes, make any appointment, transfers or postings during the period of code of conduct without election commission's permission.
- Due to elections each year, Ministers, Who are holding important public departments are tied up for months campaigning across the country. Leaving their departments and put over their works in hands of bureaucracy.
- Results in logjam in assemblies as every party wants to be in the spotlight. If local elections are included, there is always an election taking place in our country.
- Frequent elections put huge burden on Indian economy. It restricts lots of economic activities.
- Why we don't need simultaneous elections?
- In India voters are not highly educated. They may get confused and may not know whether they are voting for candidates contesting assembly or parliament elections.
- Frequent election may enhance accountability because it forces the politicians to meet the masses and also prevent the mixing of local and national issues in the minds of voters.
- Passing a number of confidence motion Bill to conduct the election before expiry of the tenure will be unconstitutional (Article 82(2). So it is against federal structure of the constitution.
- It is not easy to implement because lots of constitutional amendments should be done and also Indian Governments sometimes dissolved prematurely as in 1997 and 1998.
- After exploration of feasibility of simultaneous election, we should know the fact that South Africa and Sweden are holding such elections very successfully. India is also evolving its steps towards simultaneous elections. The standing committee on personal, Public grievances, law and justice-report on 'Feasibility of Holding Simultaneous Elections to the House of people and states that solution should be found to reduce the frequency of elections to relieve people and government machinery from frequent elections. So in coming days, people can see some huge positive changes in Indian democratic structure which will be very fruitful for the whole Indian mass.

हिन्दी अनुभाग

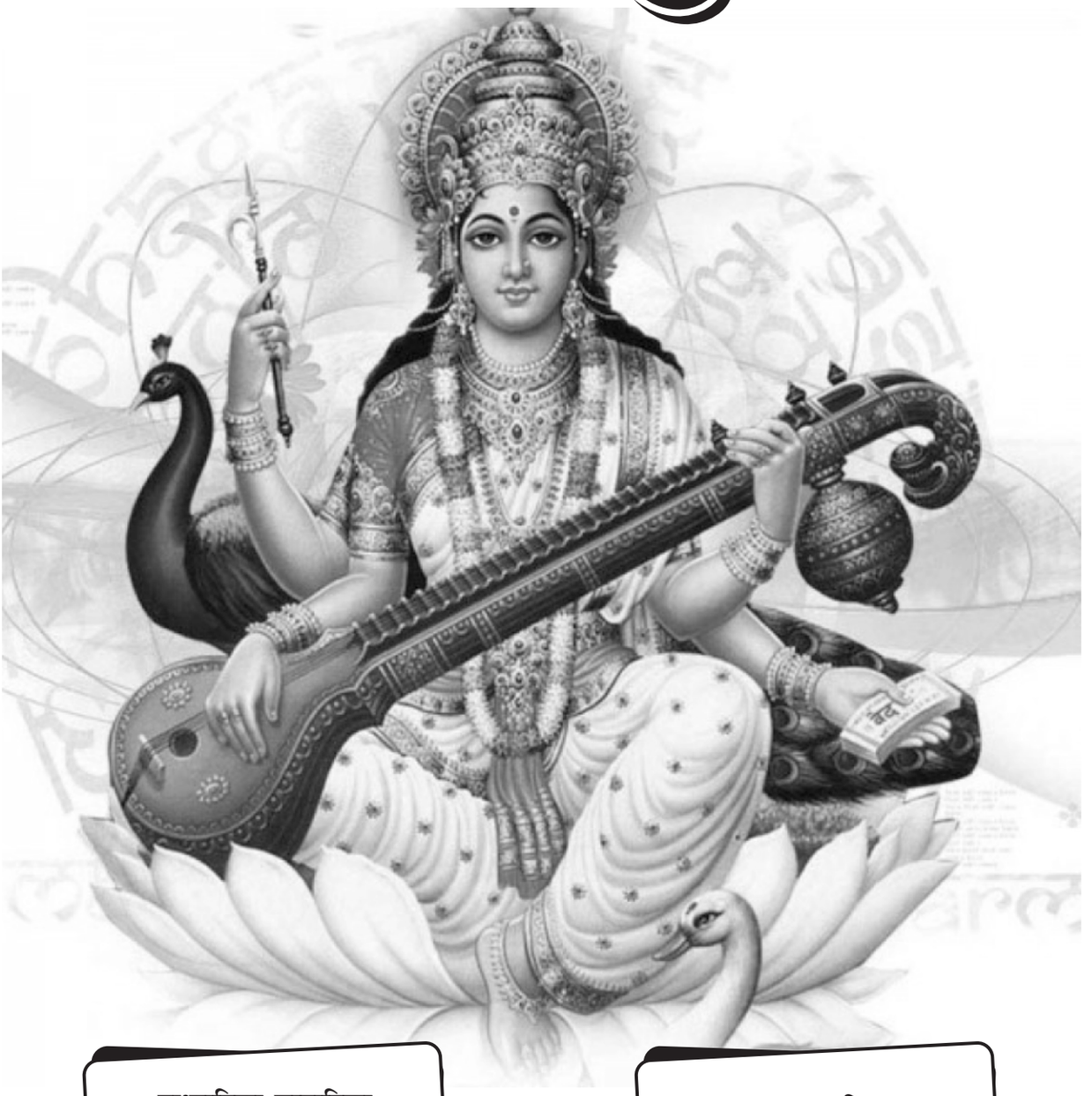

प्राध्यापिका सम्पादिका
डॉ. पूनम काजल

छात्र-सम्पादिका
मोनिका

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विषय	नाम	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय	डॉ0 पूनम काजल	3
2.	तुलसी और रामचरितमानस	डॉ0 सुधा मल्होत्रा	4
3.	सूचना का अधिकार-अधिकार पूरा, जानकारी अधूरी	डा0 सुषमा हुड्डा	6
4.	भावपूर्ण संगीत द्वारा मानसिक व्याधियों का उपचार	डॉ0 क्यूटी	7
5.	धन्यवाद करना सीखें	डॉ0 सुषमा गर्ग	9
6.	क्या आप जानते हैं ?	ज्योति रेढू	9
7.	संगीत में युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के अवसर	आरती सैनी	10
8.	अनमोल वचन	प्रियंका भारद्वाज	10
9.	बेटी बचाओ, बेटी बचाओ	दीपशिखा	11
10.	विद्या बिन	मनीषा	11
11.	दोस्ती	राधिका	11
12.	हिंदी दिवस की जरूरत	अंकिता	12
13.	बेटी	अंकिता	12
14.	चुटकले	पुनीत	12
15.	हिंदी का महत्व	सुमन सैनी	12
16.	मानव शरीर चरखा है	पूर्वी	13
17.	फौजी	पूजा	13
18.	शादी में बिना गिफ्ट वाले	पूजा गौड़	13
19.	ज़िन्दगी	अंजु	14
20.	आत्मीय निवेदन	कनिका जैन	14
21.	बचपन	हर्षिता	14
22.	उत्तम क्षमा	कनिका जैन	14
23.	भ्रष्टाचार	मोनिका पूनिया	15
24.	बेटा-बेटी एक समान	कनिका जैन	15
25.	अनमोल वचन	आकृति दलाल	15
26.	कैसे जीना	साक्षी जैन	16
27.	संघर्ष	साक्षी जैन	16
28.	सुविचार	रेनू	16
29.	सुविचार	निकिता शर्मा	17
30.	वफादार व समझदार कुत्ता	ज्योति रेढू	17
31.	भिखारी-सेठ संवाद (हास्य)	चेतना	18
32.	मंजिल की तलाश	चेतना	18
33.	हे माँ! तू महान है	मंजु रेढू	18
34.	बेटियाँ	अंजलि	19
35.	अनमोल वचन	अंजलि	19
36.	पिता की व्यवस्था	आशा ढुल	19

सम्पादकीय

डॉ० पूनम काजल
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी

साहित्य नि:सन्देह हमारे मन-मस्तिष्क के कपाट खोल कर हमें एक नई दिशा प्रदान करता है। हमारे ज्ञान की परिधि को विस्तृत करता है, हमारी सोच को परिपक्व बनाता है, हमें अपने चतुर्दिक परिवेश के प्रति जागरूक व संवेदनशील बनाता है। किसी भी विद्यार्थी का साहित्य से जुड़ाव उसके बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होता है। निश्चित रूप से इस दृष्टिकोण से कॉलेज पत्रिका की भी अहम भूमिका है। सच है कि जब एक विद्यार्थी अपने परिवेशगत अनुभवों को कविता, कहानी या लेख के रूप में शब्दबद्ध करता है, अपने व्यक्तिगत भावों को सांझा करता है तो वह मानसिक संतुष्टि का अनुभव तो करता ही है, साथ ही साहित्य-लेखन की दिशा में भी अग्रसर होता है। छात्राओं की इन्हीं अनुभूतियों एवं अनेक प्रकार की ज्ञानवर्द्धक व मनोरंजक सामग्री को समेटे हुए यह अंक प्रस्तुत है। ऐसी आशा करती हूँ कि पाठक वर्ग को यह रूचिकर प्रतीत होगा।

आगामी परीक्षाओं में छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन
की शुभकामनाओं सहित।

तुलसी और रामचरितमानस

डॉ० सुधा मल्होत्रा
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभागाध्यक्षा

तुलसीदास लोकनायक कवि हैं। वे लोक प्रसिद्ध कवि हैं। तुलसीदास कृत रामचरितमानस जगत प्रसिद्ध ग्रंथ है। आयरलैंड के विश्वविख्यात साहित्यकार, बाबा कामिल बुल्के के हृदय में तुलसीदास ऐसे बसे कि वे भारत में ही बस गए। रामचरित मानस बाबा का सर्वाधिक प्रिय ग्रंथ था। परम विद्वान मधुसूदन सरस्वती ने भी 'मानस' के रचयिता की प्रंशसा में लिखा है – ''काशी रूपी आनंदवन में, तुलसीदास, चलता-फिरता, तुलसी का पौधा है। उसकी कविता रूपी मंजरी, बड़ी ही सुंदर है, जिस पर श्री राम रूपी भँवरा, सदा मँडराया करता है।''

तुलसीदास जी ने अपने कवि धर्म को समझकर मानस की रचना की। उन्होंने कविता का विषय सांसारिक या लौकिक विषय वस्तु तक सीमित नहीं रखा, बल्कि लोक-कल्याण, स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु रचा। तुलसी भारत की संस्कृति के आख्याता कवि हैं, जिन्होंने काव्य के माध्यम से दुनिया में भारत को बेजोड़ देश बनाने में सबसे अधिक योगदान दिया।

तुलसीदास जी ने रामकथा को संस्कृति-कथा बनाकर, सांस्कृतिक मूल्यों का इतना सुंदर प्रस्तुतीकरण किया है कि उनका प्रतिपाद्य-विषय- रामकथा, देश की सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् संस्कृति का दर्पण ही बन गई है।

राम का आर्य, वन्य एवं राक्षस; तीनों जातियों से प्रेम, 'वसुधैव-कुंटुबकम' का उदाहरण है।

रामकथा वह पुण्यकथा है, जिसका अवगाहन तो क्या, मात्र श्रवण ही शताब्दियों से भारतीयों को संस्कारवान्, आशामय, ज्योतिर्मय बनाए हुए हैं।

रामचरित मानस का एक-एक पात्र हमें संस्कारवान बनाता है। दशरथ हमें वचन की पालना करना सिखाते हैं 'प्राण जाइ पर वचन न जाइ' अर्थात कथनी-करनी में ऐक्य होना चाहिए। दशरथ जानते थे कि वे अपने प्राणप्रिय पुत्र के बिना क्षण भर भी जीवित नहीं रह सकते, फिर भी कैकेई को दिए वचन का पालन किया । राम त्याग के प्रतीक हैं, जैसे ही उन्हें पता लगता है कि मुझे अभिषेक की बजाय बनवास मिला है, वे राजसिक वस्त्रों को ऐसे त्याग देते हैं जैसे तोते, मोर आदि अपने पुराने पंखों को सहज रूप से त्याग देते हैं और हल्के होकर परम प्रसन्न रहते हैं, उन्हें कष्ट या दुख नहीं होता, इसी प्रकार राम वल्कल वस्त्रों को पहन कर प्रसन्नचित्त और शांतचित्त रहते हैं। लक्ष्मण कर्त्तव्यपरायण हैं। वह अहर्निश अपने कर्त्तव्य के लिए जागरूक रहते हैं। भरत जैसे भाई तो दीपक लेकर ढूँढ़ने पर भी नहीं मिल सकते। राम जब पलंग पर सोते हैं तो वे जमीन पर, जब उन्हें पता लगता है कि मेरे राम पर्णकुटी बनाकर जमीन पर सोते हैं तो भरत सात हाथ गड्ढा खोदकर सोते हैं। आधुनिक युग में जब आज पैसे के लिए भाई-भाई की हत्या कर रहा है, भरत जैसे भाई ने कैसा आदर्श प्रस्तुत किया? वे राज्याभिषेक नहीं करवाते, बल्कि राम को लेने चले जाते हैं, न मना सकने पर राम की चरण पादुकाएँ लाकर राजसिंहासन पर रख देते हैं। अगर आज कुर्सी को त्याग कर हम धन के मोह में न पड़ कर कर्त्तव्य-पथ को चुन लें, तो राम-राज्य की स्थापना हो जाएगी। ये सभी पात्र हमें सेवापरायण, धर्मपरायण, मर्यादाशील, लज्जाशील वीर होते हुए विनयी और क्षमाशील, तपोनिष्ठ बनना सिखाते हैं। यह रामचरित मानस हमारे उज्ज्वल चरित्र का निर्माण करती है। इन पात्रों का, इस कथा का हमारे जीवन गठन में असीम महत्व है।

जन-जन के हृदय में रमण करती हुई यह कथा जन रंजन एवं जनमंगल कर जन के कण्ठ का हार बन गई है । देश के व समाज के स्वस्थ-निर्माण में रामकथा ही हमारी संस्कृति को सुरक्षित रख सकती है। यह कथा भारतीय संस्कृति की नींव है। यह वह आर्षकथा है जो हमारे सनातन सत्यों को प्रकट करती है।

आज की पीढ़ी घोर उदासीनता के गहन में डूब कर अश्रद्धा में भटक रही है। पुरानी पीढ़ी के साथ कुतर्क, मानव-सभ्यता के द्रुतगति के विकास के कारण आज का युवा अनेक प्रश्नों में उलझा दिखाई देता है। आज अनेकानेक घर ऐसे हैं जहाँ मानस नहीं है, यदि कुछेक के पास है तो वहाँ पाठ नहीं होता। जहां पाठ होता भी है तो उसके गहरे अर्थों तक कोई नहीं जाता। यदि अर्थ सहित पढ़ भी लिया, तो आचरण में कोई उतारता नहीं । इसलिए उनके प्रश्न अनुत्तरित रह जाते हैं।

तुलसी ने अपने साहित्य में, रामकथा को, संस्कृति-कथा बनाकर, सांस्कृतिक मूल्यों का इतना सुंदर प्रस्तुतीकरण किया है कि उनका प्रतिपाद्य-विषय-रामकथा; देश की सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् संस्कृति का दर्पण ही बन गई है।

रामकथा के माध्यम से देश के पढ़े-लिखे, अनपढ़, सबको देश की संस्कृति का बोध हो गया है और हमारी यह संस्कृति, हमारी जीवन-पद्धति बन गई है।

भारत की समृद्ध संस्कृति के मूल्य रामचरितमानस में दिखाई देते हैं जैसे सत्य, सब पुण्यों का मूल; असत्य, सब पापों का बीज; वसुधैव कुटुम्बकम्, कथनी-करनी में ऐक्य, नारी का सम्मान, माता का स्थान, पिता से ऊँचा; माता-पिता से गुरू का स्थान ऊँचा; शरणागत-वत्सलता; वचन-प्रतिबद्धता आदि।

स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु संपूर्ण तुलसी-साहित्य में सर्वत्र श्रेष्ठ सामाजिक मूल्य, पाठक को अपने सामाजिक दायित्वों के निवर्हन के लिए प्रेरित करते हैं। राम के वनगमन का हेतु ही वन्यों को सभ्य बनाकर, अपने भारतीय समाज को संस्कारवान् बनाना है।

श्रीराम केवट, शबरी आदि के लिए सामाजिक भेदभाव को भुलाकर अंक से लगा लेते हैं। मूर्ख, पामर, चांडाल, खस, यवन, शबर, कोल और किरात भी राम नाम कहते ही पवित्र और त्रिभुवन में विख्यात हो जाते हैं और निषादराज कहते भी हैं कि मैं कपटी, कायर, कुबुद्वि और कुजाति हूँ तथा लोक-वेद दोनों से सब प्रकार नीचा हूँ परंतु जब से श्रीरामचंद्र जी ने मुझे अपनाया है तभी से मैं विश्व का भूषण हो गया।

इस प्रकार मानस एक ऐसा आदर्श ग्रंथ है जो हमें अन्याय से लड़ने की प्रेरणा देता है। हर सुख-दुख, परिस्थिति-स्थिति में हमें शक्ति, विश्वास, श्रद्वा, प्रेम देता है।। समन्वय-भावना का बेजोड़ चित्र मानस में मिलता है। तुलसी कृत मानस ही विश्व साहित्य का ऐसा ग्रंथ है जिसमें आदर्श पारिवारिक मूल्यों का अभूतपूर्ण निरूपण हुआ है। समय रहते यदि माता-पिता, शिक्षक तथा समाज सुधारकों, विद्वत जनों ने अपने उत्तरदायित्व को समझ लिया, तो दुनिया में हमारी बिगड़ती छवि को संभाला जा सकता है। मानस के आदर्श युग की पुकार है। तुलसी-साहित्य नैतिकता का कोष है। इन्हें घर-परिवार, समाज, शिक्षण-संस्थाओं में सर्वत्र पढ़ाया जाए, ताकि नैतिकता के रास्ते पर चलकर हम अपना इहलोक और परलोक संवार सकें।

सूचना का अधिकार–अधिकार पूरा, जानकारी अधूरी

डॉ० सुषमा हुड्डा, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग

सूचना के अधिकार कानून के तहत आपको सरकारी काम, दस्तावेज़ देखने का अधिकार मिलता है। आप सरकारी रिकॉर्ड के नोट्स, फोटोकॉपी या सर्टिफाइड कॉपी प्राप्त कर सकते हैं। सरकारी विभाग से अपने काम की प्रगति से सम्बंधित सूचना प्राप्त कर सकते है जैसे- पासपोर्ट, राशन कार्ड, पेन कार्ड से सम्बंधित जानकारी, इंश्योरेंस, बैंक, इनकम टैक्स, पेन्शन, जमीन–जायदाद के रिकॉर्ड आदि।

हमारे देश में जहाँ सरकार एवं जनता के बीच एक लम्बा फासला है, वहाँ सूचना का अधिकार आश्चर्यजनक रूप से इस दूरी को पाटने का काम करता है । अब एक आम आदमी सरकारी अधिकारी से सवाल कर सकता है कि किस कारण से सरकारी दफ्तरों से उसे निर्धारित सेवाएँ एवं सुविधाएँ नहीं मिल रहीं ? राशन कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट जैसे बुनियादी दस्तावेज क्यों नहीं मिल रहे। प्रश्न पूछने के अतिरिक्त अब आम आदमी सरकारी प्रपत्रों का रिकॉर्ड देख सकता है। इस कानून ने पहली बार लोगों को यह जानने का अधिकार दिया है कि उनके मोहल्ले में स्ट्रीट लाइट क्यों नहीं लग रही है? सरकारी अस्पताल में चिकित्सक क्यों नहीं हैं?

सूचना के अधिकार ने सरकारी महकमों को न केवल उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराया है बल्कि उसे जनता के प्रति जवाबदेह भी बनाया है। सूचना के अधिकार ने लोगों को वह ताकत दी है जिसका प्रयोग वे हर दिन कर सकते हैं।

सूचना माँगने वाले व्यक्ति की पहचान छिपाना इस कानून के खिलाफ है, ऐसे में उन्हें धमकाने एवं उन की हत्या होने तक की घटनाएँ भी सामने आई हैं। जन सूचना अधिकारी पर भी दबाव बनाया जाता है कि वह पूरी सूचना न दे या तोड़–मरोड़ कर तथ्य प्रस्तुत करे। पंजाब एवं हरियाणा में एक कानून पारित किया गया है कि सूचना माँगने वाले व्यक्ति की शिकायत पर उसे पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का प्रावधान दें।

लेकिन लोगों ने इस कानून का इस्तेमाल निजी कार्यो के लिए किया है, इससे सरकारी विभागों में काम करने वाले लोगों का समय और पैसा दोनों ही बर्बाद हो रहा है। फिर भी सूचना के अधिकार ने समाज को सशक्त बनाने और भ्रष्टाचार के कई मामले उजागर करने में अहम भूमिका निभाई है। जनता को मिली यह ताकत राजनीतिक दलों को रास नहीं आ रही है। वे इसकी प्रशंसा कम, आलोचना ज्यादा करते हैं। इनका मानना है कि इस कानून का दुरूपयोग हो रहा है। सरकारी एवं राजनीतिक लोगों को परेशान किया जा रहा है।

भावपूर्ण संगीत दवारा मानसिक व्याधियों का उपचार

डॉ० क्यूटी, असिस्टेंट प्रोफेसर, संगीत विभाग

आधुनिक तनावपूर्ण वातावरण में प्रत्येक भारतीय की जीवन-शैली में अनावश्यक परिवर्तन आया है। प्रतिस्पर्धाओं की दौड़, भौतिक संसाधन जुटाने की होड़ ने मानव-जीवन में अवकाश व सुकून के पल छिन्न-छिन्न कर दिए हैं। इन सबके बाद भी मानव संतुष्टि अनुभव नहीं करता। यही अंसतुष्ट पिपासा, भावना उसे उचित मार्गदर्शन से वंचित करती है। फलस्वरूप मानव अवसाद, तनाव, थकान तथा रक्तचाप जैसे जंजालों में घिरता जा रहा है। ऐसे में मानव मानसिक शांति की इच्छा करता है।

हमारी संतुष्टियों तथा असंतुष्टियों का प्रत्यक्ष संबंध मन से है। हमारी सभी इच्छाओं का उद्‌गम भी मन से होता है और अंत भी मन द्वारा ही होता है अर्थात् मन ही ऐसा नियंत्रक है जो हमारी भावनाओं को वश में रखता है।

मनोवैज्ञानिकों का तो यह भी मानना है कि मन की अवचेतन परत हमारे व्यवहार के अस्सी प्रतिशत भाग को नियंत्रित करती है। यही वो 'थर्मोस्टेट' है जो हमारी सफलताओं को भी नियंत्रित करता है अर्थात हमारे सकारात्मक और नकारात्मक विचार यहीं अवस्थित होते हैं।

मन को वश में कर इन नकारात्मक भावों को स्थान न देना, यह कोईं कठिन कार्य नहीं है। यह तो मानव के सहज, सौम्य, आत्म-चिंतन द्वारा संभव है। सृष्टि में आत्म-चिंतन एवं विवेचन और भावों की सहज अभिव्यक्ति का सुलभ साधन संगीत से श्रेष्ठ क्या हो सकता है ?

संगीत हृदय में तंरगित होने वाले भावों से ही उत्पन्न होता है और पुनः मन-मस्तिष्क को संतुष्ट करता है। संगीत ही एक ऐसी विद्‌या है, सत्ता है अथवा शक्ति है जो लौकिक से पारलौकिक सत्ता तक पहुँचाने में सहायक है जिससे तन्मयता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

संगीत मानव वृत्तियों व शक्तियों को निश्चित रूप से प्रभावित करता है। इन्हीं प्रभावोत्पादक क्षमताओं का लाभ उठा कर अर्वाचीन काल में योगियों तथा ज्ञानियों ने सांगीतिक ध्वनियों को अपने ध्यान, योग और साधना में स्थान दिया। प्राचीन काल में कई राज-वैद्य राजा-महाराजाओं के कुछ मर्जों का इलाज संगीत के किसी राग-विशेष से ही करते थे।

संगीत का यह प्रभाव केवल मानव पर ही नहीं, अपितु पशु-पक्षियों, वनस्पतियों, पेड़-पौधों आदि पर भी देखा गया है। एक शोध के अंतर्गत यह पाया गया है कि पशुओं में संगीत सुना कर दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जाती है। पौधों पर किया गया संगीत का प्रयोग यह निष्कर्ष देता है कि इनकी वृद्धि निश्चित समय में अधिक और शीघ्रता से होती है। इसके अतिरिक्त मानव जगत पर समय-समय पर हुए प्रयोगों का रिकॉर्ड तो यह है कि संगीत मनोरोगियों, शिशुओं तथा गर्भधारी माताओं पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

संगीत अधिकतर मानसिक रोगों का उपचार करता है। कुछ हद तक वह शारीरिक व्याधियों को भी नियंत्रित करता है। इस आधार पर संगीत को आरामदेही चिकित्सा (Relaxation therapy) भी कहा गया है।

मानसिक रोगों में विषाद, अवसाद, मनोग्रस्तता, बाध्यता, थकान, चिंता, रक्तचाप तथा मिरगी आदि का उपचार संगीत द्वारा होता है। कुछ हद तक मनोविदलता के रोगियों का उपचार भी संगीत द्वारा संभव है। संगीत का प्रयोग जब चिकित्सा के रूप में शारीरिक एवं मानसिक संतुलन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से किया जाता है तो यह प्रकिया 'नाद-चिकित्सा' डनेपब जमतंचल अथवा संगीत चिकित्सा के नाम से जानी जाती है।

संगीत में निहित ध्वनि के विभिन्न स्वरूपों में आकर्षक ध्वनियों से रचित संगीत का प्रत्यक्ष संबंध मानव मन के सूक्ष्म एवं कोमल संवेगों से है। ध्वनि तरंगें संवेगात्मक रूप में अपने प्रभाव से पीड़ित व्यक्ति को आकर्षित करती हैं। ध्वनि का विशेष संघात रासायनिक परिवर्तन पैदा करता है। अमेरिकी विश्वविद्यालय में एक अध्ययन में पाया गया है कि संगीत की मधुर स्वर लहरियों से मूड को बनाने वाले सभी रासायन यथा नोरजीनफ्रीन, एमिनफ्रीन और सेलटोनिन रक्त में सक्रिय हो जाते हैं। इस प्रकार संगीत विभिन्न प्रकार के भावों को निर्मित कर मन व शरीर पर गहरा प्रभाव डालता है।

विदेशों में भी इस चिकित्सा पद्धति का प्रयोग हो रहा है। संगीत सुनने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है। सर्वाधिक प्रसन्नता और गौरव का विषय तो यह है कि संगीत जैसी श्रेष्ठ कला का प्रयोग अनेक अस्पतालों, मनोचिकित्सालयों तथा अनेक आयुर्वेद उपचार संस्थानों में चिकित्सा पद्धति के रूप में किया जाने लगा है और इसके प्रभाव भी सकारात्मक हैं। अनेक प्रकार के कोमल, तीव्र स्वरों वाले रागों, जिनसे भिन्न प्रकार के रसों की रचना होती है जैसे- मालकौंस, दरबारी, भैरवी, कान्हड़ा, भैरवी, तोही, आसावरी आदि को सुना कर मनोरोगियों पर अनुकूल प्रभाव डाला जाता है जिससे रोगी में एक नए उत्साह का संचार होता है। चिकित्सक भी ऐसा मानते हैं कि निराशाग्रस्त रोगी की दशा सुधारने के लिए और निद्रा की ओर प्रवृत्त करने के लिए संगीत आवश्यक है। चिकित्सक तो यह भी मानते हैं कि अस्पतालों में संगीत आवश्यक रूप से बजना चाहिए, ताकि संपूर्ण वातावरण ही संगीतमयी हो जाए। जिससे उनके स्वयं का भी मनोबल बढ़े और वह रोगी को भी उचित इलाज दे पाएँ। उनका ऐसा मानना है कि संगीत के निरंतर श्रवण से ही उनकी अपनी कार्यक्षमता पर भी असर पड़ता है।

चिकित्सक लोग ऐसा मानते हैं कि मेडिकल सांइस में म्यूज़िक थैरेपी की सहायता से अपेक्षित परिणाम प्राप्त हुए हैं। संगीत द्वारा उपचार पद्धति यानि म्यूज़िक थैरेपी को 'वैकल्पिक उपचार पद्धति' का नाम दिया गया है जिसमें मरीज को बीमारी की दवा तो दी जाती है, साथ ही संगीत का प्रयोग भी किया जाता है। साधारण शब्दों में यूँ भी कहा जा सकता है कि संगीत का प्रयोग दवा रूप में किया जाता है। चिकित्सक तो यहाँ तक भी मानते हैं कि दवा की अपेक्षा संगीत लहरियाँ अपना प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से और शीघ्रता से छोड़ती हैं। साथ ही इनका कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ता।

इतना सब जानने के पश्चात यह स्पष्ट हो जाता है कि मानसिक रोगों के उपचार के लिए संगीत अनिवार्य है अथवा यह भी कहा जा सकता है कि किसी भी व्याधि को लेकर यादि आप चिकित्सकों के परामर्श और दवाइयों के प्रयोग से थक चुके हैं तो निराश होने की बजाय भारतीय संगीत का श्रवण करें। संगीत चाहे कोई भी हो-शास्त्रीय अथवा सुगम, अनुकूल प्रभाव डालता है। संगीत-साधकों के पास तो संगीत रूपी औषधि का अतुल्य भंडार है जिसे वह इन रोगियों में वितरित कर आत्म-संतुष्टि तथा सेवा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

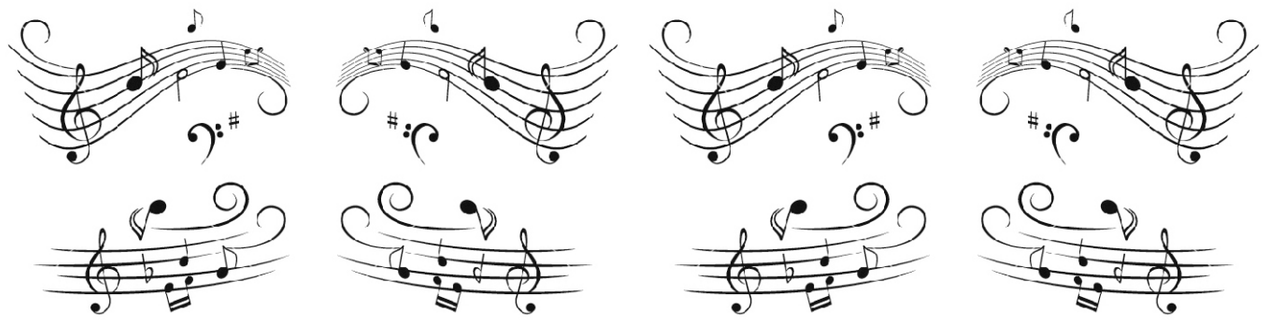

'धन्यवाद करना सीखें'

डॉ० सुषमा गर्ग
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

एक अंधा व्यक्ति रोज शाम को सड़क के किनारे खड़े होकर भीख माँगा करता था। जो थोड़े-बहुत पैसे मिल जाते, उन्हीं से अपनी गुजर-बसर किया करता था। एक शाम वहाँ से एक बहुत बड़े रईस गुजर रहे थे। उन्होंने उस अंधे को देखा और अंधे को फटेहाल दशा में देखा, तो उस पर बहुत दया आयी और उन्होंने सौ रूपये का नोट उसके हाथ में रखते हुए आगे की राह ली।

उस अंधे आदमी ने नोट को टटोलकर देखा और समझा कि किसी आदमी ने उसके साथ मजाक किया है क्योंकि उसने सोचा कि अब तक उसे सिर्फ 5 रूपये के नोट ही मिला करते थे जो कि हाथ में पकड़ने पर सौ के नोट की अपेक्षा बहुत छोटा लगता था और उसे लगा कि सिर्फ कागज का टुकडा उसके हाथ में थमा दिया है और उसने उदास मन से नोट को कागज़ का टुकड़ा समझकर जमीन पर फेंक दिया।

एक सज्जन पुरूष, जो वहीं से खड़े इस दृश्य को देख रहे थे, उन्होंने नोट को उठाया और अंधे व्यक्ति को देते हुए कहा -'यह सौ रूपये का नोट है। ' तब वह बहुत प्रसन्न हुआ और उसने अपनी आवश्यकताएं उस रूपये से पूरी की।

कहने का भाव यह है कि ज्ञान चक्षुओं के अभाव में हम सब भी भगवान के दिए अपार दान, ऐश्वर्य, सुख-सुविधाओं को देखकर भी यह नहीं समझ पाते हैं कि उसी का दिया सब कुछ है और हमेशा कहते रहते हैं कि हमारे पास कुछ नहीं है, हमें कुछ नहीं मिला है। हम साधनहीन हैं। अत: ये सब शिकायतें छोड़कर जो मिला है हम उसकी महत्ता को समझें, तो मालूम पड़ेगा कि जो हम सबको मिला है वह कम नहीं, अद्‌भुत है।

अत: हमें हर हाल व हालात में प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए कि उसी परमपिता की दी गई हर साँस है। हमारे जीवन पर उसके अनेक उपकार हैं। इसीलिए हमें अपने जीवन को शिकायतों में न जीकर, हर पल भगवान के प्रति आभार भाव में व्यतीत करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं ?

1. हम जो सोचते हैं उसका 90 प्रतिशत हिस्सा सीधा हमारे मूड पर असर करता है। एक गलत विचार पूरे मूड को खराब कर सकता है।
2. किसी के साथ ज्यादा समय बिताने से आप उसकी आदतें अपनाने लगते हैं। इसलिए सोच-समझकर दोस्त बनाएँ।
3. अगर एक व्यक्ति बहुत सोता है तो इसका मतलब है कि वह अंदर-ही-अंदर घुट रहा है और किसी बात से दु:खी है।
4. यदि आप किसी के बारे में जागते हुए भी सपने देखते हैं तो इसका मतलब आप उसे मिस कर रहे हैं।
5. यदि कोई ज्यादा तकिये लेकर सोता हैं तो इसका मतलब वह खुद को अकेला महसूस करता है।
6. अगर कोई नाखून चबाता हैं तो वह बहुत परेशान है।
7. 90 प्रतिशत लोगों का दिमाग ये सोचता हैं कि काश कुछ पल के लिए समय पीछे चला जाए।
8. खुशी का पहला आँसू दाहिनी आँख से और दुख का बाईं आँख से निकलता है।
9. जो लोग ज्यादा हँसते हैं वे ज्यादा दर्द सहन कर सकते हैं।
10. हम दिन की बजाय रात को आसानी से रो सकते हैं।
11. लोग आपके बारे में अच्छा सुनने पर शक करते हैं, लेकिन बुरा सुनने पर तुंरत यकीन कर लेते हैं।

ज्योती रेढू, बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 150259

''संगीत में युवा पीढ़ी के लिये रोजगार अवसर''

आरती सैनी
असिस्टेंट प्रोफेसर,
संगीत विभाग

संगीत 'सात सुरों का सागर है।' संगीत प्रकृति की एक सर्वाधिक सुन्दर कल्पना है। मानव के जन्म से ही इसका इतिहास माना जाता रहा है। संगीत में महारत हासिल करने के लिये एक उम्र, एक ज़िंदगी भी कम पड़ सकती है। जहां तक म्यूज़िक में कैरियर का सवाल है तो कहा जा सकता है कि आज म्यूज़िक इण्डस्ट्री का इतना विकास हो चुका है कि इसमें कई प्रकार के रोजगार सृजित किए जा सकते हैं।

संगीत के दोनों क्षेत्रों गायन तथा वादन म्यूज़िक में काफी उज्ज्वल भविष्य बनाया जा सकता है। संगीत में भविष्य बनाने के लिये पाठ्यक्रम से अधिक महत्वपूर्ण रियाज़ होता है। जितना अच्छा रियाज़ होगा, उतने ही अधिक प्रशिक्षित माने जाएँगे। बी.ए. की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात आप किसी स्कूल या शिक्षण संस्थान में काम कर सकते हैं। एम.ए. म्यूज़िक की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात आप कालेज स्तर की कक्षाओं मे संगीत शिक्षक के योग्य हो जाएँगें।

इसके अतिरिक्त फिल्मों, टी.वी., धारावाहिकों में संगीत दे सकते हैं या उनमें कम-से-कम गायन तो कर सकते हैं। म्यूजिक में कैरियर का आदर्श रूप शिक्षक ही माना जाता है। क्योंकि यह एक ऐसा हुनर है, जितना सीखा व सिखाया जाए, उतना ही आपको म्यूज़िक इण्डस्ट्री में काम व रोजगार दिला सकता है।

वस्तुत: संगीत एक कला है। संगीत मस्तिष्क और मन को रंजकता प्रदान करने वाला एकमात्र उत्पादक ही नहीं, अपितु इसके द्वारा अखण्ड और अनंत शक्ति को भी आभासित किया जा सकता है जिसको दर्शन में परमात्मा कहा जाता है। संगीत की जादुई शक्ति में न केवल चर वरन् अचर वस्तुओं को भी आकर्षित करने की क्षमता है। संगीत को सीखने के लिये संगीत में स्वाभाविक रूचि होनी चाहिए। कुछ लोगों में यह कला ईश्वर का उपहार होती है और वे इस क्षेत्र में जल्दी ही अपनी पहचान बना लेते हैं। मगर वास्तव में इस क्षेत्र में उन्हीं लोगों को आना चाहिए, जिनकी संगीत में रूचि इस हद तक हो कि वे विभिन्न प्रकार का संगीत सुन कर उनमें अंतर करना भी जानते हों, ना कि स्टेटस और पैसा कमाने के लिये ही संगीत को अपना रोजगार चुना हो।

अनमोल वचन

1. संसार में ऐसा व्यक्ति कोई नहीं, जिसके पास एक बार भाग्योदय का अवसर न आता हो, परंतु जब वह देखता हैं कि वह व्यक्ति उसका स्वागत करने के लिए तैयार नहीं है तो वह उल्टे पैर लौट जाता है।।
2. आप दूसरो से ऐसा व्यवहार करें, जैसा आप स्वयं के लिए अपेक्षा करते हैं।
3. विद्या या शिक्षा एक मात्र ऐसी चीज है जिसे आपके जीवन में कोई नहीं छीन सकता।
4. दुनिया में समय एकमात्र ऐसी चीज है जो न बेची जा सकती है, न खरीदी जा सकती है।
5. पिता के प्यार से अच्छी गुरू की डाँट होती हैं। माँ की दुआ में वो शक्ति है, जिसके आगे भगवान भी झुक जाते हैं।

प्रियंका भारद्वाज, बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
रोल नं.1613420012

बेटी बचाओ, बेटी बचाओ

मत मारो तुम कोख में इसको
इसे सुंदर जग में आने दो,
छोड़ो तुम अपनी सोच ये छोटी,
इक माँ को खुशी मनाने दो,
बेटी के आने पर अब तुम,
घी के दीये जलाओ,
आज ये संदेशा पूरे जग में फैलाओ,
बेटी बचाओ, बेटी बचाओ,

लक्ष्मी का कोई रूप कहे है,
कोई कहता दुर्गा काली,
फिर क्यों न कोई चाहे घर में,
इक बिटिया प्यारी-प्यारी,
धन्य ये कर दे जीवन सब का,
जो तुम इस पर प्यार लुटाओ,
आज ये संदेशा पूरे जग में फैलाओ,
बेटी बचाओ, बेटी बचाओ

दीपशिखा,
लिपिक

विद्या बिन

विद्या बिन मति गई,
मति बिन नीति गई,
नीति बिन गति गई,
गति बिन धन गया,
धन बिन शूद्र पतित हुए,
इतना घोर अनर्थ मात्र अविद्या
के कारण ही हुआ।

मनीषा, बी.एस.सी., द्वितीय वर्ष,
रोल नं. 162524

दोस्ती

आज तुझसे बात करते-करते वो बात याद आ गई,
दोस्ती की वो पहली सौगात याद आ गई,
जब मिले थे तो थे एक दूसरे से
अनजान, पर साथ-साथ रहते-रहते,
अब गए हैं एक दूसरे को पहचान,
अपनी दोस्ती हमेशा यूँ ही सलामत रहे,
मै खुश रहूँ या ना रहूँ,
तेरे चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट रहे।

मौत की गाड़ी में जिस दिन सोना होगा,
न कोई तकिया होगा न कोई बिछौना होगा,
होगी तो बस तुम दोस्तों की यादें,
और श्मशान का छोटा-सा, कोना होगा।

जब हम सब बड़े हो जाँएगे,
अपनी-अपनी मंज़िल पर पहुँच जाएँगे,
अकेले जब भी होंगे, साथ गुजरे लम्हे याद आँएगे,
पैसे तो बहुत होंगे,
लेकिन खर्च करने के लिए लम्हे कम पड़ जाएँगे,

एक कप चाय याद दोस्तों की दिलाएगी,
यही सोचते-2 आँखें फिर से नम हो जाएँगी,
इन लम्हों को खुल के जी लो यारो,
जिन्दगी अपना इतिहास फिर से नहीं दोहराएगी।

सभी रिश्तों में दोस्ती सबसे प्यारी होती है,
यही दोस्ती जग में सबसे न्यारी होती है,
रूला दिया जिस दोस्ती ने, भगवान को भी,
दोस्तों के लिए ये दोस्ती, जान से भी ज्यादा प्यारी होती है।

राधिका,
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष,
रोल नं. 152523

हिन्दी दिवस की जरूरत

हिन्दी तेरे दर्द की किसे यहाँ परवाह,
पूरा साल अंग्रेज़ी इक हिंदी सप्ताह,
धड़कन में इग्लैंड है, मुँह पर हिन्दुस्तान,
ऐसे में कैसे हो हिंदी का उत्थान।
अंग्रेज़ी के मोह में खोई निज पहचान,
घर के रहे ना घाट के, हम धोबी के श्वान।
दिल्ली तेरे न्याय पर कैसे हो विश्वास,
अंग्रेज़ी को राज-सुख, हिंदी को वनवास।
भाषा-संस्कृति से रहा यदि यूँ ही द्वेष,
आने वाली पीढ़ियाँ ढूंढ़ेगी अवशेष।

बेटी

प्यार की सजीव कहानी होती हैं बेटियाँ,
माँ-बाप की आँखों का पानी होती हैं बेटियाँ,
गुजरता है बचपन रफ्तार से इनका,
पलभर में सयानी होती हैं बेटियाँ।
नूर से इनके रोशन है हर कोना,
चांद से भी ज्यादा नूरानी होती हैं बेटियाँ,
जब तक पास हैं रखो प्यार से,
चंद दिनों में बेगानी होती हैं बेटियाँ।
हर दुख जहां का इनके लिए,
गमों की रानी होती हैं बेटियाँ,
सब कुछ है मगर कुछ भी नहीं इनका,
किस्मत की भी वीरानी होती है बेटियाँ।

अंकिता, बी.एस.सी. प्रथम वर्ष,
रोल नं. 1613520047

चुटकले

बायोलॉजी के टीचर: सेल मतलब शरीर की कोशिकाएँ।
फिज़िक्स के टीचर: सेल मतलब बैटरी।
इकोनॉमिक्स के टीचर: सेल मतलब बिक्री।
हिस्ट्री के टीचर: सेल मतलब जेल।
अंग्रेज़ी के टीचर: सेल मतलब मोबाइल।
मैंने तो पढ़ाई ही छोड़ दी,
जिस स्कूल में पांच शिक्षक एकमत नहीं हैं।
उस स्कूल में पढ़ कर हमें क्या मिलेगा।
और अब जा कर सच्चा ज्ञान मिला कि
औरतें: सेल मतलब डिस्कांउट।

पुनीत, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष,
रोल नं. 152502

हिन्दी का महत्व

माँ हिंदी तुम्हें प्रणाम! माँ हिंदी तुम्हें प्रणाम!
कोटि-कोटि कंठों की भाषा, कोटि भावनाओं की आशा,
भारत माँ के भालचंद्र की, बिंदी तुम्हें प्रणाम!
माँ हिंदी तुम्हें प्रणाम!!
क्या गुजराती क्या बंगाली, क्या उड़िया क्या राजस्थानी,
क्या मलयालम क्या पंजाबी, तुम सब भाषाओं की रानी,
देव दिव्य वाणी की बेटी, हिंदी तुम्हें प्रणाम!
माँ हिंदी तुम्हें प्रणाम!!
तुम्हीं मराठी तुम्हीं बिहारी, तुम हरियाणवी तुम ढूंढ़ाणी,
सकल विश्व की रानी, ब्रजभाषा घनश्याम दुलारी,
सरल सुधामय विश्व मोहिनी! तेरे अनगिनत नाम!
माँ हिंदी तुम्हें प्रणाम!!
तुम अखंड हो, तुम प्रचंड हो, तुम भारत का
मेरूदंड हो विश्व भारती मनोहारिणी,
क्यों न हमें तुम पर घमंड हो ।
अपनी भाषा है भली, भलो आपनो देश,
जो कुछ अपनो है भलो, यही राष्ट्र संदेश।

सुमन सैणी, रोल नं. 160613

मानव शरीर चरखा है

जब चरखा यह बन कर आया,
झूले झूला दूध पिलाया,
हाथों में जी भर लड़ाया।।
जब चरखे का बचपन मेला,
रूठा, रोया, मस्ती में खेला,
विद्या से मन को चुराया।।
जब चरखे में आई जवानी,
करने लगा अपनी मनमानी,
ईश्वर का वादा भुलाया।।
जब चरखे का आया बुढापा,
भूल गया सब अपना आया
काँपेगी थर थर यह काया।।
जब चरखे में आई खराबी,
फिर ना लगेगी कोई चाबी,
अर्थी पे इसको सुलाया।।
चिणचिण लकड़ी चिता सजाई,
रोने की थोड़ी रीति निभाई,
और अन्त में दी आखिरी विदाई।।

पूर्वी, बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160367

फौजी

फौज में मौज है, हजार रूपये रोज हैं,
थोड़ा सा गम है, इसके लिए भी रम है,
जिदंगी थोड़ी रिस्की है, इसके लिए तो व्हिस्की है,
खाने के बाद फ्रूट है, मारने के बाद सैलूट है,
पहनने के लिए ड्रैस है, ड्रैस में जरूरी प्रेस है,
सुबह-सुबह पी.टी. है, वार्निंग के लिए सीटी है,
चलने के लिए रूट है, पहनने के लिए D.M.S बूट है।
खाने के लिए रिफ्रैशमेन्ट है, गलती करो तो पनिशमेंट है,
जीते-जी टेंशन है, मरने के बाद पेंशन है।
कहते हैं फौजी आधे पागल होते हैं
सही कहते हैं पागल होना भी चाहिये.....
वर्ना किसमें इतना दम होगा जो - 60^0 के ग्लेशियर में.....
और + 55^0 के रेगिस्तान में दुश्मन के आगे सीना चौड़ा
करके खड़ा हो जाएगा.....
ये हर किसी के बस की बात नहीं।
जमीन की कीमत और फौज की हिम्मत कभी कम
नहीं हो सकती।

पूजा, बी. एस.सी. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 162514

शादी में बिना गिफ्ट वाले

एक बार की बात है कि गुप्ताजी मारवाड़ी (बनिये) के यहां शादी में गए,
शादी का पंडाल बड़ा भव्य था और उसमें अंदर जाने के लिए 2 दरवाजे थे।
एक दरवाजे पर रिश्तेदार, दूसरे पर दोस्त लिखा था।
गुप्ताजी बड़े फख्र से दोस्त वाले दरवाज़े से अंदर आए।
आगे फिर 2 दरवाज़े थे एक पर महिला, दूसरे पर पुरूष लिखा था।
गुप्ताजी पुरूष वाले दरवाजे से अंदर गए, वहाँ भी 2 दरवाजे और थे,
एक पर गिफ्ट देने वाला, दूसरे पर बिना गिफ्ट वाले लिखा था।
गुप्ताजी को हर बार अपनी मर्जी के दरवाजे से अंदर जाने में बड़ा मज़ा आ रहा था।
उन्होंने ऐसा इंतजाम पहली बार देखा था। गुप्ताजी बिना गिफ्ट वाले दरवाजे से अंदर चले गए।
जब अंदर जाकर देखा, तो गुप्ताजी बाहर गली में खड़े थे, और वहां लिखा था शर्म तो आ नहीं रही होगी।
बनिये की शादी और मुफ्त में रोटी खाएगा, जा-जा बाहर जा और हवा खा.....

पूजा गौड़, बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 150407

ज़िंदगी

मुस्कुराने के लिए है ज़िंदगी,
गीत गाने के लिए है ज़िंदगी
सिर झुकाकर जो चले उनसे कहो
सिर उठाने के लिए है ज़िंदगी।

आँसुओं की हर झड़ी को रोक दो
खिलखिलाने के लिए है जिंदगी
जुल्म के हाथों में कितना जोर है
यह आजमाने के लिए है जिंदगी

देखना खुद की तरफ छोड़ दो
जमाने के लिए है ज़िंदगी
हारने की बात मन में क्यों उठे ?
जीत जाने के लिए है ज़िंदगी।

अन्जु, बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 162517

आत्मीय निवेदन

1. इतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में।
2. करनी है जीवन की रक्षा, कन्याओं की करो सुरक्षा।
3. खाओ मन भर, जूठा न छोड़ो कण भर।
4. मानवता के दो आधार–सदाचार और शाकाहार।
5. स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ।
6. पान मसाला, मौत मसाला।
7. शाकाहार से जीवन दान, व्यसन–मुक्ति से जनकल्याण।
8. कटती गाय करे पुकार, बंद करो यह अत्याचार।
9. गाय बचेगी, देश बचेगा।
10. बंद करो बंद करो, मांस निर्यात बंद करो।
11. हर प्राणी से प्यार, सुखी जीवन का आधार।
12. जहाँ पर आपस में प्रेम है, वहीं पर सुख और चैन है।
13. इस धरती पर सभी प्राणियों को जीने का अधिकार है। जीओ और जीने दो–यही सभी धर्मों का सार है।
14. मिलन उत्सव है और मिलकर काम करना महोत्सव है।

कनिका जैन, बी.ए. द्वितीय वर्ष,
रोल नं. 160313

बचपन

एक बचपन का ज़माना था,
जिस में खुशियों का खज़ाना था.....
चाहत चाँद को पाने की थी,
पर दिल तितली का दीवाना था.....
खबर ना थी कुछ आने की.....
ना जाने का ठिकाना था.....
थक कर आना स्कूल से,
पर खेलने भी जाना था.....
माँ की कहानी थी,
परियों का फसाना था.....
बारिश में कागज़ की नाव थी,
हर मौसम सुहाना था.....
हर मौसम सुहाना था.....

हर्षिता, बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160395

उत्तम क्षमा

क्षमादान से बढ़कर, इस दुनिया में कोई दान नहीं,
जिसमें यह गुण नहीं, तो समझो वो प्राणी इन्सान नहीं।

बदले की जो हुई भावना, समझो वो प्राणी इन्सान नहीं,
क्षमा किया और भूल गए, मिट सारा तकरार गया,
हर एक में हो ऐसा गुण, तो फिर कोई नुकसान नहीं,
जिसमें यह गुण नहीं, तो समझो वो प्राणी इन्सान नहीं।

इन्सानों का गुण है यह तो, क्षमा करो बस क्षमा करो,
वैर–विरोध को दिल से निकालो, प्रेम को इसमें जमा करो,
क्षमा भाव जो नहीं किसी में, उसको ब्रह्म का ज्ञान नहीं,
जिसमें यह गुण नहीं, तो समझो वो प्राणी इन्सान नहीं।

संत भी हमको समय–समय पर, क्षमा भाव समझाते हैं,
मानव को सुंदर गुण देने, वो इस जग में आते हैं।
क्षमा भाव के बिना कोई भी, अब तक बना महान नहीं,
जिसमें यह गुण नहीं तो समझो वो प्राणी इन्सान नहीं।

कनिका जैन, बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160313

'भ्रष्टाचार'

क्या तुम सुनोगे और क्या मैं बोलूं,
भ्रष्टाचार पर आज आँखें खोलूं।
एक गरीब का बेटा, पढ़ता जो दिन-रात,
फिर भी कुछ न आता हाथ,
डिग्री धरी रह जाती है,
नौकरी कहीं नहीं पाती है।
जब इन्टरव्यू देने जाता है,
तब समझ में आता है,
इन्टरव्यू नहीं यह है, रूपयों का खेल,
जो ज्यादा रूपए दे जाता है वही नौकरी ले जाता है।
हर छोटे से लेकर बड़ा अफसर, बस एक ही,
रट लगाता है- हे, भगवान! मेरे सारे दु:ख हर दे!
एक बार की रिश्वत में ही रूपयों से मेरा घर भर दे!
इन रिश्वतखोरों ने ही सोने की चिड़िया को खाया है,
झोली भर-भर के यहाँ से विदेशों में धन पहुँचाया है,
भारत के धन को इन्होंने, काला धन बनाया है और
हमारे देश का नाम मिट्टी में मिलाया है।
आओ ! हम सब मिलकर एक कसम खाएँ,
ना रिश्वत लेगें और ना रिश्वत देंगे,
इसी नारे से भ्रष्टाचार मिटाना है, और
भारत को श्रेष्ठ भारत बनाना है।

मोनिका पूनिया, बी.ए. द्वितीय वर्ष,
रोल नं. 160315

चुटकुले

एक बार एक पंजाबी कुएं में गिर गया,
एक हरियाणवी ताऊ वहां से गुजरा,
पंजाबी ने अंदर से आवाज लगाई, बचाओ-बचाओ!
ताऊ ने पूछा, 'अरे कोण सै भाई?
पंजाबी-अस्सी हॉ!
हरियाणवी ताऊ-भाई एक दो नै काढ़ भी देता,
अस्सियाँ न कोण काढ़ैगा ?
पड्या रै भीतर ही।

बेटा-बेटी एक समान

बेटा-बेटी दोनों नयन हैं, हमारी आँखों के तारे।
एक नयन बंद हो तो छा जाता है, अंधेरा परिवार में सारा।
बेटी है धरती के समान, बेटा होता है आकाश जैसा प्यारा।
दोनों से यह जगत है, परिवार में फैलता उजियारा।
बेटी है श्रद्धा हृदय की, बेटा है विश्वास हमारा।
बेटी है निर्मल चाँदनी, बेटा गुनगुन धूप-सा प्यारा।
यही है अमृत कलश हमारा, खिलता कमल-सा प्यारा।
इसी पवित्र पावन डोर से, सदा बंधता परिवार हमारा।
बेटी तुलसी हमारे आंगन की, हरती हर क्लेश हमारा।
बेटा चंदन-सी सुरभि फैलाता, महकाता चमन हमारा।
बेटी शाखा परिवार की, बेटा है शीतल छाया,
बेटी-बेटे पर सर्वदा रखें स्नेह सदा,
खिलता कमल-सा परिवार हमारा।
बेटा-बेटी उभय, जीवन के श्रृंगार प्राणों का आधार हमारा।
मूल्य किसी का कम नहीं,
दोनों ही मूल्यवान परिवार की स्नेह धारा।
बेटा एक घर की लाज है, तो बेटी दो घरों का श्रृंगार प्यार।
दोनों पर स्नेह की वर्षा करो, परिवार में बहे सदा स्नेह की धारा।।

कनिका जैन, बी.ए. द्वितीय वर्ष,
रोल नं. 160313

अनमोल वचन

जब भक्ति भोजन में मिलती है।
तो प्रसाद बन जाता है।
जब पानी में मिलती है।
तो चरणामृत बन जाता है,
जब घर में मिलती है,
तो वह मंदिर बन जाता है,
जब व्यक्ति में मिल जाती है,
तो वह भक्त बन जाता है।।

आकृति दलाल, बी.ए. तृतीय वर्ष,
रोल नं. 150503

कैसे जीना

कुछ हँस के बोल दिया करो,
कुछ हँस के टाल दिया करो,
यूँ तो बहुत परेशानियाँ हैं
तुमको भी, मुझको भी,
मगर कुछ फैसले वक्त पे डाल दिया करो,
न जाने कल कोई हँसाने वाला मिले न मिले.....
इसलिए आज ही हसरत निकाल लिया करो।।
समझौता करना सीखिए.... क्योंकि थोड़ा-सा झुक जाना
किसी रिश्ते को हमेशा के लिए तोड़ देने से बेहतर है।
किसी के साथ हँसते-हँसते उतने ही हक से
रूठना भी आना चाहिए।
अपनों की आँख का पानी धीरे से पोंछना आना चाहिए।
रिश्तेदारी और दोस्ती में कैसा मान-अपमान ?
बस अपनों के दिल में रहना आना चाहिए.....।

संघर्ष

संघर्ष में आदमी अकेला होता है, सफलता में दुनिया उसके साथ होती है। जिस-जिस पर ये जग हँसा है, उसी ने इतिहास रचा है।

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते, पर आप अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी।

सफल व्यक्ति लोगों को सफल होते देखना चाहते हैं, जबकि असफल व्यक्ति लोगों को असफल होते देखना चाहते हैं।

कोई अगर आपका विश्वास तोड़े, तो उसका भी धन्यवाद कीजिए, क्योंकि वह हमें सिखाता है कि विश्वास बहुत सोच-समझ कर करना चाहिए।।

साक्षी जैन, बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160434

सुविचार

- आप बाहरी रूप को बदलते हुए कई जिंदगियाँ लगा देंगे, फिर भी कभी संतुष्ट नहीं हो सकेंगे। जब तक भीतर बदलाव नहीं होगा, बाहर परफेक्ट नहीं हो सकते हैं।
- दिल ही आपका सबसे बड़ा शिक्षक है, आपको उसी की बात सुननी चाहिए। जीवन की यात्रा में अंतर्ज्ञान ही सच्चा ज्ञान साबित होता है।
- यदि आप प्यार से रहते हैं, तो आप एक महान जिंदगी जी रहे हैं, क्योंकि प्यार ही जिंदगी को महान बनाता हैं। वहीं नफरत से जिंदगी नर्क बन जाती है।
- अगर आपके साथ चमत्कार नहीं हो सकता, तो खुद एक चमत्कार बन जाएँ,
- जिसके पास एक अच्छा दोस्त है, उसे किसी भी दर्पण की जरूरत नहीं हैं।
- मित्रता शुद्ध प्रेम है। यह प्रेम का सर्वोच्च रूप है, जहां कुछ नहीं मांगा जाता, कोई शर्त नहीं होती, जहाँ बस देने में आंनद आता है।
- साहस सिर्फ आगे बढ़ने की शक्ति नहीं है, बल्कि शक्ति न होने पर भी आगे बढ़ते जाना साहस है।
- किसी को प्रेम देना सबसे बड़ा उपहार है और किसी का प्रेम पाना सबसे बड़ा सम्मान है।
- डूबने के डर से आप कभी तैरना नहीं सीख सकते। सफलता के लिए श्रम से बड़ा कोई साधन नहीं है।

रेनू, बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160576

सुविचार

1. जो आदमी इरादा कर सकता है, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं।
2. सही काम करने के लिए, समय हर वक्त ही ठीक होता है।
3. आप हमेशा परिस्थितियों को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन आप खुद को जरूर, नियंत्रित कर सकते हैं।
4. कल तो चला गया, आने वाला कल अभी आया नहीं है। हमारे पास केवल आज है, आइए शुरूआत करें।
5. सभ्यता, व्यवस्था से जन्मती है, स्वतंत्रता के साथ बड़ी होती है, और अव्यवस्था के साथ मर जाती है।
6. सफल होने की इच्छा विफल, होने के डर से अधिक होनी चाहिए।
7. हम कभी भी साहसी और सहनशील, होना नहीं सीख सकते, अगर जीवन में सिर्फ खुशियां हों।
8. बीते वर्ष में की गई सारी असफलताओं को नए वर्ष में अपनी सफलता का मार्गदर्शक बनाएं।
9. इससे फर्क नहीं पडता कि किसने आपको झुकाया या रूलाया, फर्क उससे पड़ता है, जिसने आपको मुस्कान दी।
10. किसी काम को करने के बारे में बहुत देर तक सोचते रहना, अकसर उसके बिगड़ जाने का कारण बनता है।
11. एक पूरी तरह क्रियान्वित हुआ विचार तीन अधूरे विचारों से, कहीं ज्यादा बेहतर होता है।
12. क्रोध एक ऐसा तेजाब है, जो जिस पर डाला जाता है उससे ज्यादा उस पात्र को नुकसान पहुँचा सकता है, जिसमें वो रखा है।
13. जीत सब कुछ नहीं है, लेकिन इसे हासिल करने की इच्छाशक्ति ही सब कुछ होती है।
14. आंसू बहाइए, माफ कीजिए, सीखिए और आगे बढ़िए। अपने आँसुओं से, भविष्य की खुशी के बीज सींचिए।
15. दानशीलता हमारी क्षमता से, अधिक देने में और गौरव अपनी आवश्यकता से कम लेने में है।
16. जीवन का उत्तम उपयोग है इसे ऐसा कुछ करने में बिताना, जो इससे अधिक स्थायी हो।
17. बुराई इसीलिए नहीं बढ़ी कि बुरा करने वाले बढ़े है, इसलिए बढ़ी कि सहन करने वाले बढ़ गए हैं।
18. हर छोटी खुशी पूरे मन और उत्साह से मनानी चाहिए। इससे जीवन में उत्साह बना रहता है।
19. चुनौतियां जीवन को रोचक बनाती हैं और उन पर विजय पाना जीवन को सार्थक बनाता है।
20. जो गलतियां नहीं करता, वह प्रायः कुछ नहीं कर पाता।
21. मनुष्य का जीवन इसलिए है कि वह अत्याचार के खिलाफ लड़े।
22. हर चर्चा कुछ सीखने और बेहतर बनने का मौका है बशर्ते हम खुद को साबित करने के बजाय सीखें।
23. हर झूठ में कोई न कोई आकर्षण जरूर होता है, लेकिन स्थिरता तो अंततः सत्य में ही होती है।

निकिता शर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष,
रोल नं. 305

वफादार व समझदार कुता

एक साधु ने एक कुत्ते से कहा कि तू है तो बहुत वफादार, परन्तु तेरे में तीन कमियाँ है।

1. तू पेशाब हमेशा दीवार पर ही करता है।
2. तू भिखारी को देखकर बिना बात के ही भौंकता है।
3. तू रात को भौंक-भौंक कर लोगों की नींद खराब करता है।

इस पर कुत्ते ने बहुत ही बढ़िया जवाब दिया - ऐ साधु! सुन!

1. जमीन पर पेशाब इसइिए नहीं करता कि कहीं किसी ने वहां बैठकर पूजा की हो।
2. भिखारी पर इसलिए भौंकता हूँ कि वह भगवान को छोड़ कर लोगों से क्यों माँगता है, जो कि खुद भिखारी हैं। भगवान से क्यों नहीं माँगता?
3. रात को इसलिए भौंकता हूँ कि हे पापी मनुष्य! तू इस भ्रम की नींद में क्यों सोया हुआ है। उठ, अपने उस प्रभु को याद कर, जिसने तुझे इतना सब कुछ दिया है।

ज्योती रेढू, बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 150259

भिखारी-सेठ संवाद (हास्य)

सेठ - तुम हो कौन ?
भिखारी - मै बी.पी.एल. (भूखा-प्यासा-लावारिस)
सेठ - चल हट! मेरे पास कुछ नहीं है।
भिखारी - सेठ रे! झूठ मत बोलो, खुदा के पास जाना है।
सेठ - अरे जाता है या नहीं।
भिखारी - जाऊं तो जाऊं कहां? समझेगा कौन मेरे दिल की जुबां?
सेठ - तू चाहता क्या है ?
भिखारी - तेरे दान का आसरा चाहता हूँ।
दुआ कर रहा हूँ, पैसा चाहता हूँ।
सेठ - तुम्हारे मां-बाप ?
भिखारी - तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो,
तुम्हीं हो बन्धु, सखा तुम्हीं हो।
सेठ - तुमने कौन-कौन से काम सीखे हैं ?
भिखारी - सब कुछ सीखा मैंने, ना सीखी ईमानदारी,
इसलिए काम करने में मुझे मुसीबत है भारी।
सेठ - अच्छा तो आज से कुछ दिन काम करके दिखा।
भिखारी - बहुत शुक्रिया, बड़ी मेहरबानी,
तेरी जिन्दगी में, हुजूर हम आये।
सेठ - अरे ! तू यहां नौकर है, शायर नहीं।
भिखारी - मै शायर तो नहीं, मगर सेठ जी,
जब से मिली नौकरी, मुझे शायरी आ गई।
सेठ - चले जाओ, तुम्हारे लिए यहाँ कोई नौकरी नहीं।
भिखारी - बुरा मान गए, प्यार गाकर जताया तो बुरा मान गए।
सेठ (गुस्से में)- मै कहता हूँ चले जाओ यहां से।
भिखारी - जाता हूँ मैं मुझे ना बुलाना,
मेरी याद भी अपने दिल में ना लाना।

मंजिल की तलाश

मंजिल मिल ही जाएगी एक दिन, भटकते-भटकते ही सही।
गुमराह तो वे शख्स हैं, जो घर से निकलते ही नहीं।
खुशियाँ मिल ही जाएंगी एक दिन, रोते-रोते ही सही।
कमज़ोर दिल इन्सां तो वे हैं, जो हँसने की सोचते ही नहीं।
पूरे होंगे वो ख्वाब एक दिन, जो देखे हैं अंधेरी रातों में।
नासमझ तो वे शख्स हैं, जो डर से पूरी रात सोते ही नहीं।

चेतना, बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160365

हे माँ! तू महान है

हे माँ! तू महान है, तेरी बराबरी कोई नहीं कर सकता,
नौ महीने तूने पेट में रखा,
मल-मूत्र साफ कर मेहतरानी का काम किया,
कपड़े धोये, धोबी का काम किया।
हे माँ! तू महान है.....
कचरा साफ कर नौकर का काम किया।
मेरी बीमारी में रात भर जाग नर्स का काम किया,
पढ़ना-लिखना सिखा गुरू का काम किया,
हाथ पकड़कर चलना सिखाया,
जब-जब खेली मेरे साथ, मित्र का काम किया है।
हे माँ! तू महान है.....
भूखी रह कर मुझे खिलाया, माँ का रोल निभाया,
खर्च हेतु पैसे दे लक्ष्मी का काम किया।
विद्या दे सरस्वती का काम किया।
हे माँ! तू महान है.....
मेरे झूठे बर्तन धोकर, नौकर का काम किया,
मुझे पीठ पर बिठाकर घोड़े का काम किया।
मुझे अपना दूध पिला, गौ माता का काम किया।
हे माँ! तू महान है.....
मेरे बाल सँवारकर, नाई का काम किया।
मुझे खर्च के लिए पैसे दे, दाता का काम किया,
मुझे बीमारी में दवाई दे, डॉक्टर का काम किया,
मेरे खिलौने जोड़ मिस्त्री का काम किया,
मेरे लिए मजदूरी भी की, इतना तो ईश्वर भी न करे,
हे माँ! तू महान है.....
सारी माताओं का रूप है तू,
दुर्गा, काली, अम्बे, लक्ष्मी, सरस्वती है तू।
बिन तेरी पूजा, सब कुछ बेकार है।
तेरी बराबरी कोई नहीं कर सकता।
हे माँ! तू महान है।.....

मंजू रेढू, बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 750258

बेटियां

मिट्टी की खुशबू-सी होती हैं बेटियाँ,
घर की राजदार होती हैं बेटियाँ
बचपन हैं बेटियाँ, जवानी है बेटियाँ,
सत्यम् शिवम् सुंदरम सी होती हैं बेटियाँ,
फिर क्यों जला देते हैं ससुराल में बेटियाँ,
फिर क्यों न बाँटें खुशियाँ जब होती हैं बेटियाँ,
एक नही दो वंश चलाती हैं बेटियाँ
फिर गर्भ में क्यों मार दी जाती हैं बेटियाँ ?

अनमोल वचन

पैरों की मोच और छोटी सोच,
हमें आगे बढ़ने नहीं देती।
टूटी कलम और औरों से ज़लन,
खुद का भाग्य लिखने नहीं देती।
काम का आलस और पैसों का लालच,
हमें महान बनने नहीं देता।
अपना मजहब ऊँचा और गैरों का ओछा।
ये सोच हमें इंसान बनने नहीं देती।।

अंजली, बी.ए द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160426

पिता की व्यवस्था

बेटी को होते देख बड़ी, चिंता पिता के सिर पर पड़ी,
सोचा था बेटी को अपनी खुशी-खुशी मैं ब्याहूंगा,
हैसियत से देकर अपनी, सबको खुश कर जाँऊगा।
एक दिन जब ऐसा आया, पिता ने एक लड़का पाया,
लड़का था या लाटसाहब बड़े-बड़े थे उसके ख्वाब,
उसने कहा 25 तोले सोना लूंगा, साथ में मोटरकार लूंगा।
पिता के चेहरे पर उदासी छाई, बात वहाँ भी न बन पाई,
एक दिन की फिर सुनो कहानी, पिता को मिला लड़का खानदानी,
पिता ने अपने सिर पर कर्ज उठाया, बेटी को धूम-धाम से ब्याहा।
सुख-ऐश्वर्य की सब चीजें दीं,
पर अपनी जिंदगी तो पीस ली,
जैसे-तैसे दिन कटने लगे, दुख भी जैसे छूटने लगे,
एक दिन बेटी के सुसराल के पड़ोस से खबर आई।
बेटी तुम्हारी दहेज की खातिर, ससुराल वालों ने जलाई,
पिता के दुख का छोर न था, पर अब कोई जोर न था।
मैं तो अब यही कहती हूँ
कि समझ जाओ ऐं दुनिया वालो।
बहुओं को तुम यूँ न जलाओ,
अगर यूँ ही जलती रही ये अबला नारी,
कहाँ से पाओगे बहू-बेटी प्यारी।

आशा ढुल, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
रोल नं. 152568

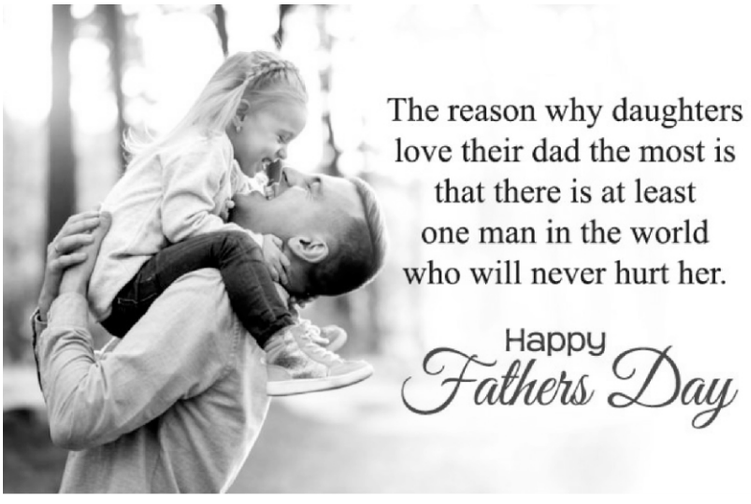

संस्कृत अनुभाग

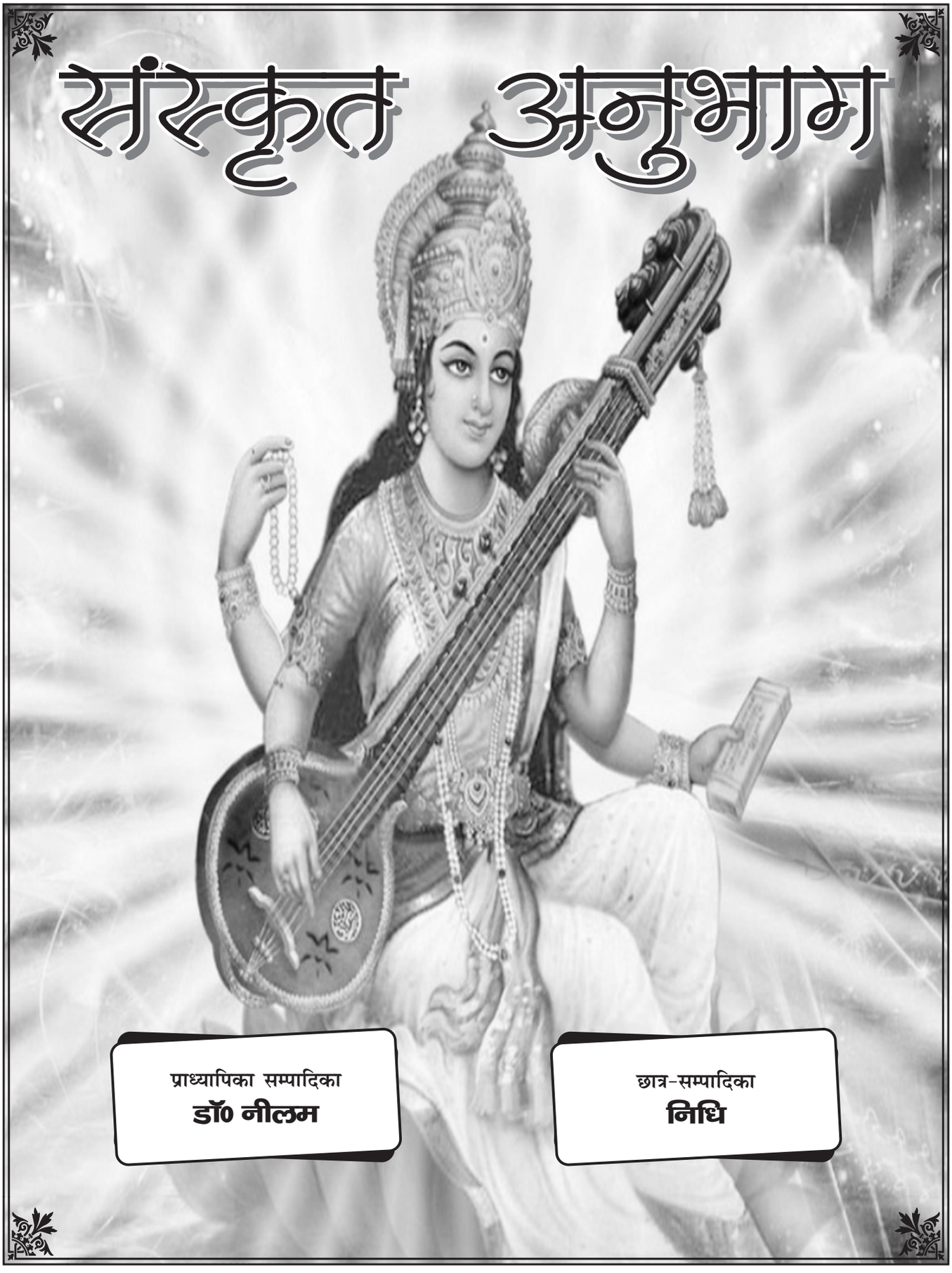

प्राध्यापिका सम्पादिका
डॉ0 नीलम

छात्र-सम्पादिका
निधि

विषयानुक्रमणिका

1.	सम्पादकीयम्	डॉ0 नीलम् रानी	3
2.	वैदिकवाङ्मये नारी	डॉ0 नीलम् रानी	3
3.	चाणक्य नीति	कीर्ति	4
4.	श्लोकः	नीतू	5
5.	संस्कृत - सूक्तयः	निधि अग्रवाल	5
6.	हितोपदेशः	सोनिया	6
7.	सत्यार्थ प्रकाश	ज्योति	7
8.	नीतिसूक्तयः	वर्षा	8
9.	सुभाषितानि	मीनू	9
10.	वंदना	कोमल शर्मा	10
11.	एहि हसाम	कोमल शर्मा	10
12.	संस्कृत सुविचार	रितु लोहान	10
13.	संस्कृत दिवस :	अंजली	10

सम्पादकीयम्

'ज्ञानस्तम्भस्य' नूतनं अंकं पाठकानां समक्षे प्रस्तूयते। अस्य संस्कृतस्य खण्डः भवतां करकमलेभ्यः समर्प्य असीमम् आनन्दम् अनुभवामि। संस्कृतस्य स्थितिं विलोक्य असंतोषं अनुभवामि। जनाः इदं भाषां मृतभाषा कथ्यते। संस्कृतस्य स्थानं पूर्ववत् महनीयं स्थानं भवेयुः इति प्रयत्नं करणीयाः । पाश्चात्यसंस्कृते प्रभावेण अस्माकं संस्कृतिः विलुप्तप्राया एव प्रतीयते। समाजस्य स्थितिः चिन्तनीया अस्ति। संस्कृतपठनेन पाठनेन च बालकाः संस्कारयुक्ताः भविष्यन्ति। संस्कारयुक्ताः बालकाः एव राष्ट्रनवनिर्माणे उद्यमाः भवन्ति।

डॉ0 नीलम् रानी
संस्कृत -विभागतः

वैदिकवाङ्मये नारी

नारी - शब्दस्य निष्पत्तिः नरशब्दवत् भवति। 'नृ' नये धातोः 'अच्' प्रत्यये कृते सति 'ङीष्' प्रत्यय - संयोजनात् नारी-शब्दो भवति। भावोऽयं यत् नरति नारयति इति नरः, अर्थात् क्रियाशीलो जनः। अतः तथैव या क्रियाशीला सा नारी अर्थात् या गतिं करोति, चलति चालयति, गच्छति गमयति वर्गेस्मिन् व्यापारे संलग्ना सा नारी। नरो वा नारी वा उभावपि तुल्यौ स्तः। 'नृ' धातोः प्रयोगः नेतृत्वे, दाने, वीरकर्मणि वा मिलति। अतः नरे नार्यां च नेतृत्वदानशौर्यादिविविधगुणाः स्युः। वैदिकवाङ्मये नारीणां समुत्कृष्टं स्थानं वर्तते। वेदवचनमस्ति - 'जायेदस्तम्' अत एव मनुरपि कथयति- 'गृहिणी गृहम् उच्यते'। वेदेषु नारी विविधरूपेषु चित्रिता। कन्यारूपे सा काम्या- 'दशास्या पुत्रानाधेहि पतिं एकादशं कृधि' भगिनिरूपे 'पुरन्धिर्योषा' वधूरूपे च सुमङ्गली - 'समुङ्गलीरियं वधूरिमां समेत पश्यत'। परिवारे सा साम्राज्ञीव समादृता - 'साम्राज्ञी भव'। सा पुरुषस्य सहयोगिनी तस्य गार्हस्थ जीवनस्थ संचालिका च। धार्मिकक्रिया कलापास्तु पत्न्या अभावे सर्वथा/सम्भवा एव। वेदेषु उक्तम् - 'यज्ञौ वै श्रेष्ठतमं कर्म,' उक्तञ्य तत्रैवैतदपि यत्- 'सपत्नी को यजमानः' अथवा 'अयज्ञियो ह वा एष योऽपत्नीकः' एवं श्रेष्ठतमकर्मेषु नारीणाम् निवार्यत्वं महत्त्वञ्च स्पष्टमेव। वस्तुतः वैदिक वाङ्मये नारीणां कृते सर्वत्र एव सम्मानः समानाधिकारश्च समवलोक्यते। उच्चपदेषु प्रतिष्ठितास्ता नारी समाजस्य गौरवमासन् किन्त्वाधुनिक शिक्षायां दीक्षिता नार्यः। वैदिक समाजे प्रत्येक क्षेत्रे नारीणां स्थानं गौरवपूर्णमस्ति, सा कदापि शोचनीया नास्ति अपितु सदैव अभिनन्दनीया एव वर्तते। यथा -

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

डॉ0 नीलम् रानी
प्राध्यापिका - संस्कृत

चाणक्य नीति

1. बालादपि ग्रहीतव्यं युक्तमुक्तं मनीषिभिः।
खेरविषये कि न प्रदीपस्य प्रकाशनम्॥
सरलार्थः- बुद्धिमानों द्वारा कहा गया है कि उचित बात बच्चे से भी ग्रहण करनी चाहिए। जैसे सूर्य के न रहने पर, क्या दीपक के प्रकाश का कोई प्रयोजन नहीं ? अर्थात् दीपक की सार्थकता है।

2. पुस्तके पठितः पाठः जीवने नैव साधितः।
किं भवत्े तेन पाठेन जीवने यो न सार्थकः॥
सरलार्थः- पुस्तक में पढ़े गए पाठ का यदि जीवन में उपभोग नहीं किया (आचरण नहीं किया) तो उस पाठ से क्या लाभ जो जीवन में सार्थक न हो।

3. प्रियवाक्य - प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति मानवाः।
तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का द्ररिद्रता॥
सरलार्थः- प्रिय वचन बोलने से सभी मनुष्य संतुष्ट हो जाते हैं। इसलिए प्रिय वचन ही बोलने चाहिए। बोलने में कैसी कृपणता (कंजूसी)।

4. काकः कृष्णः पिकः कृष्णः का भेदः पिककाकयोः।
वसन्तसमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः॥
सरलार्थः- कौआ काला होता है, कोयल काली होती है। इस प्रकार कोयल और कौए में क्या अंतर है (कुछ भी नहीं)। वसन्त ऋतु आने पर कौआ, कौआ बन जाता है और कोयल, कोयल बन जाती है।

5. असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय ।
मृत्योर्माऽमृतं गमय।
सरलार्थः- हे ईश्वर मुझे बुराई से अच्छाई की ओर (कुमार्ग से सन्मार्ग की ओर) ले चलो। अन्धकार से मुझे प्रकाश की तरफ (अज्ञान से ज्ञान की ओर) ले चलो। मृत्यु से मुझे अमृत (अमरता) की तरफ ले चलो।

6. सर्वस्तरतु दुर्गाणि सर्वो भद्राणि पश्यतु।
सर्वः कामानवाप्नोतु सर्वः सर्वत्रन्दतु॥
सरलार्थः- सभी लोग दुःखो को पार करें, सभी कल्याणकारी घटनाओं को देखें। सभी लोग कामनाओं को प्राप्त करें अर्थात् उनकी कामनाएँ पूर्ण हों, सभी लोग सब जगह प्रसन्न रहें।

कीर्ति
रोल नं 1596220191
स्नातक प्रथम वर्ष

श्लोकः

1. दुर्जनः स्वस्वभावेन परकार्ये विनश्यति।
   नोदर तृप्तिमापाती मूषकः वस्त्राभक्षकः॥
   अर्थः- दुष्ट व्यक्ति का स्वभाव ही दूसरे के कार्य बिगाड़ने का होता है। वस्त्रों को काटने वाला चूहा पेट भरने के लिए कपड़े नहीं काटता।
2. यो ध्रवाणि परित्यज्य अध्रुवाणि निषेवते।
   ध्रवाणि तस्य नश्यन्ति अध्रुवाणि नष्टमेव हि॥
   अर्थः- जो निश्चय को छोड़कर अनिश्चिय का आश्रय लेते हैं। उनका निश्चय ही नष्ट हो जाता है और अनिश्चिय तो लगभग नष्ट के समान है ही।
3. यद्यदाचरित श्रेष्ठस्तन्तदेवेतरो जनः।
   स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥
   अर्थः- श्रेष्ठ पुरुष जो-जो आचरण करता है अन्य पुरुष भी वैसा-वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है। समस्त मनुष्य-समुदाय उसके अनुसार बरतने लग जाता है।
4. हीयते हिमतिस्तात्, हीनैः सह समागतात्।
   समैस्च समतामेति, विरीहतम-2 ॥
   अर्थः- हीन लोगों की संगति से अपनी भी बुद्धि हीन हो जाती है। समान लोगों के साथ रहने से समान बनी रहती है और विशिष्ट लोगों की संगति से विशिष्ट हो जाती है।

नीतू
स्नातक प्रथम वर्ष
रोल नं 203

संस्कृत - सूक्तयः

1. आलस्योपहता विद्या।
   आलस्य से विद्या नष्ट हो जाती है।
2. ज्ञाने तिष्ठन्न बिभेतीह मृत्योः।
   ज्ञान में अवस्थित होने से मानव मृत्यु से नहीं डरता।
3. वसन्ति हि प्रेम्णि गुणाः न वस्तुषु।
   प्रेम में गुण निवास करतें हैं, वस्तु में नहीं।
4. संपतौ च विपतौ च महतामेवकरूपता।
   सज्जन विपति में और संपति में समान होता है।
5. विद्या योगेन रक्ष्यते।
   विद्या का रक्षण अभ्यास से होता है।
6. विद्या मित्रं प्रवासेषु।
   प्रवास में विद्या मित्र की कमी पूरी करती है।
7. सर्वस्य लोचनं शास्त्रम्।
   शास्त्र सबकी आंख है।
8. प्रकृति स्वभावो दुरतिक्रमः।
   स्वभाव बदलना मुश्किल है।
9. प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।
   उत्तम लोग संकट आए तो भी शुरू किया हुआ काम नहीं छोड़ते।
10. यत्ने कृते यदि न सिध्यति कोऽत्र दोषः।
    यत्न करने के बावजूद यदि कार्य सिद्ध न हो तो उसमें मानव का क्या दोष ?

निधि अग्रवाल, स्नातक द्वितीय वर्ष
रोल नं 160164

हितोपदेशः

1. सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदा पदम्।
   वृणते हि विमृश्यकारिण गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः।।
   अर्थः- बिना सोचे समझे कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि बिना सोचे समझे किया गया कार्य बहुत बड़ी मुसीबत व कठिनाई लेकर आता है। सोच विचार कर कार्य करने वालों के गुणों से आकृष्ट होकर संपतियाँ अपने आप ही उनका वरण कर लेती हैं।
2. यथा हयेकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत्।
   एवं पुरूषकारेण विना दैवं न सिध्यति।।
   अर्थः- जिस प्रकार एक पहिए से रथ का चलना संभव नहीं है, वैसे ही प्रयत्न के बिना भाग्य फल देने वाला नहीं होता है।
3. विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं।
   विद्या भोगकारी यशः सुखकारी विद्या गुरूणा गुरूः।।
   विद्या बन्धुजनों विदेशगमने विद्या परा देवता।
   विद्या राजसु पूज्यते, नहि धनं विद्याविहीनः पशुः।।
   अर्थः- विद्या ही मनुष्य का सबसे अधिक सौंदर्य है। वही मानव का छिपा हुआ धन है। विद्या ही भोग प्रदान करने वाली है। विद्या ही यश तथा सुख देने वाली ही। विद्या गुरूजनों का गुरू है। विदेश जाने में विद्या ही मित्र होती है। विद्या ही उत्तम देवता है। राजाओ के यहां विद्या पूजनीय होती है। विद्या के बिना मानव पशु के समान है।
4. विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
   पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मम् ततःसुखम्।।
   अर्थः- विद्या नम्रता प्रदान करने वाली है। विनय से योग्यता प्राप्त होती है। योग्यता से धन प्राप्त होता है। धन से धर्म प्राप्त होता है। उस धर्म से उत्तम सुख प्राप्त होता है।
5. विद्या शस्त्रस्य शास्त्रस्य द्वे विधे प्रतिपत्तये।
   आद्या हास्याय वृद्धत्वे द्वितीयाऽऽद्रियते सदा।।
   अर्थः- शास्त्र-विद्या शस्त्र विद्या की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। शस्त्र विद्या वृद्धावस्था में हँसी के लिए हो जाती है परंतु शास्त्र विद्या सदा ही सम्मान दिलाती रहती है।

सोनिया
स्नातक प्रथम वर्ष
1596220287

सत्यार्थ प्रकाश

1. यशवस्थितत त्त्वानां सक्षेपाद्विस्तरेण वा।
   योऽवबोधस्तमत्राहुः सम्यग्ज्ञान मनीषिणः।।
   अर्थः- जिस प्रकार के जीवादि तत्व है उन का संक्षेप वा विस्तार से जो बोध होता है उसी को 'सम्यक ज्ञान' बुद्धिमान कहते है।
2. दृष्टिपूतं न्यसेत्पादं वस्त्रपूंत जलं पिबेत्।
   सत्यपूतां वेदद्वाचं मनः पूतं समाचरेत।।
   अर्थः- नीचे दृष्टिकर ऊँचे नीचे स्थान को देख के चले, वस्त्र से छान कर जल पिये, सत्य से पवित्र करके वचन बोले मन से विचार के आचरण करे।
3. माता शुत्रः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।
   न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये वकोयथा।।
   अर्थः- वे माता-पिता अपने सन्तानों के पूर्ण वैरी है जिन्होने उन को विद्या की प्राप्ति न कराई वे विद्वानो की सभा में वैसे तिरस्कृत और कुशोभित होते है जैसे हसों के बीच में बुगला।
4. दद्यन्ते हमायमानानां धातूनां च यथा मलाः।
   तयेन्द्रियाणां दह्मन्ते दोषाः प्राणस्य निग्रहात।।
   अर्थः- जैसे अग्नि में तापने से सुवर्णादि धातुओं का मल नष्ट होकर शुद्ध होते है, वैसे प्राणायम् करके मन आदि इन्द्रियों के दोष क्षीण होकर निर्मल हो जाते है।
5. अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसोविनः।
   चत्वारि तस्य वर्द्धन्त आयुर्विद्या यशो बलम् !!
   अर्थः- जो सदा नम्र सुशील विद्वान और वृद्धो की सेवा करता है उसका आयु, विद्या, कीर्ति और बल ये चार सदा बढ़ते है और जो ऐसा नहीं करते उनके आयु आदि चार नही बढ़ते ।
6. इन्द्रियाणां प्रसङ्गेन दोषम् ऋच्छत्यसंशयम्।
   सन्नियम्य तु तान्येव ततः सिद्धि नियच्छति।।
   अर्थः- जीवात्मा इन्द्रियों के वश हो के निश्चित बड़े-बड़े दोषों को प्राप्त होता है और जब इन्द्रियों को अपने वश में करता है तभी सिद्धि को प्राप्त होता है।
7. यथा प्लवेनौपलेन निमज्जत्युदके तरन्।
   तथा निमज्जतोऽधस्तादज्ञौ दातृप्रतीच्छकौ।।
   अर्थः- जैसे पत्थर की नौका में बैठे के जल में तैरने वाला डूब जाता है वैसे अज्ञानी दाता और ग्रहिता दोनो अघोगति अर्थात् दुःख को प्राप्त होते हैं।
8. विद्या चा विद्या यस्तद्वेदोशय् सह।
   अविद्ययां मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते।।
   अर्थः- जो मनुष्य विद्या और अविद्या के स्वरूप को साथ ही साथ जानता है वह अविद्या अर्थात् कर्मो-पासना से मृत्यु को तर के विद्या अर्थात् यथार्थ ज्ञान से मोक्ष को प्राप्त होता है।
9. नोच्छिष्ट कस्यचिद्दधान्नाघाच्चैव तयान्तरा।
   न चैवात्यशंन कुर्यान्न योच्छिष्टः कवचिद् व्रजेत।।
   अर्थः- न किसी को अपना झूठा पदार्थ दे और न किसी के भोजन के बीच आप खावें। न अधिक भोजन करें और न भोजन किये पश्चात् हाथ-मुख धोये बिना कहीं इधर-उधर जाय।।

ज्योति
स्नातक प्रथम वर्ष
रोल नं 380

नीतिसूक्तयः

1. अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
   उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥
   सरलार्थः- 'यह मेरा है या यह पराया है' इस प्रकार की मान्यता तुच्छ-ह्रदय वालों में ही होती है। उदारतापूर्वक आचरण करने वालों का तो समस्त संसार ही परिवार होता है।
2. स बन्धुर्यो विपन्ननामापदुद्धरणक्षमः।
   न तु भीतपरित्राणवस्तूपालम्भपण्डितः॥
   सरलार्थः- वही बन्धु है जो आपत्ति में पड़े हुए प्राणियों की आपत्ति को दूर करने में समर्थ होता है, परन्तु जो भयभीत प्राणी की रक्षा करने की अपेक्षा उसे उलाहना देने में चत्तुर है, वह बन्धु नहीं है।
3. शुश्रूषस्व गुरून्कुरू प्रियसखीवृतिं सपत्नीजने,
   भतुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
   भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,
   यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥
   सरलार्थः- बड़ों की सेवा करना, अपनी सपत्नियों के साथ सखियों जैसा व्यवहार करना, तिरस्कार प्राप्त करके भी क्रोधित होकर पति के विपरीत आचरण मत करना, सेवकों के प्रति सदा उदार रहना, अपने भाग्य पर कभी गर्व मत करना। इस प्रकार का आचरण करने वाली युवतियाँ 'गृहिणी' पद को प्राप्त करती हैं। इसके विपरीत आचरण करने पर कुल में मानसिक अशान्ति करने वाली हो जाती हैं।
4. कीटोऽपि सुमनः सङ्गादारोहित सतां शिरः।
   अश्माऽपि याति देवत्वं महद्भिः सुप्रतिष्ठितः॥
   सरलार्थः- कीड़ा भी फूलों के साथ रहकर सज्जनों के शिर पर पहुँच जाता है। महान् पुरुषों के द्वारा सम्मान से स्थापित किया गया पत्थर भी देवता बन जाता है या देवता मानकर पूजा जाता है।
5. मातृपितृकृताभ्यासो गुणितामेति बालकः।
   न गर्भच्युतिमात्रेण पुत्रो भवति पण्डितः॥
   सरलार्थः- माता-पिता के द्वारा शिक्षित किया गया बालक ही गुणवान् हो जाता है। एक मात्र गर्भ से निकलने पर पुत्र विद्वान नहीं होता है।

वर्षा
स्नातक प्रथम वर्ष
1596220143

सुभाषितानि

1. आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥
अर्थः- आलस्य मनुष्य के शरीर में रहने वाला सबसे प्रबलतम शुत्र है। उद्यम के समान दूसरा कोई बन्धु नहीं है, जिसको करने से वह कभी दुःखी नहीं होता।

2. गुणी गुणं वेत्ति न वेत्ति निर्गुणो,
बली बलं वेत्ति न वेत्ति निर्बलः।
पिको वसन्तस्य गुणं न वायसः,
करी च सिंहस्य बलं न मूषकः॥
अर्थः- गुणवान् ही गुण को जानता है, गुणों से रहित व्यक्ति नहीं जानता, बलवान ही बल को जानता है, बल से रहित व्यक्ति नहीं जानता। वसन्त ऋतु के महत्व को कोयल ही जानती है, कौआ नहीं जानता, सिंह की शक्ति को हाथी समझता है, चूहा नहीं समझता।

3. क्रोधो हि शत्रुः प्रथमो नराणां,
देहस्थितो देहविनाशनाय।
यथास्थितः काष्ठगतो हि वहिः,
स एव वह्निर्दहते शरीरम्॥
अर्थः- मनुष्यों के शरीर के विनाश के लिए सबसे पहला शत्रु शरीर में स्थित क्रोध है। जिस प्रकार लकड़ी के अन्दर रहने वाली आग लकड़ी को ही जलाती है वैसे ही शरीर में स्थित क्रोध शरीर को जलाता है।

4. सेवितव्यो महावृक्षाः फलच्छायासमन्वितः।
यदि दैवात् फलं नास्ति छाया केन निवार्यते॥
अर्थः- फल और छाया से भरपूर विशाल वृक्ष का आश्रय लेना चाहिए। कभी भाग्य के न रहते फल न भी मिले तो उसकी छाया किसने रोकी है अर्थात् वह वृक्ष छाया तो प्रदान करेगा।

5. संपतौ च विपतौ च महतामेकरूपता।
उदये सविता क्तोश्चस्तमये तथा॥
अर्थः- महापुरूषों का स्वभाव सुख और दुःख दोनों में एक समान होता है जैसे सूर्य उदय के समय लाल होता है और डूबने के समय भी लाल होता है।

6. विचित्रे खलु संसारे नास्ति किञ्चिन्निरर्थकम्।
अश्वश्चेद् धावने वीरः भारतस्य वहने खरः॥
अर्थः- विचित्र संसार में निश्चय ही कुछ भी अर्थ से रहित अर्थात् बेकार नहीं है घोड़ा यदि दौड़ने में वीर है, तो बोझ को ढ़ोने में गधा वीर है।

मीनू
स्नातक प्रथम वर्ष
रोल नं 304

वंदना

1. वागर्थाविव सम्पृक्तौ, वागर्थप्रतिपतये।
जगतः पितरौ वन्दे, पार्वती परमेश्वरौ।।

असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मा अमृतं गमय।।

शब्द और अर्थ के समुचित ज्ञान के लिए शब्द और अर्थ की भान्ति जुडे हुए संसार के माता-पिता स्वरूप पार्वती और शिव की मैं वदंना करता हूं।

2. हे ईश्वर! मुझे कुमार्ग से सन्मार्ग की ओर ले जाएं । अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाएं। मृत्यु से अमरता की ओर ले जाएं।

एहि हसाम

1. अध्यापकः- छात्राः ! वदत, आम्राणि कस्मिन् काले चूषणार्थं लभन्ते ?
छात्राः- यदा मालाकारः उद्याने न भवन्ति।
2. सोहनः- मम जनकः तु एक हस्तेन शतम् वाहनानि स्थातुम् शक्नोति।
मोहनः- असत्य मा वद।
सोहनः- अहं सत्यं वदामि। मम जनकः
वाहनः- नियंत्रणकः अस्ति।
3. श्रीधरः- अध सम्पूर्ण रेलयानं ममोपरि गतम्।
प्रकाशः- तर्हि कथं जीवितः भवान्.....?
श्रीधरः- अहं सेतोः अधः स्थितम् आसम्।

कोमल शर्मा, स्नातक द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160245

संस्कृत सुविचार

1. स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कुर्तमन्यथा
सुतत्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम्।।
2. अनाहतः प्रविशति अपृष्टो बहु भाषते।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढचेता नराधमः।।
3. यथा चितं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रियाः।
चित्ते वचि क्रियायाचं साधुनामेक्रूपता।।
4. षड् दोषाः पुरूषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता।
निंद्रा तद्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता।।
5. द्वौ अम्भसि निवेष्टव्यौ गले बद्ध्वा दृढां शिलाम्।
धनवन्तम् अदाताराम् दरिद्रं च अतपस्विनम्।।
6. कार्यार्थी भजतें लोकं यावत्कार्य न सिद्धति।
उत्तीर्णे च परे पारे नौकायां कि प्रयोजनम्।।
7. बलवानप्यशक्तोऽसौ धनवानपि निर्धनः।
श्रुतवानपि मूर्खो सौ यो धर्मविमुखो जनः।।
8. जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं।
मानोन्नतिं दिशति पापमपा करोति।।

रीतु लोहान, स्नातक तृतीय वर्ष
रोल नं. 150539

संस्कृत दिवसः

1. आमन्त्रितोल्लासविलासिवर्षः
विवृद्धद्धौघहषीकहर्षः।
विद्योतितच्छात्रगुणप्रकर्षः
सुपर्वभाषादिवसोऽयमार्षः।।
2. मनोमुदः कोविदकुञ्जराणां
तन्यन्त एतेन च निर्जराणाम्।
गुणैर्गरिष्ठैरिह भासमानो
विराजतां संस्कृतवासरोऽयम्।।
3. प्रतिप्रदेशं किल कीर्तिघोषः
जनैः समतोल्य मुदा स्वदोषः।
गीर्वाणवाणीगुणगौखाणां
माचर्यते संसदि कोविदानाम्।।

अजंली, स्नातक तृतीय वर्ष (150287)

Mathematics

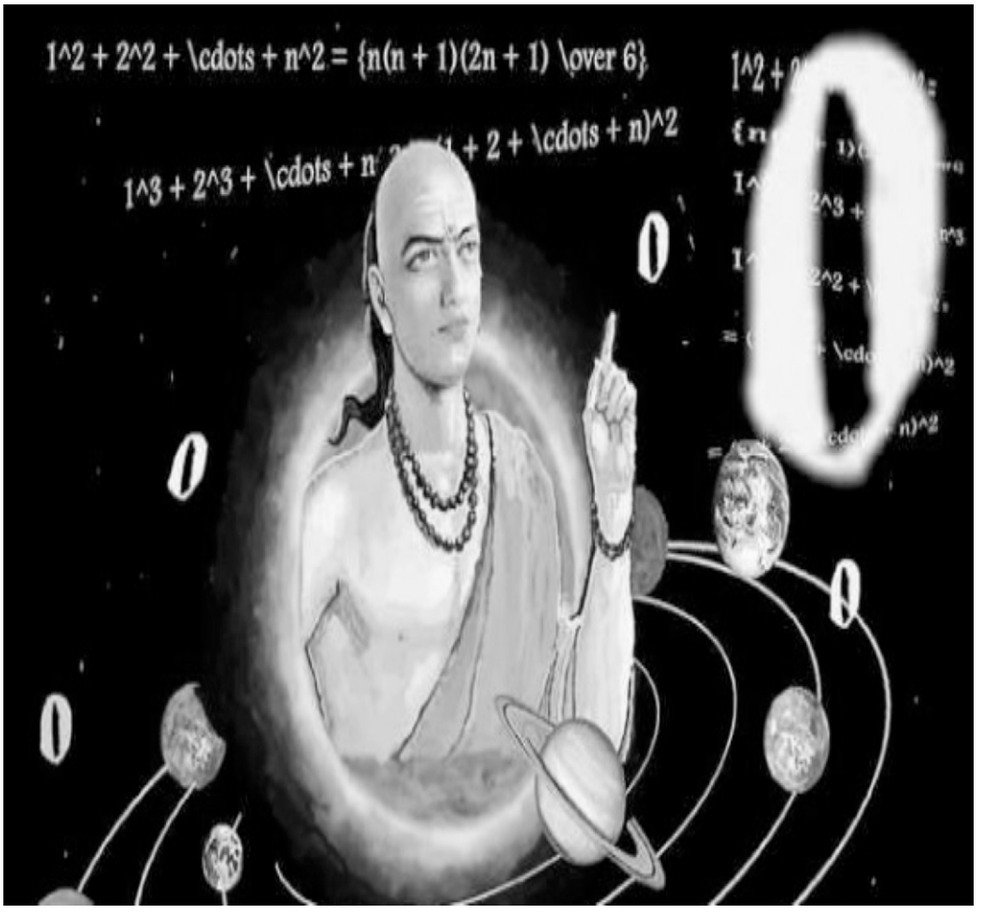

Teacher Editor
Mrs. Anju

Student Editor
Tannu

Index

1.	A Brief History of pi	Mrs. Anju	3
2.	The Fraud	Chetna	4
3.	कविता	Jyoti	4
4.	गणित की दुनिया	Ekta Goyat	5
5.	गणित	Ritu Malik	5
6.	कविता	Neelam	6
7.	Power of Maths	Vandana	6
8.	गणितीय विवाह	Sudesh	6
9.	Introduction of Maths	Preeti Mittal	7
10.	Mathematics as a Language	Preeti Mittal	7
11.	What is Mathematics ?	Preeti Mittal	7
12.	Mathematics Quotes	Manisha	7
13.	Man and Mathematics	Muskan	7

A Brief History of π

Mrs. Anju
Asstt. Prof. of Mathematics

Pi has been known for almost 4000 years- but even if we calculated the number of seconds in those 4000 years and calculated pi to that number of places, we would still only be approximating its actual value. Here's a brief history of finding pi:

The ancient Babylonians calculated the area of a circle by taking 3 times the square of its radius, which gave a value of pi=3. One Babylonian tablet (ca. 1900-1680 BC) Indicates a value of 3.125 for pi, which is a closer approximation.

In the Egyption Rhind Papyrus (Ca. 1650 - BC) there is evidence that the Egyptians calculated the area of a circle by a formula that gave the approximate value of 3.1605 for pi.

The ancient cultures mentioned above found their approximations by measurement. The first calculation of pi was done by Archimedes of Syracuse (287-212 BC), one of the greatest mathematicians of the ancient world. Archimedes approximated the area of a circle by using the Pathagorean Theorem to find the area of two regular polygons: the polygon inscribed within the circle and the polygon within which the circle was circumscribed. Since the actual area of the circle lies between the areas of the inscribed and circumscribed polygons, the areas of the polygons gave upper and lower bounds for the area of the circle. Archimedes knew that he had not found the value of pi but only an approximation within those limits. In this way, Archimedes showed that pi is between 3 1/7 and 3 10/71.

A similar approach was used by Zu Chongzhi (429-501), a brilliant Chinese mathematician and astronomer. Zu Chongzhi would not have been familiar with Archimedes' method-but because his book has been lost, little is known of his work. He calculated the value of the ratio of the circumference of a circle to its diameter to be 355/113. To compute this accuracy for pi, he must have started with an inscribed regular 24,576-gon and performed lengthy calculations involving hundreds of square roots carried out to 9 decimal places.

Mathematicians began using the Greek letter π in the 1700s. Introduced by William Jones in 1706, use of the symbol was popularized by Euler, who adopted it in 1737.

An 18th century French mathematician named Georges Buffon devised a way to calculate pi based on probability. You can try it yourself at the Exploratorium exhibit Throwing pi.

The Fraud

Once a man borrowed Rs. 6000 from a landlord. The landlord lent him Rs. 6000 but asked him to return it as soon as possible. The man agreed and went away. After a few days, the same man again asked for Rs. 4000 more from the landlord. The landlord was kind enough to give him money but did not forget to remind him of the six thousand rupees which he had borrowed from him earlier. The man just smiled and left.

After some days he again asked for more money. This time the landlord asked him to return his sum of Rs. 10,000 first that he had borrowed from him. The man said that whatever he had borrowed was nothing but Zero.

Then, he took a paper and a pen and performed the following calculations :

Let a = 6000, b = 4000, c = 10,000

$a+b = c$

Multiplying both sides with (a+b)

$(a+b)(a+b) = c(a+b)$

$a^2+ab+ab+b^2 = ac+bc$

$a^2+ab-ac = bc-ab-b^2$

$a(a+b-c) = -b(a+b-c)$

$a+b = 0$

Putting values:- $6000+4000 = 0$

$10000 = 0$

Hence proved, Reason for the wrong result :

In the fourth step, we have

$a(a+b-c) = -b(a+b-c)$

But, $a+b = c$

Therefore $(a+b-c) = c-c = 0$

It implies that in the fourth step we are dividing both sides by Zero and division by Zero in any case is not defined. Thus it yields a wrong result.

Chetna, B.A. 2nd Year
Roll No. 160365

कविता

क्या लिखू गणित के लिए
क्या लिखू अल्फा, बीटा, गामा के लिए
गणित ने रचा इतिहास सारा
गणित के बिना सूना संसार हमारा
भाग, जोड़, गुणा का खेल है सारा
गणित के बिना सूना जीवन हमारा
सो ना पाते, जाग ना पाते
वर्ष कैसे गिन पाते
गणित का ना होता सहारा
सोचा कैसा होता जीवन हमारा
जिन्दगी एक Equation
Equation एक जिन्दगी है
गणित ना होता तो सोचो क्या होता
चाँद पर ना पहुँच पाते
धरती से चाँद की दूरी कैसे नापते ?
राम गए बनवास, पूरी प्रजा निराश
गिनती ना होती, बोलो कैसे आश लगाते
दिन ना होते, हफते, महीने, साल ना होते
कैसे जीते कैसे मर पाते
न्यूटन ना होता, आइसटाईन ना होता,
ना होता अब्दुल कलाम
बोलो गणित के बिना खोज कैसे कर पाते
क्या लिखू ओर गणित के लिए
मैं तो यही कहूँगी
जो समझे इसे बहुत बड़े ज्ञानी है
गणित एक लम्बी कहानी है।
गणित सारे विषयों की सुंदर
सी एक रानी है।

ज्योति, बी.ए द्वितीय वर्ष
रोल नं. 1596220138

गणित की दुनिया

हिन्दी में शून्य, उर्दू में सिफर
अंग्रेजी में बोलते हैं जीरो
आर्यभट्ट निर्माण कर के ये
बन गए हैं गणित के हीरो।

उछल पड़े वो नंबरो के जाल में
एक दो तीन चार के निर्माण में
फिर पाईथागोरस है आता
गणित में अपना जलवा दिखलाता।

थोड़ी देर में रामानुजन आ जाते
पाईथागोरस का साथ निभाते
फिर रेने डिसकारटस भी आ जाते
परिमेय, अपरिमेय में अतंर बतलाते,

इसी तरह आगे बढते
सूत्र ओर गणित की दुनिया भारी पड़ी
थक कर सारे ज्ञानी सोने जाते
सपनों मे भी गणित बनाते।

एकता गोयत, बी. ए द्वितीय वर्ष
रोल नं. 160135

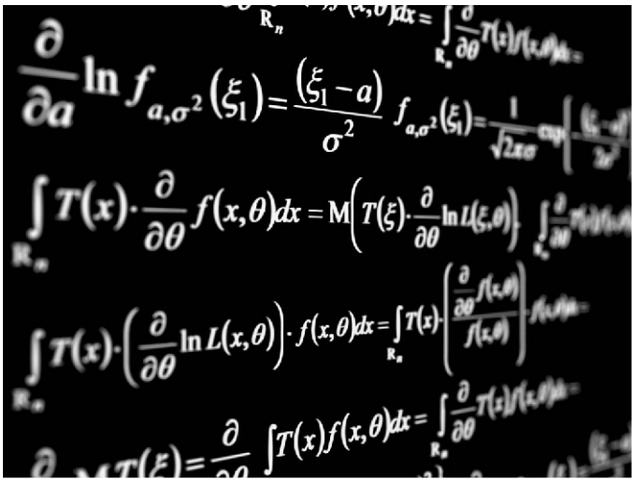

गणित

एक विषय है गणित, जिसमें संख्या है अनगिनत।
जमा, घटा, गुणा और भाग,
समझो तुम इसे एक साग।
सरसो के बिना जैसे साग अधूरा,
इसके बिना काम होए न पूरा।

कहे कोई दो और दो होते है चार,
कोई कहता तीन और एक है चार।
सुनने को गणित का ये अत्याचार,
बच्चे हो जाते है लाचार।

बच्चे पढ़कर हिसाब, हो जाते है परेशान,
तभी तो हिसाब नहीं होता आसान।

विशेषताएँ तो इसकी है अनेक
Sin, Cos, Tan हैं इसके Base,
दिमाग में जिसके ये हुए प्रवेश
बन जाते है वो Merit Case
अखबार में छपते है उनके Face
जीत जाते है वो पढाई की Race

गणित के टीचर है बड़े लाजवाब,
तभी तो हमें गणित आता है जनाब
पढाई में अपना मन लगा लो,
गणित को अपना दोस्त बना लो
रितु ने कही जो बात,
उसे अपने मन में बसा लो।

रितु मलिक, बी.ए प्रथम वर्ष
रोल नं. 1596220073

कविता

एक बार एक गणित के अध्यापक से उसकी पत्नी ने गणित में प्यार के दो शब्द कहने को कहा, पति ने पूरी कविता लिख दी :

म्हारी गुणनखण्ड सी नार,
कालजो मत बाल
थन समझाऊँ बार हजार,
कालजो मत बाल

1. दशमलव सी आंख्या थारी, न्यून कोण सा कान,
त्रिभुज जेडो नाक, नाक री नयनी ने त्रिज्या जाण,
कालजो मत बाल

2. वक्र रेखा सी पलका थारी सरल भिन्न सा दाँत
समषटभुज सा मुंडा पे, भारे मांख्या की बारात,
कालजो मत बाल।

3. रेखाखण्ड सरीखी टांगा थारी, बेलन जेड़ा हाथ
मझला कोष्ठक सा होंठा पर टप-2 पड़ रही लार,
कालजो मत बाल

4. आयत जेडी पूरी काया थारी, जाणे ना हानि लाभ
तू ल. स. प., मूम स. प.
चुप कर घन घनाभ,
म्हारी गुणनखण्ड सी नार,
कालजो मत बाल
थन समझाऊं बार हजार, कालजो मत बाल।।

नीलम, बी. ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 150336

Power of Maths

One day a box wasn't opening.
Lawyer came, applied all laws but it didn't open.
Chemist came applied all reaction
but it didn't open.
Physician came, applied all force
but it didn't open.
Then Mathematician came & said .....
Let us assume the box is open.

Vandana, B. Sc. III Year
Roll No. 152110

गणितीय विवाह

प्रिय ट्रिगनोमैट्री
मधुर-समृति

बहुत जोड़-घटा करने के पश्चात मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि यदि मेरे बेटे जीरो के साथ **Infinity** की शादी हो जाए, तो कितना अच्छा रहे, क्योंकि **Mr. Zero** और **Miss infinity** दोनों का युगों का साथ है। और आपको भी मालूम है कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं इसका प्रमाण है:-

1. **Any digit/Infinity = Zero**
2. **Any digit/Zero = infinity**

वैसे दोनों में कुछ बुराइयां भी हैं। मेरा पुत्र विद्यार्थियों का शत्रु है और विद्यार्थी उसे अंडा कहकर पुकारते हैं। जब किसी उच्च पद को **Zero** के साथ गुणा किया जाता है, तो जीत हमेशा **Zero** की होती है। यह अकेले राज्य करता है। दूसरी तरफ, तुम्हारी पुत्री **Miss infinity** भी कोई ब्यूटी क्वीन तो है नहीं। चाल-ढ़ाल भी अलग है। जब चलना प्रारंभ करती है, तो तारों से आगे चलने के बाद भी उसका अंत नहीं होता। वह अपने मन की रानी है।

दोनों की उपरोक्त विशेषताओं को देखते हुए मैंने सोचा कि यह जोड़ा अद्वितीय होगा। तुम शीघ्र अपने पति **Mr. Formula** और उसके भाई **Mr. Logarithm** से सहमति लेकर मुझे सूचित करो। ताकि शादी की तारीख परीक्षक नामक पंडित से पूछकर निश्चित की जा सके और **University** के दफतर में रजिस्टर कराई जा सके। अपनी पुत्रियों **Miss infinity, Miss Solid Geometry** और **Miss Co-ordinate Geometry** को मेरी तरफ से तथा मेरी पत्नी **Statistics** की तरफ से मधुर प्यार कहना। **Mr. Arithmetic** और **Mr. Graph** को मेरा नमस्कार कहना।

पत्रोतर की प्रतीक्षा में-

Mr. Algebra
Calculation Colony, 90^0 Angle Crossing,
Dynamic Street, Mathematics

Sudesh, B.Sc Final Year
Roll No. 152108

Introduction of Maths

For more than two thousand years, mathematics has been a part of the human search for understanding. Mathematical discoveries have come both from the attempt to describe the natural world and from the desire to arrive at a form of inescapable truth from careful reasoning. These remain fruitful and important motivations for mathematical thinking, but in the last century mathematics has been successfully applied to many other aspects of the human world. Voting trends in politics, the dating of ancient artifacts, the analysis of automobile traffic patterns, and long-term strategies for the sustainable harvest of deciduous forests, to mention a few. Today, Mathematics as a mode of thought and expression is more valuable than ever before. Learning to think in mathematical terms is an essential part of becoming a liberally educated person.

Mathematics as a Language

- Include elements, notation and syntax.
- Is the language of patterns and change.
- Is a way of thinking about the world.
- Is a necessary ingredient for developing and demonstrating understanding both oral and written language.

What is Mathematics ?

- Mathematics is a study of patterns and relationships.
- Mathematics is a way of thinking .
- Mathematics is an art, characterized by order and internal consistency.
- Mathematics is a language that uses carefully defined terms and symbols.
- Mathematics is a tool.

Preeti Mittal, B.A. II Year
Roll No. 160109

Mathematics Quotes

- It may not teach us how to add love or minus hate. But it gives us every reason to hope that every problem has a solution.
- Life is a math equation. In order to gain the most you have to know how to convert the negative into positive.
- Math is like a love that so complicated. Math is like a reality that so many problem to solve.
- Mathematics is not only for solving numbers. It's also for dividing sorrows, subtract sadness, adding happiness and multiply love and forgiveness.

Manisha, B.A. II Year
Roll No. 160124

Man and Mathematics

The word "Mathematics" has a large meaning hidden in itself which has been a very useful object in the earlier years also. Like, in some giving and taking of a certain quantity in a perfect manner, we always use some mathematical identities like addition, subtration, multiplication, division etc.

And also this is useful for our mechanical, engineering and modernistic life as, we cannot calculate our day to day life procedure without it. "Computer" has itself its totally foundation in Mathematics. In banking credit and debit are the most important part of working which are based on mathematics. In sort, Mathematics is the main feature of our life, Without it, we are ignorant of all kind of procedure being done in our life and also we can't solve any problem in our life.

From up to down the conclusion that 'Mathematics' and only 'Mathematics' has given us eye to identify the correctness of every thing.

Muskan, B.A. 1st Year
Roll No. 1596220030

NEW SECTION

COLLEGE IN NEWS

Editor-in-Chief
Dr. Sudha Malhotra

Editor in English
Dr. Geeta Gupta

खेल-कूद : गतिविधियाँ

- अर्जुन स्टेडियम में हुई महाकुम्भ प्रतियोगिता मे 26 सितम्बर हिन्दू कॉलेज की नेटबाल टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया उसमें भाग लेने वाली छात्राएं कुमारी प्रीतम, आशु, मनीषा, मंजु, अनमोल, कृष्णा, मनीषा, तनु, सुनेना, सविता, मंजु, प्रीति थी।
- अर्जुन स्टेडियम में हुई महाकुम्भ प्रतियोगिता में हिन्दू कॉलेज की बास्केट बाल टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इसमें भाग लेने वाली छात्राएं आशु, प्रीतम, मंजू, अनमोल, प्रीति, मनीषा थी।
- अर्जुन स्टेडियम में हुई महाकुम्भ प्रतियोगिता में कुमारी सुनेना और विशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और वहीं चरखी दादरी में राज्य स्तर पर भाग भी लिया।
- अर्जुन स्टेडियम में हुई 27 सितम्बर से 2 अक्टूबर को महाकुम्भ प्रतियोगिता में कुमारी अनुराधा ने 5000 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- पलवल में हुई योगा प्रतियोगिता दिनांक 26/10/2017 से 27/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा आशु ने नेशनल में द्वितीय और स्टेट में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- पलवल में हुई योगा प्रतियोगिता दिनांक 26/10/2017 से 27/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा प्रीतम ने स्टेट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और नेशनल में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।
- पलवल में हुई योगा प्रतियोगिता दिनांक 26/10/2017 से 27/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा कृष्णा ने नेशनल में तृतीय और स्टेट में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।
- पलवल में हुई योगा प्रतियोगिता दिनांक 26/10/2017 से 27/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा प्रीति ने नेशनल मे तृतीय और स्टेट मे भी तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- पलवल में हुई योगा प्रतियोगिता दिनांक 26/10/2017 से 27/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा मनीषा ने स्टेट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- हिन्दू कन्या महाविघालय मे हुई ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता में कुमारी आशु ने प्रथम स्थान, अनुराधा ने दूसरा स्थान और सुनेना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- रोहतक में हुई योगा प्रतियोगिता जो कि समर गोपालपुर में आयोजित की गई दिनांक 16/12/2017 से 17/12/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा मंजू ने नेशनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- रोहतक में हुई योगा प्रतियोगिता समर गोपालपुर में जो कि आयोजित की गई दिनांक 16/12/2017 से 17/12/2017 हिन्दू कॉलेज की छात्रा प्रीति ने नेशनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- अम्बाला में हुई स्टेट लेवल की रोड़ साइकिलिंग प्रतियोगिता में हिन्दू कॉलेज की छात्रा कुमारी अनुराधा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व जिले में प्रथम स्थान पर रही।
- सफीदों में हुई क्रॉस कन्ट्री रेस **5000** की प्रतियोगिता में कुमारी अनुराधा ने पहला स्थान प्राप्त किया।
- जींद में अर्जुन स्टेडियम में हुई प्रतियोगिता में प्रियंका ने **Long Jump** में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- हिसार में हुई बास्केट बाल प्रतियोगिता दिनांक 15/10/2017 से 23/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्रा मनीषा व मंजू का चयन राज्य स्तर पर हुआ।
- सोनीपत में हुई नेटबाल प्रतियोगिता दिनांक 8/10/2017 से 13/10/2017 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्राएं आशू, प्रीतम, कृष्णा, अनमोल ने राज्य स्तर पर बढ़-चढ़ कर भाग लिया।
- पानीपत के समालखा में हुई नेटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत दिनांक 9/2/2018 से 10/3/2018 तक में हिन्दू कॉलेज की छात्राओं आशु, मनीषा, प्रीतम, मनीषा ने भाग लिया।
- जींद में अर्जुन स्टेडियम में आयोजित वुशू प्रतियोगिता में हिन्दू कॉलेज की छात्रा ने इस महाकुंभ में प्रथम और राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- जींद में अर्जुन स्टेडियम में आयोजित वुशू प्रतियोगिता के महाकुंभ में हिन्दू कन्या महाविद्यालय की छात्रा ज्योति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इंचार्ज : मीना (डी.पी.)

राष्ट्रीय सेवा योजना वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

अनुशासन व श्रम की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से सभी शैक्षणिक संस्थान अपने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं। इस वर्ष महाविद्यालय की एन.एस.एस इकाई के अंतगर्त 102 छात्राओं ने अपना नाम दर्ज करवाया और हर गतिविधि में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। ये सेविकाएँ अपने महाविद्यालय की गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक सेवाओं में भी अपना भरसक सहयोग देती हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा ये सभी विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व के विकास के साथ-साथ अपना आत्मिक विकास भी करते है जो कि सही मायने में विकास का अर्थ है। इन्ही उद्देश्यों से आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा वर्ष भर में किए गए कार्यो का ब्यौरा आपके समक्ष हैं।

28 जुलाई, 2017 : 102 स्वयं सेविकाओं को प्रथम बैठक के अंतगर्त एन.एस.एस इकाई के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों ने अवगत कराया गया।

1 अगस्त से 15 अगस्त, 2017 : को स्वच्छता पखवाडा के रूप में मनाया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की क्रियाएँ जैसे जागरूकता रैली, वृक्षारोपन, स्वच्छता सैमिनार, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण आदि क्रियाएँ करवाई गई।

10 अगस्त, 2017 : प्राचार्या डॉ0 अलका गुप्ता व अन्य वरिष्ठ प्राध्यापिकाओं के द्वारा कार्य का शुभारंभ हुआ। छात्राओं ने पौधे लगा कर भविष्य में भी पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित रखने का प्रण किया।

15 अगस्त, 2017 : देशभक्ति की भावना को मन में लेकर छात्राओं ने अनुशासन में रह कर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में भाग लिया। अपने कार्य में एकता व भाईचारे की भावना को ओर भी प्रबल करते हुए छात्राओं ने एक-जुट हो कर कार्य किया।

10 सितम्बर, 2017 : विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर स्वंय सेविकाओं के द्वारा एक प्राचीन शिक्षण सामग्री पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं के कुल 10 ग्रुप बनाए गए। जिनमें से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को महाविद्यालय की प्राचार्या व प्रधान श्री अशुंल कुमार सिंगला द्वारा सम्मानित किया गया।

15 सितम्बर, 2017 : विश्व शांति दिवस पर छात्राओं द्वारा अंहिसा अपनाने और हिंसा को त्यागने की शपथ दिलाई।

24 सितम्बर, 2017 : एन.एस.एस दिवस पर एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई। साथ ही ज्वपसमज म च्तमउ ज्ञंजीं थ्पसउ महाविद्यालय के पुस्तकालय में दिखाई गयी।

2 अक्टूबर, 2017 : महात्मा गांधी जयंती पर एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया। जिस पर महात्मा गांधी जी के जीवन परिचय को ले कर एक निंबध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्राचार्या द्वारा पुरस्कार दिए गए। साथ ही महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई भी की गई।

31 अक्टूबर, 2017 : राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्राचार्या डॉ0 अलका गुप्ता जी द्वारा शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया गया तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जंयती की मनाने हेतु महाविद्यालय की स्वयं सेविकाएँ राजकीय महाविद्यालय, जीन्द के प्रांगण में एकत्रित हुई, जिसमें भारत सरकार व एस.इ.एस. विभाग की ओर से एक राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ हमारे महाविद्यालय की छात्राएं भी इस दौड़ का हिस्सा बनी।

18 मार्च, 2018 : स्वच्छता अभियान में एन एस एस के स्वयं सेवक सदैव कार्यशील रहे हैं। इसी अभियान के अन्तर्गत 18 मार्च को एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया। छात्राओं ने बढ़-चढकर इसमें भाग लिया और महाविद्यालय के कोने कोने को साफ करते हुए निस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

Report of Legal Literacy Cell

Anita
Convenor, Legal Literacy Cell.

17th August, 2017

Painting Competition was organizes on the topic of Beti Bacho Padhao. Results are as under:-

1st	Somvati	B.A.III	150123
IInd	Twinkle	B.A.I	159622359
IIIrd	Aarti Gupta	B.A.I	159622116

21/08/2017-One Life

Special Legal Literacy Camp was organized on the theme of "One Life". This camp was organized for creating mass awareness among various corners of society regarding road signs, road safety, punishment provisions under motor vehicle Act and safe driving behavior. Advocate Sh. Vijay Kumar Sharma and Para legal volunteer Ms. Aarti were deputed by District Legal services Authority for this purpose.

26th Sept., 2017

Rangoli Competition was organized on the topic of female foeticide, prize winners are

Ist	Aarti	B.A.I	159622116
IInd	Twinkle	B.A.I	159622359
IIIrd	Priyanka	B.A.III	150221

13th October, 2017

Discussion was organized among students on the topic of Dowry. Students expressed their views and cited examples from their day-to-day life. It was clear from this discussion that some brides and their parents are misusing the Dowry Prohibition Act. But still this dowry is a social evil and burden on the girl's parents. Students were asked to report any case of dowry harassment to the legal Aid Clinic.

16th January, 2018

Poem recitation competition was organized on the topic of women Empowerment. Results are as under :-

1st	Milan	B.A. II	160660
IInd	Diksha	B.A.III	150117
IIIrd	Vishoka	B.A.III	150118

20th Feb., 2018

Slogan writing competition was organized on the topic of Domestic violence. Results are as under :-

1st	Jyoti	B.A.III	150404
IInd	Sanju	B.A.III	150121
IIIrd	Monika	B.A.II	160101

08/03/2018- International women's Day

Special Legal Literacy Camp was organized on "Women's Day". Advocate Sh. Dev Raj Malik and Advocate Ms. Jyoti Maan were deputed by District Legal Services Authorities to apprise the women about their legal rights under various Acts and creating mass awareness. They also motivated students to download safefy app in their smart phones so that their parents can get message and location in case of emergency. Advocate Jyoti Mann advised the students to be economically self dependent.

4th April, 2018

Speech Competition was organized on the menace of child labour. Result of this competition is given below :-

1st	Vishoka	B.A.III	150118
IInd	Jyoti	B.A.III	150500
IIIrd	Kavita	B.A.III	160397

Report of Red Ribbon Club (2017-18)

"Red Ribbon Club is a movement started by the Government of India in Colleges through which students will spread awareness of HIV/AIDS". To spread awareness about HIV/AIDS and safe-transfusion of blood our college has formed a 'Red Ribbon Club' under Haryana Aids control society.

The purpose of this club is 'Access to safe blood'. And for this purpose different activities were performed:-

1. HIV/AIDS awareness documentary film 'Teach AIDS' was shown in the month of August and January.

2. Red Ribbon Human Chain was made in the month of August, November and January.

3. National Toll-free helpline 1097 was also promoted through out the year at different places of college.

4. A slogan writing competition was organized on blood donation in the month of November. In this competition Sonia, Anita and Priya got 1st, IInd and IIIrd prizes respectively.

5. World AIDS day was celebrated on 1st Dec. by wearing Red Ribbon., On this occasion, RRC signage was displayed on the main gate of the college.

6. A story telling competition on the theme of "Ek Hi Bhul", on drug abuse was organized in the month of january. In this competition Samina, Anita and Neha Bansal got 1st, IInd and IIIrd Prizes respectively.

7. Essay writing competition was also held in the month of January. In this competition Reetu, Komal and Simran got 1st, IInd and IIIrd prizes respectively.

8. Associate Professor Mrs. Rekha Saini, Assistant Professor Dr. (Mrs.) Punam Kajal and four peer educators attended one day training of RRC on HIV/AIDS and voluntary blood donation organized by Haryana State AIDS control society, Panchkula, Haryana on 9th Jan, 2018 at Govt. College, Jind. I would like to say my Red Ribbon club team that they should have passion and tolerance for affected. They should to be ever ready to donate blood because many people are facing a disease for which there is still no cure.

Incharge
(Mrs. Rekha Saini)
(Red Ribbon Club)

Women Cell Report

The Women Cell of the college is an active unit which strives for the real empowerment of women by providing various opportunities for the overall personality development of girl students. A host of activities are carried out every year under the aegis of women cell.

In the beginning of the session an essay writing competition and a slogan writing contest was held on the following topics :

1. Mother
2. Safety of women in India
3. Beti Bachao-Beti Padhao

The winners of the essay writing competion were :

1st Position-Komal (B.A. 2nd Year)
2nd Position-Indu Rani (B.A. 3rd Year)
3rd Position-Annu (B.A. 3rd Year)

The winners of the Slogan writing competiotion were ;

1st Position-Anjali (B.A.1st Year)
2nd Position-Shiksha (B.A.1st Year)

Mehendi Competion was held in which many students from various classes participated. Samina (B.A.3rd Year) and Sonu (B.A.3rd year) bagged 1st and 2nd positions respectively. The selected students further participated in the inter-College Mehendi Competion held in our own college.

The winners of this competition were ;

1st Position-Samina (HKMV Jind)
2nd Position-Sonu (HKMV Jind)
3rd Position-Komal (GCW Jind)

A discussion was held with the students about the problems and differences they have to face in family and in society for their being a girl.

Another discussion was held with the students to develop in them a self analytical approach towards the weaknesses and strenght of their personality.

Mr. Sunil Jaglan of 'Selfie with Daughter' fame initiated theproject 'Jagruk Lado-Surakshit Lado' by conducting a written test in our college to awaken the girl students about their consitutional rights and laws against domestic violence, eve-teasing, sexual exploitation at work places etc. Hundreds of students participated in the test. The winners were honored with prizes and certificates.

1st Position-Ritu (B.A.3rd year)
2nd Position-Kavita (B.A.13rd Year)
3rd Position-Sumit (B.A.3rd Year)

Mr. Sudhanshu from Feed bank NGO, New Delhi addressed the students to awaken them towards the hazards posed by improper disposal of garbage. He told them how they can contribute in keeping their environment clean. He demonstrated how the garbage should be segregated into different bins according to their degradable and bio-degradable nature. It's only after the proper disposal of garbage that we can keep our surroundings clean.

On Women's Day, a discussion was held among the students about the relevance of celebrating Women's Day; Many girls expressed their views in favor or against such practices.

A debate was held on various controversial issues regarding Khaap Panchayat, love marriages in same 'gotra' honor killing etc. under the aegis of women cell and Red-Cross cell. A team of students from the department of Mass Communication, CRSU Jind, conducted the debate, Students came up with their original views and ideas enthusiastically.

A cleanliness campaign was also carried out under the aegis of women cell and NSS cell of the institution. Students participated actively and devotedly in the campaign and did exemplary job by cleaning and beautifying college campus.

A Lecture was delivered by Ms. Twinkle Tayal to make the students well acquainted with the process of getting their passports made for further studies abroad.

Thus, Women Cell kept brimming with activities involving students for the evolvement of their personality and make them useful for the upliftment of society.

Anjali Gupta
(Incharge, Women Cell)

Report of Red Cross

हमारे महाविद्यालय की रेड क्रास शाखा इण्डियन रेड क्रास सोसायटी, चंडीगढ़ से सम्बन्धित है। कॉलेज की रेड क्रास यूनिट गरीब और शारीरिक रूप से अक्षम छात्राओं को किताबें, गर्म कपड़े व फीस में छूट जैसी सुविधाएं देती है।

सत्र के प्रारम्भ में अगस्त माह में ही एक मीटिंग ले कर छात्राओं को रेड क्रास के उद्देश्य और कार्यो की जानकारी दी गई। बाद में भी समय-समय पर मीटिंग ले कर सत्र के दौरान होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी जाती रही। दाखिले के समय जुलाई माह में और बाद में नवम्बर के महीने में गरीब छात्राओं केा रेड क्रास यूनिट द्वारा फीस में छूट दी गई। शारीरिक रूप से अक्षम छात्राओं को फीस के साथ-साथ किताबें भी दी गई।

स्वच्छता सप्ताह के दौरान दिनांक 12 अगस्त, 2017 को स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए एक वक्तव्य का आयोजन किया गया, ताकि छात्राएं स्वच्छता के प्रति जागरूक हों, जिसमें शहर की जानी मानी संस्था से आए श्री नरेन्द्र नाडा जी ने छात्राओं को सफाई व स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी दी। अगस्त माह के अन्त में दिनांक 30 अगस्त को एक दिवसीय **First Aid Training Camp** लगाया गया। जिसमें छात्राओं को फर्स्ट एड की ट्रेनिंग दी गई।

दिनांक 5 सितम्बर को **Red Ribbon Chain** बनाकर छात्राओं को एड्स के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें 90 छात्राओं ने भाग लिया।

दिनांक 28 अक्टूबर को रेड क्रास शाखा की ओर से **'Poster Making Competition'** का आयोजन किया गया, जिसमें तनु ने प्रथम, नेहा सैनी ने द्वितीय व अनीता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जनवरी माह के प्रारम्भ में शाखा की ओर से गरीब छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई।

दिनांक 18 जनवरी को 'रक्तदान महादान' विषय पर **'Slogan Writing Competition'** आयोजित किया गया, जिसमें साक्षी गर्ग प्रथम व तनु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 2 फरवरी को 'स्वच्छता अभियान' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें पूजा मलिक प्रथम व पिंकी द्वितीय स्थान पर रही।

सत्र के अन्त में 13 मार्च को एक कार्यक्रम आयोजित करके विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रही छात्राओं को कॉलेज प्राचार्या डॉ अलका गुप्ता व रेड क्रास इंचार्ज डॉ पूनम काजल के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

डॉ0 पूनम काजल
रैड क्रॉस सैल

Placement Cell Activities (2017-18)

The purpose of career guidance and placement cell is to help the students to make them more employable and to inform the students regarding higher studies, training opportunities and jobs etc and also to orient and train them towards future lives. To fulfil these objectives various actions taken during 2017-18.

1. Organisation of Lectures : Lectures from experts were organised to enhance the potential and to improve their personality and communication skills. Latest information regarding job avenues available in different fields, Private and Govt. was provided to the final year students. Few examples :

- UPSC IAS, IPS, IFS
- SSC Central Excise Inspector, Income Tax Inspector
- HSSC Taxation Inspector, Excise Inspector, Sub Inspector, Auditor, Accountant
- HUDA Accountant, Section Officer, Accounts Officer, Chief Accounts Officer etc.

2. Preparation of resumes : Students were also told how to prepare their resumes, so that they are shortlisted in the starting job.
3. Display information on Notice Board : Time to time information regarding higher studies and other career options were displayed on notice board.

Law	Three year after graduation
Law Integrated	5years after 10+2
Mass Communication	Admission through entrance
Computer courses	
Air Hostess	
Pilots etc.	

4. Separate section of Books in the Library : There is a separate section of placement cell competitive exam books in the library and students are encouraged to use it.
5. Communication with Industries : Recently efforts have been made to local small scale industries for job fair, training, MOU etc.

Incharge
UPASNA GARG
(Career Guidance and Placement Cell)

Organisation of Job Fair (09th March 2018)

'Mega Placement Drive' was organized on 09/03/2018 in our college. We approached 7-8 companies. Out of which 2 companies 'Lakshay Milk Plant' and 'Haryana Leather Chemicals Ltd.'became part of our job fair.

Approx 250 students of our college from all streams participated in this fair. Out of which 20 students were shortlisted by both the companies for the post of Assistant Accountant, Office Co-ordinator and office receptionist.

Incharge
(UPASNA GARG)
(Career Guidance and Placement Cell)

Report of Mathematics and Computer Science

Department of Mathematics was established in 1982. Eleven students took admission in pre university, out of which three students got 1st, 2nd, and 7th position in the university merit list. Since then we the department of Mathematics have been maintaining our performance.

We have introduced B.A. Maths (Hons.) on U.G.C. pattern, information technology as add on course and started computer science in B.A. Our students always achieved positions in the university merit list. One of our student Ritu got 11th position in university in B.A. 3rd sem. Our students are pursuing higher education in different universities and institutions and are well settled in their professional life. We ensure effective learning through two way communication. We not only teach our students prescribed syllabus but also guide them for entrance test and train them for competitive exams for various government and private jobs. We discourage cramming. We give our best to make them understand the subject. We are always ready to help our students. We organized a state level Mathematics quiz competition in which teams from different districts have participated from all over haryana.

The team of M.M College, Fatehabad consisting of three students Sunil, Manju and Priyanka got 1st position and the team of Hindu College, Sonipat consisting of Mohit Verma, Rakesh and Mohit Chabbra got 2nd position in this competition. Our college team consisting of Niram, Rinku and Nishu got 3rd position in this competition. We also organized an intra college level mathematics Quiz in which seven teams have participated. The team of Anu Nishu and Ekta got 1st position, Sarita, Milan and Himani got 2nd position and varsha, Anu and Meena got 3rd position. We not only give the bookish knowledge to our students but help them nourishing their personalities using different type of activities i.e. by engaging them in seminars presentations, workshops group discussions etc. We have worked on arrranging various workshops frequently for keeping them up to date in advance era of technology.

We focus on theoretical and practical knowledge of students by giving them assignments time to time, providing lab facility and conducting examinations at college level prior to university exams. We have well structured, properly maintained and advance equipped labs with working internet facility for students. The students of computer science have proven their ability by showing academic excellence since long time. During last sessions most of the students of computer science department have scored more than 75 percent marks in final examinations.

The department plays a significant role and made a record of extra curricular activities on its name during academic year 2017-18. An inter college competition on PPT presentation was organized by department of computer science of class BA and Bsc 2nd year. An awareness programme on passport application was conducted by department of computer science to spread awareness among students regarding how to apply for passport. Department of computer science is always ready and active supporting other department for their various need like use of projector in various activities. The department is committed to provide quality education, better learning opportunity and spread awareness among students toward their surrounding so as the students can have overall development of their personalities.

Anju
Astt. Prof. of Maths

Report of Voter Card and Election based Competitions and activities

1. महाविद्यालय में जुलाई-अगस्त, 2017 के दौरान हुई दाखिले में 170 छात्राओं के वोटर कार्ड के आवेदन भरवाए गए।

2. जिला निर्वाचन कार्यालय, जीन्द द्वारा आयोजित जिला अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन हिन्दू कन्या महाविद्यालय, जीन्द में किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था ''लोकतन्त्र में सम्पूर्ण एवं गुणात्मक भागीदारी'', जिसमें चौन्तीस विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में बारह, रंगोली में दस तथा निबंध प्रतियोगिता में बारह विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिता में प्रियदर्शनी इन्दिरा गाँधी कन्या महाविद्यालय जीन्द, हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द, राजकीय महाविद्यालय जीन्द, छोटू राम किसान कॉलेज जीन्द, राजकीय महाविद्यालय जीन्द, राजकीय महाविद्यालय सफीदों, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जीन्द, तथा छोटू राम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जीन्द के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

   2 नवम्बर, 2017 को महाविद्यालय में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला स्तर पर निंबध लेखन, रंगोली व भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय जीन्द तथा आयोजित प्रतियोगिता का विषय था। ''लोकतन्त्र में सम्पूर्ण एवं गुणात्मक भागीदारी'', जिसमें चौन्तीस विद्यार्थियों ने भाग लिया।
   भाषण प्रतियोगिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा संजना ने प्रथम स्थान, प्रियदर्शनी इन्दिरा गाँधी कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा यशिका ने द्वितीय स्थान व राजकीय महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा अलिशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

   निंबध प्रतियोगिता में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जीन्द, की छात्रा सुदेश ने प्रथम स्थान, राजकीय महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा निशा, काजल व हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा दिक्षा ने द्वितीय स्थान और प्रियदर्शनी इन्दिरा गाँधी कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा वैशाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

   रंगोली प्रतियोगिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा आरती ने प्रथम स्थान, राजकीय महाविद्यालय जीन्द, के छात्र अजय कुमार व प्रियदर्शिनी इन्दिरा गाँधी कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा निकिता ने द्वितीय स्थान व हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द, की छात्रा टिवंकल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

3. 25 जनवरी 2018 को प्रियदर्शिनी इन्दिरा गाँधी कन्या महाविद्यालय जीन्द, में आयोजित मतदाता दिवस समारोह प्रतियोगिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

श्रीमती नीलम
सहायक प्रोफसर
राजनीति शास्त्र

Report of Cultural Activites (2017-2018)

1. महाविद्यालय में 15 अगस्त, 2017 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया उस में बच्चों ने समूह गान, एकल गायन में भाग लिया। जिसमें महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के प्रधान श्री अंशुल कुमार सिंगला जी ने छात्राओं को 2100 रू0 का पुरस्कार दिया।

2. महाविद्यालय में 6 सितम्बर, 2017 को प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एकल नृत्य, सितार, एकल वादन, गायन, भाषण, कविता आदि अनेक प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने खूब बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जिसमें एकल नृत्य में रीशू, श्वेता व नेहा और पारखी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही । एकल गायन में मुस्कान, हर्षा व रीशू प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही व सितार में नैन्सी, दीक्षा व आरती प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही।

3. हरियाणवी रतनावली प्रतियोगिता 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2017, कुरूक्षेत्र में आयोजित हुई जिसमें हिन्दू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने समूह गान, समूह नृत्य, रीति-रिवाज, **Skit,** चुटकले, पगड़ी बाँधना, रागनी, भजन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में खूब बढ़-चढ़ कर भाग लिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर जी द्वारा चुटकले प्रतियोगिता में प्रथम रहने वाली छात्रा जमित, भजन में प्रथम रही पलक व पगड़ी में तृतीय रही विशोका को पुरस्कृत किया गया।

4. गीता जयन्ती महोत्सव के उपलक्ष में जीन्द जिले के रंगशाला में हुई प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं ने **Skit,** एकल नृत्य व समूह गायन में भाग लिया। **Skit** में छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की श्रेष्ठ टीम का चयन करने के लिए प्रध्यापिकाओं डॉ क्यूटी व डॉ आरती सैनी को भी सम्मानित किया गया।

5. महाविद्यालय में 26 जनवरी, 2018 को गणतन्त्र दिवस मनाया गया उस में छात्राओं ने समूह गान, एकल गायन में भाग लिया।

6. अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता 6 फरवरी, 2018 को हिन्दू कन्या महाविद्यालय परिसर में आयोजित की गई जिसमें सितार व एकल गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया उसमें विभिन्न महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। उसमें सितार प्रतियोगिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय की गजल ने प्रथम व पूजा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व गायन प्रतियोगिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय की रश्मि प्रथम व पलक द्वितीय स्थान पर रही।

7. अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता 8 फरवरी, 2018 को राजकीय महाविद्यालय हांसी में आयोजित की गई जिसमें सांस्कृतिक रीति-रिवाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया उसमें विभिन्न महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जिसमें हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द की छात्राओं ने शानदार प्रर्दशन किया।

8. अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता 9 फरवरी, 2018 को माता सुन्दरी कन्या महाविद्यालय, निसिंग (करनाल) में आयोजित की गई जिसमें एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया उसमें विभिन्न महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जिसमें हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द की कुमारी पूजा प्रथम स्थान पर रही।

डॉ0 (श्रीमती) क्यूटी
डॉ0 (श्रीमती) आरती सैनी
सांस्कृतिक गतिविधियाँ

MATHEMATICS SOCIETY

राज्य स्तरीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एम.एम. कॉलेज फतेहाबाद की टीम प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए

गणित विभाग द्वारा आयोजित गणित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

राज्य स्तरीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

गणित विभाग द्वारा अयोजित गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उपस्थित प्रिंसीपल डॉ. अलका गुप्ता एवं प्राध्यापिकाएं

राज्य स्तरीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय जीन्द की टीम तृतीय पुरस्कार प्राप्त करते हुए

राज्य स्तरीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिन्दू कॉलेज सोनीपत की टीम द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करते हुए

गणित विभाग द्वारा आयोजित गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

गणित विभाग द्वारा आयोजित गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रश्न का उत्तर देती छात्रा

COMMERCE DEPARTMENT

Inter college 'Power Point Presentation' organised by 'Commerce Deptt' on 5/2/18

Our Special Guest 'Dr. R.C Jain & other Jury member juding the event 'Power Point Presentation

Honorable Principal Madam, Jury members & Head Commerce Deptt presenting award to 'PPT' winner

Honorable Principal Madam, Jury members & Head Commerce Deptt presenting award to 'PPT' winner

Honorable Principal Madam, Senior Prof. Mrs. Anita Singhroha, HOD Commerce Deptt. giving away token of respect to 'Special Guest 'Dr. R.C Jain'

Excellent Performance by 'Commerce' students in M.Com IInd Sem exams Miss. Ruchi (80.2%) Ist Position Bharti (79.28%) IInd Position & Varsha (78.26%) IIIrd Position in college.

An 'Informative lecture by Mr. Joginder Singh on 'Financial literacy & Investor's Awareness' organised by commerce deptt. on 16/9/17

A proud moment meritorious students of commerce deptt. being awarded by dignitaries during convocation function.

SPORTS

Athlete meet प्रतियोगिता में **IIIrd Position** प्राप्त प्रीतम छात्रा

Athlete meet प्रतियोगिता में **Ist Position** प्राप्त आशु छात्रा

Convocation में **Sports** के बच्चों को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

पुरस्कृत छात्राएं एवं प्राचार्या और कॉलेज स्टाफ

मैराथन रेस में प्रथम तृतीय छात्राओं द्वारा भागीदारी

मैराथन रेस में छात्राओं द्वारा साइक्लिंग

महाकुम्भ प्रतियोगिता में
Basketball IIIrd Position
& Netball में Ist Position

Basketball State IIIrd Position
प्राप्त छात्रा

महाकुम्भ प्रतियोगिता में Netball
में **Distt में Ist Position & Basball में**
IIIrd Position प्राप्त प्रीतम छात्रा

CONVOCATION

हिन्दू कन्या महाविद्यालय में पुस्तकालय भवन का उद्घाटन

कैप्टन अभिमन्यु का स्वागत करते हुए प्रबंधक समिति के अध्यक्ष श्रीमान अंशुल सिंगला

प्रोसैशन (दीक्षांत समारोह पर)

प्रोसैशन (दीक्षांत समारोह पर)

दीक्षांत समारोह पर शपथ दिलवाते हुए वित्त मंत्री

दीक्षांत समारोह पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कैप्टन अभिमन्यु

दीक्षांत समारोह पर शपथ ग्रहण करते बी.ए./बी.कॉम/बी.एस.सी के विद्यार्थी

दीक्षांत समारोह में कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं

कैप्टन अभिमन्यु को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए प्राचार्या जी

JOB FAIR [PLACEMENT CELL]

Placement Cell Incharge 'Mrs. Upasana Garg' welcoming the officers from different companies on the occassion of 'Mega Placement Drive' on 9/3/18

Mr. Manoj Jaglan, Manager Hr Department from 'Lakshay Milk Plant' addressing the student regarding placement drive

Mr. Naresh Sharma, Manager HR Department from 'Haryana Leather Chemicals Ltd.' addressing the student regarding placement drive

Short listed students with Principal Dr. Alka Gupta, Placement Cell Incharge Mrs. Upasna Garg, Co-Incharge Dr. Poonam Mor, Company's officers.

Short listed students with Principal Dr. Alka Gupta, Placement Cell Incharge Mrs. Upasna Garg, Co-Incharge Dr. Poonam Mor, and Company's officers.

Principal Dr. Alka Gupta, Placement Cell Incharge Mrs. Upasana Garg, Co-Incharge Dr. Poonam Mor giving away taken of respect to 'Lakshay Milk Plant' officers.

Workshop organised by ' Career Gaidence And Placement Cell' on the topic of 'Career Avenues After Graduation' on 27th Sept. 2017

An expert from T.I.M.E. (Triumphant Institute of Magt Education, Rohtak making student aware about 'Career Avenues After Graduation'

15 AUG. & 26 JAN. PROGRAMME

26 अगस्त को 2017 को संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर पुरस्कृत छात्रा

26 जनवरी को 2018 पर पुरस्कृत होती मेधावी छात्रा

26 अगस्त को 2017 पर राष्ट्रीय गान गाती हुई छात्राएं और प्राचार्या एवं प्रबंधक समिति के पदाधिकारी

15 अगस्त को 2017 पर देशभक्ति गीत प्रस्तुत करती छात्राएं

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

छात्राएं जागरूकता रैली निकालतीं हुईं। (सुनील)

जींद, 31 जुलाई (का.प्र.): हिंदू कन्या कालेज में आम जनता को उसके मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करते हुए आने वाले चुनाव में हर हालत में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की खातिर जागरूक करने को सोमवार को छात्राओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। मतदाता जागरूकता रैली को कालेज की प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने प्रजातंत्र में मताधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि हर मतदाता को अपने मताधिकार का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए।

यह रैली कालेज से निकलकर विश्वकर्मा चौक भगत सिंह चौक होते हुए वापस कालेज पहुंची। इस मौके पर कालेज की नोडल अधिकारी नीलम, डा. क्यूटी, अंजू व सुषमा खासतौर पर मौजूद थीं।

'बेटी के पैदा होने पर पौधरोपण करें'

■ हिंदू कन्या महाविद्यालय में छात्राओं ने किया पौधरोपण

आज समाज नेटवर्क

हिंदू कन्या महाविद्यालय में पौधरोपण करती छात्राएं व प्राध्यापिकाएं। आज समाज

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय प्रांगण में एनएसएस यूनिट की छात्राओं द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्या अलका गुप्ता सहित अन्य प्रध्यापकों व छात्राओं ने कालेज प्रांगण में पौधा रोपा किया। प्राचार्या अलका गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार हमारा जीवन भी हर प्रकार की परिस्थितियों में बदलता रहता है, उसी प्रकार पेड़-पौधे भी हर परिस्थिति को अनुभव करते हैं।

यदि हम अपनी ही भांति ही इनका भी ख्याल करें तो प्रदूषण का नाम ही न रहेगा और हरियाली, खुशहाली और स्वच्छता हमारे चारों ओर बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे सबसे अच्छे मित्र होते हैं, क्योंकि आज लगाए गए यह पौधे हमें बड़े होकर सांस लेने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। हम जितने पेड़-पौधे ज्यादा लगाएंगे प्रदूषण उतना ही कम होगा व पर्यावरण स्वच्छ होगा। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. क्यूटी ने कहा कि हमें बेटी के पैदा होने पर भी पौधा रोपण करना चाहिए व प्रत्येक व्यक्ति को हर साल अपने जन्मदिन पर एक पौधा जरूर लगाना चाहिए व उसकी देखभाल अपने परिवार के सदस्य की भांति करनी चाहिए। अगर हमारा यह प्रयास सफल होता है तो इससे हमारे समाज में लिंगानुपात में भी सुधार होगा व पर्यावरण भी शुद्ध होगा। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। पेड़-पौधों को काटा जा रहा है जिससे प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है। इससे प्रकृति पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे मनुष्यों का जीवन तो प्रभावित होता ही है साथ में पशु, पक्षियों व अन्य जीव जंतुओं का जीवन खतरे में पड़ जाता है। इस कारण आज भी कुछ जीव-जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं। इसलिए हमें पेड़-पौधों को काटना नहीं चाहिए क्योंकि पेड़-पौधे हमें प्राकृतिक आपदा से भी बचाते हैं। इस मौके पर भूतपूर्व एनएसएस अधिकारी नीलम, अनिता, गीता गुप्ता ने भी छात्राओं को संबोधित किया।

हिंदू कालेज में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्राचार्या।

एनएसएस यूनिट ने लगाई प्रदर्शनी

अमर उजाला ब्यूरो

जींद।

हिंदू कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को विश्व साक्षरता दिवस पर एनएसएस यूनिट द्वारा प्रदर्शनी लगाई। इसमें एनएसएस छात्राओं ने 10 ग्रुप बनाकर प्रदर्शनी लगाई गई। छात्राओं ने प्राचीन तकनीकों को जुटाते हुए और आधुनिक सामग्रियों का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन प्राचार्या डॉ. अल्का गुप्ता व वरिष्ठ सहायक प्रोफेसरों ने किया। साथ ही महाविद्यालय की समस्त छात्राओं व अन्य स्टाफ ने भी भव्य प्रदर्शनी का जायजा लिया।

यूनिट की छात्राओं ने पूरे उत्साह से आठ टीमों ने इसमें भाग लिया व प्रदर्शनी संबंधित जानकारियों से आने वाले सभी लोगों को अवगत कराया। प्रदर्शनी में पूर्वी टीम प्रथम, तोड़ी टीम द्वितीय व कल्याण टीम तृतीय स्थान पर रही। महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अंशुल सिंगला ने छात्राओं के मॉडलों का निरीक्षण करते हुए उनकी प्रशंसा की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. क्यूटी ने कहा कि शिक्षा का अभिप्राय केवल अपना ज्ञान बढ़ाना ही नहीं अपितु उस ज्ञान का प्रचार भी करना है।

जो हमें कहीं से मिला और हमने कहीं वितरित किया तभी वह सार्थक कहलाएगा। नहीं तो रुका हुआ पानी को गंदगी व बदबू ही देता है। बहता जल ही निर्मल व शुद्ध होता है।

कॉलेज छात्राओं ने पार्क में चलाया स्वच्छता अभियान

पार्क में स्वच्छता अभियान चलाते छात्राएं। आज समाज

आज समाज नेटवर्क

एन.एस.एस. शिविर लगाकर चलाया सफाई अभियान

सफाई अभियान के लिए प्रेरित करती छात्राएं। (सुनील)

जींद, 8 अगस्त (का.प्र.): शहर के हिंदू कन्या महाविद्यालय में एन.एस.एस. शिविर का आयोजन डा. क्यूटी की अध्यक्षता में किया गया। इस शिविर के दौरान कालेज की छात्राओं ने सफाई अभियान चलाया। मंगलवार को इस अभियान के तहत छात्राओं ने शहर की स्कीम नंबर 5 के अपना पार्क में सफाई की। सफाई अभियान के दौरान छात्राओं ने स्कीम नंबर 5 के नजदीकी घरों में रहने वाले लोगों को भी इस अभियान में अपना सहयोग देने के लिए प्रेरित किया।

सड़क पर वाहन चलाते समय मत करो मस्ती, जिंदगी है अनमोल : डॉ. अशोक

सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम में युवक एवं युवतियों को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने किया जागरूक

भास्कर न्यूज | जींद

हिंदू कन्या कॉलेज में शहीदों को नमन

सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

रोड पर मत करो मस्ती, जिंदगी नहीं सस्ती

मोनिका ने पाया के.यू.के. में 10वां स्थान

जींद, 28 अक्तूबर (का.प्र.): हिंदू कन्या महाविद्यालय की बी.ए. चतुर्थ समैस्टर की छात्रा मोनिका ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर के.यू.के. में 10वां स्थान और जींद कालेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त पूजा रानी ने 81.78 प्राप्त कर दूसरा तथा अन्नू ने 80.75 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। कालेज प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक इस परीक्षा परिणाम में हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि कालेज का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शानदार रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए कालेज स्टाफ तथा छात्राओं को बधाई दी। प्रबंधक समिति के प्रधान अंशुल कुमार सिंगला ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। (सुनील)

उधर रत्नावली में हिंदू कन्या कॉलेज की छात्राओं ने भाग लेते हुए कई पदक जीते। प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने बताया कि पलक ने हरियाणवी भजन में प्रथम, जमित ने हरियाणवी चुटकुले प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हरियाणवी पगड़ी बांध प्रतियोगिता में विशोका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरियाणवीं परिधान में आशा ने भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी हरियाणवी संस्कृति को जीवंत रखे रहने का परिचय दिया।

रत्नावली कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते हुए। - अमर उजाला

हिंदू कालेज का प्रदर्शन रहा शानदार

जींद: कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस पर आयोजित रत्नावली में हरियाणा दिवस कार्यक्रम में हिंदू कन्या महाविद्यालय का शानदार प्रदर्शन रहा। महाविद्यालय की छात्रा कुमारी पलक ने हरियाणवी भजन में प्रथम व कुमारी जमित ने हरियाणवी चुटकुले प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में हरियाणवी पगड़ी बांध प्रतियोगिता में कुमारी विषोका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरियाणवी परिधान में कुमारी आशा ने भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी हरियाणवी संस्कृति को जीवंत रखे रहने का परिचय दिया। प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सम्मानित किया गया। सांस्कृति कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. क्यूटी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के जीवन पर ऐसा प्रभाव दिखती है जिससे उन का चहुं...

मोनिका का मारंट में दसवां स्थान

मोनिका।

जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सराहनीय रहा है। परीक्षा परिणाम में बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा मोनिका ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में 10 वां स्थान प्राप्त किया है। छात्रा पूजा रानी ने 81 प्रतिशत लेकर दूसरा व व अन्नु ने 80 प्रतिशत लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. अलका स्टाफ सदस्यों व छात्राओं को बधाई दी। प्रबंधक समिति के प्रधान अंशुल ने भी छात्राओं को बधाई दी।

भाषण में हिंदू कॉलेज की संजना प्रथम प्रियदर्शिनी कॉलेज की याशिका द्वितीय

हिंदू कन्या कॉलेज में मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए हुई प्रतियोगिता

भास्कर न्यूज | जींद

जींद. विजेता छात्रा को सम्मानित करती प्रिंसिपल डॉ. अलका गुप्ता व अन्य।

हिंदू कन्या कॉलेज में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए गुरुवार को जिला स्तर पर निबंध लेखन, रंगोली व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का विषय श्लोक तंत्र में संपूर्ण एवं गुणात्मक भागीदारी रहा। जिसमें 37 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में 12, रंगोली में 10 तथा निबंध प्रतियोगिता में 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल डॉ. अलका गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 18 साल या इससे अधिक आयु के युवक एवं युवतियों को अपने नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने चाहिए और चुनाव के दिन अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

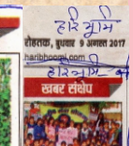

भाषण प्रतियोगिता में हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा संजना प्रथम स्थान, प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी कन्या कॉलेज की छात्रा याशिका द्वितीय व राजकीय पीजी कॉलेज की छात्रा अलीशा तृतीय स्थान पर रही। निबंध में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जींद की छात्रा सुदेश प्रथम, राजकीय पीजी कॉलेज की छात्रा निशा काजल व हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा दीक्षा ने द्वितीय स्थान तथा प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी कन्या कॉलेज की छात्रा वैशाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली में हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा ... प्रथम, राजकीय पीजी कॉलेज के छात्र अजय कुमार व प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी कन्या कॉलेज की छात्रा निकिता द्वितीय तथा हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा ट्विंकल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर नोडल अधिकारी नीलम, अनीता, डॉ. सुधा मलहोत्रा, उपासना, रेखा सैनी, डॉ. पूनम काजल, अंजू मौजूद रहीं।

हिंदू कन्या कॉलेज की टीम नेटबाल में प्रथम

जींद। खेल युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित खेल महाकुंभ में हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। महाविद्यालय की टीम नेटबाल में प्रथम, बास्केटबाल में तृतीय, विशु गेम में सुनयना प्रथम, प्रियंका द्वितीय व ज्योति तृतीय रही। जबकि हाई जंप में प्रियंका द्वितीय व पांच हजार मीटर में अनुराधा द्वितीय रही। छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया और कहा कि आज के इस भौतिकवादी युग ... गया है। खेल कौशल को निखारने के लि... का भी समावेश कर दिया गया है।

रोहतक, बुधवार 9 अगस्त 2017

haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एनएसएस छात्राओं ने स्वच्छता की शपथ

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने अपना पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया ... हरियाली सब हमारे अपने ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। इनका संरक्षण करना ही हमारा धर्म भी है और कर्म भी। इसी नियम को अपनाते हुए छात्राओं ने उत्साह पूर्वक इस अभियान में भाग लिया। एनएसएस इंचार्ज डा.क्यूटी ने कहा कि यह अभियान भारत सरकार ...

वुशू में सुनना प्रथम और प्रियका द्वितीय

जींद के हिन्दू कन्या कॉलेज में विजेता छात्राओं के साथ स्टाफ सदस्य • जागरण

जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय की पांच खिलाड़ियों ने खेल महाकुंभ के अलग-अलग खेलों में मेडल जीते। प्रिंसिपल अलका गुप्ता ने बताया कि नेटबॉल में हिंदू कॉलेज की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बास्केटबॉल में तृतीय स्थान पर रही। वुशू में सुनैना ने प्रथम, प्रियंका ने दूसरा व ज्योति तीसरे स्थान पर रही। 5000 मीटर क्रॉस कंट्री में अनुराधा ने दूसरा स्थान हासिल किया।

हिंदू कन्या महाविद्यालय की टीम नैटबॉल में प्रथम

विजेता खिलाड़ी के साथ महाविद्यालय प्रबंधन के साथ। (सुनील)

जींद, 3 अक्तूबर (का.प्र.): खेल युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित खेल महाकुंभ में हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। महाविद्यालय की टीम नैटबाल में प्रथम, बास्केटबाल में तीसरे स्थान पर रही। वुशू गेम में सुनैना प्रथम, प्रियंका द्वितीय और ज्योति तृतीय रही जबकि हाई जम्प में प्रियंका द्वितीय व 5 हजार मीटर में अनुराधा द्वितीय रही। छात्राओं की इस उपलब्धि पर कालेज प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया और कहा कि आज के इस भौतिकवादी युग में खेलों का महत्व बहुत अधिक बढ़ गया है। खेल कौशल को निखारने के लिए खेलों में बुद्धिमता और वैज्ञानिकता का भी समावेश कर दिया गया है, इसलिए सभी का कर्तव्य बनता है कि बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करें ताकि वह विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारतीय तिरंगे का मान-सम्मान बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि छात्राओं को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

जींद। हिंदू कन्या कॉलेज की वह छात्राएं जिन्होंने रत्नावली में पदक जीतने का काम किया। फोटो: हरिभूमि

हिंदू कन्या कॉलेज में लगाई प्रदर्शनी

... एनएसएस यूनिट की छात्राओं ने पूरे उत्साह से कुल आठ टीमों ने इसमें भाग लिया व प्रदर्शनी संबंधित जानकारियों से आने वाले सभी लोगों को अवगत कराया। जिसके आधार पर टीम पूर्वी, तोड़ी व कल्याण को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान भी दिया गया। इस मौके पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अंशुल सिंगला भी मौजूद रहे। उन्होंने छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. क्यूटी ने छात्राओं के उत्साह व क्रियात्मकता की सराहना करते हुए साक्षरता की सार्थकता पर कहा कि शिक्षा का अभिप्राय केवल अपना ज्ञान बढ़ाना ही नहीं अपितु उस ज्ञान का प्रचार भी करना है। जो हमें कहीं से मिला और हमने कहीं वितरित किया तभी वह सार्थक कहलाएगा वरना रुका हुआ पानी को गंदगी व बदबू ही देता है। बहता जल ही निर्मल व शुद्ध होता है।

खबर संक्षेप

फैंसिंग प्रतियोगिता में सुनयना ने जीता गोल्ड

जींद। 24वीं हरियाणा स्टेट फैंसिंग प्रतियोगिता में सुनयना ने गोल्ड व आशु ने ब्रॉज मेडल हासिल किया है। दोनों ही खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय समिति के प्रधान अंशुल कुमार सिंगला, उपप्रधान बलदेवराज आहूजा, प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

हिन्दू कन्या महाविद्यालय परिसर में योग करती छात्राएं।

योग का महत्व बताया

हिन्दू कन्या महाविद्यालय परिसर में मीना बंसल ने योग का जीवन में महत्व समझाते हुए योग की कुछ क्रियाओं को समझाया। एनएसएस छात्राओं सहित शिक्षकों ने भी इस उत्सव में हिस्सा लिया। प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने भी योग के महत्व को समझाया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. क्यूटी ने विचार रखे।

सुरभि ने बी.ए. द्वितीय समैस्टर में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पाया 7वां स्थान

जींद, 15 नवम्बर (का.प्र.): हिंदू कन्या कालेज की छात्रा सुरभि ने बी.ए. के द्वितीय समैस्टर में 87.75 प्रतिशत अंक हासिल करके 7वां और निशा ने 87 प्रतिशत अंकों के साथ विश्वविद्यालय में 10वें स्थान को प्राप्त किया है। कालेज प्राचार्या अलका गुप्ता ने कहा कि हिंदू कालेज का विश्वविद्यालय द्वारा जारी होने वाले परीक्षा परिणामों में अपना विशेष स्थान रहा है। कालेज की 9 छात्राओं ने इस परीक्षा परिणाम में 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त कर कालेज का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही 170 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की है। उन्होंने कहा कि कालेज का अपना इतिहास रहा है कि प्रत्येक परीक्षा परिणाम में कालेज की छात्राओं का विशेष स्थान होता है। शानदार परीक्षा परिणाम आने पर कालेज प्रधान अशुल सिंगला ने भी छात्राओं को बधाई देकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सुरभि ने दूसरे सेमेस्टर में कुवि में पाया सातवां स्थान

जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्रा सुरभि ने बीए के दूसरे सेमेस्टर ... 87.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में सातवां स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही निशा ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर 10वें स्थान पर रही। महाविद्यालय की नौ छात्राओं ने 8... प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। 170 छात्राओं ... प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की है। कॉलेज प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने छात्राओं को बधाई दी। कॉलेज प्रधान अंशुल कुमार सिंगला ने बधाई संदेश दिया।

OUR STARS

Priyanka
Yoga National
Parties Position

Pooja
Yoga National
Parties Position

Sapna
Yoga National
Parties Position

Anju
B.A Ist Year
Yoga National

Sanjana
B.Sc. IIIrd
Roll. No. 152534

Suynana
B.Sc. Ist Year
State Fancing

Aarti
Yoga National
Parties Position

Manju
B.A. IIIrd
Yoga National

Meenu
Yoga National
Parties Position

Gems of Our College

Monika (86.83%)
B.A. (2084/2400)
1st in K.U.K.

Niram
B.A. (Hons.) Mathematics
1st in K.U.K.

Nisha
B.A. 1st Sem. 5th in K.U.K.
B.A. 2nd Sem. 10th in K.U.K.

Surbhi
B.A. 2nd Sem. 7th in K.U.K.

Neelam (83.14%)
B.A. 1st Sem. (1st in College)

Vandana Rani (78.38%)
B.A. 3rd Sem. (1st in College)

Kirti (80.71%)
B.Sc. (Non-Med.)
1st Sem. (1st in College)

Pinki (91.19%)
B.Sc. (Non-Med.)
3rd Sem. (1st in College)

Muskan (89.50%)
B.Sc. (Non-Med.)
3rd Sem. (2nd in College)

Anita (89%)
B.Sc. (Non-Med.)
3rd Sem. (3rd in College)

Khushi (86.90%)
B.Sc. (Non-Med.)
4th Sem. (1st in College)

Punit (88.10%)
B.Sc. (Non-Med.)
5th Sem. (1st in College)

Sweety
B.Com. Ist Sem.
(1st in College)

Pooja (76%)
B.Com. 3rd Sem.
(1st in College)

Pallavi (76%)
B.Com. 5th Sem.
(1st in College)

Khushi Mittal
B.Com. (2662/3600)
(1st in College)

Poonam Rani (77.33%)
B. Com. 4th Sem
(1st in College)

Ruchi (80.30%)
M. Com. 2nd Sem
(1st in College)

Bharti (79.23%)
M. Com. 2nd Sem
(2nd in College)

Varsha (78.76%)
M. Com. 2nd Sem
(3rd in College)

SHUBHAM # 9813386722